Established 1865

पायनियर

Follw us on:
www.dailypioneer.com
@thedailypioneer
dailypioneer
dailypioneer

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

RNI No. DELHIN/2012/48369 | वर्ष-14 | अंक-31 | नई दिल्ली, बुधवार, 3 दिसंबर 2025 | पृष्ठ-12, मूल्य 6 रुपये | (नगर संस्करण)

लोकसभा में अगले सप्ताह होगी वंदे मातरम और चुनाव सुधारों पर चर्चा

संसद में गतिरोध टूटने के आसार

एजेंसी। नई दिल्ली

संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र में जारी गतिरोध के खत्म होने की संभावना मंगलवार को उस वक्त प्रबल हो गई जब सरकार ने लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा से जुड़ी विपक्ष की मांग को स्वीकार कर लिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की बैठक में यह सहमति बनी कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की रचना के 150 साल पूरा होने के विषय पर सोमवार को तथा चुनावों सुधारों के मुद्दे पर मंगलवार को सदन में चर्चा होगी।

लोकसभा अध्यक्ष के साथ नेताओं की बैठक में बनी सहमति

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वंदे मातरम पर चर्चा की शुरुआत करेंगे। चुनाव सुधार के मुद्दे पर चर्चा के लिए 10 घंटे समय निर्धारित किया गया है, लेकिन जरूरत पड़ने पर समय बढ़ाया जा सकता है। सभी दलों के नेताओं की लोकसभा अध्यक्ष के साथ बैठक के बाद कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की भी बैठक हुई, जिसमें इन विषयों पर चर्चा कराने पर मुहर लगाई गई। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज लोकसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक के दौरान सोमवार आठ दिसंबर को दोपहर 12 बजे से राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ पर लोकसभा में चर्चा और मंगलवार नौ दिसंबर को दोपहर 12 बजे से चुनाव सुधार पर सदन में चर्चा करने का निर्णय लिया गया है।'' बाद में रीजीजू ने संवाददाताओं से कहा, हम सब चाहते हैं कि संसद अच्छी तरह से चले और सदस्यों को बोलने का मौका मिले।

सांसदों को अपने क्षेत्र के मुद्दे रखने का मौका मिलना चाहिए। गतिरोध बिना वजह नहीं होना चाहिए। मंत्री ने कहा कि लोकसभा में चर्चा के बाद इन दोनों विषयों पर राज्यसभा में भी चर्चा होगी। बिरला के साथ सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की बैठक में यह सहमति बनने के बाद लोकसभा में जारी गतिरोध खत्म होने के आसार हैं। बीएसी की बैठक के बाद लोकसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश ने संवाददाताओं से कहा, बीएसी की बैठक के बाद वंदे मातरम और चुनाव सुधारों पर चर्चा के बारे में फैसला किया गया।

विपक्ष ने एसआईआर के खिलाफ संसद परिसर में किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों के सांसदों ने शीतकालीन सत्र के दौरान संसद में चुनाव सुधारों के विषय पर चर्चा की मांग और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करते हुए मंगलवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार के निकट एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, द्रमुक नेता टी आर बालू और कई अन्य विपक्षी सांसद शामिल हुए। प्रदर्शन कर रहे विपक्षी नेताओं ने एसआईआर वापस लो के नारे लगाए। खरगे ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, विपक्ष इसे (एसआईआर) उठा रहा है, और हम इस मामले पर बहुत गंभीरता से चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन राज्यसभा के सभापति ने इसकी अनुमति नहीं दी और सरकार इस पर चर्चा करने के लिए तैयार नहीं है।

समयसीमा की मांग को लेकर विपक्ष का राज्यसभा से बहिर्गमन

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर चर्चा की विपक्ष की मांग को लेकर मंगलवार को राज्यसभा में सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध जारी रहा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है, हालांकि उन्होंने इसकी समयसीमा तय करने से इनकार कर दिया। विपक्षी दलों ने मांग की कि एसआईआर पर चर्चा को अन्य कार्यों की तुलना में प्राथमिकता दी जाए, जबकि रीजीजू ने कहा कि 'वंदे मातरम्' पर चर्चा पहले होगी। सरकार द्वारा एसआईआर पर चर्चा को प्राथमिकता न देने पर विरोध जताते हुए विपक्षी सदस्यों ने सदन में नारेबाजी की और फिर वे सदन से बहिर्गमन कर गए। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी और माकपा के नेताओं ने मंगलवार को रीजीजू से मुलाकात कर एसआईआर पर तत्काल चर्चा की मांग रखी थी। उन्होंने कहा था कि सरकार को सदन में चुनाव सुधारों पर चर्चा का समय घोषित करना चाहिए।

एसआईआर पर लोस में हंगामा

एजेंसी। नई दिल्ली

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) समेत कुछ मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण बाधित लोकसभा की बैठक मंगलवार को दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई, वहीं सरकार ने कहा कि वह चुनाव सुधार समेत हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है। संसद के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन भी लोकसभा में गतिरोध की स्थिति बनी रही और सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजकर पांच मिनट पर दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे शुरू होने पर विपक्षी सदस्यों का शोर-शराबा जारी रहा। वे एसआईआर पर चर्चा हो के नारे लगा रहे थे। पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने विपक्षी दलों के सदस्यों से अपनी-अपनी सीट पर बैठने का आग्रह करते हुए कहा कि उनके जो भी मुद्दे हैं, उन पर सदन में चर्चा कराई जाएगी।

संसद के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन भी लोकसभा में गतिरोध

उन्होंने कहा, देश की जनता अपने मुद्दों पर यहां चर्चा चाहती है। आप सब जिम्मेदार विपक्ष हैं। कृपया बैठ जाइए। सैकिया ने विपक्षी सदस्यों का शोरगुल जारी रहने पर कहा, यह तरीका जनता पसंद नहीं करती। ऐसा मत कीजिए। आप सुनियोजित तरीके से बार-बार सदन को बाधित कर रहे हैं, यह ठीक नहीं है। आपके जो भी मुद्दे हैं उस पर चर्चा करने के लिए सदन तैयार है।

पिछले सत्र में भी आपने सदन का समय बर्बाद किया। आपके कारण सदन नहीं चल पा रहा। उन्होंने कहा, आप क्यों बार-बार एसआईआर पर बोल रहे हैं। एसआईआर पर चर्चा होगी.....बोला गया है।

सरकार एसआईआर पर चर्चा के लिए तैयार

एजेंसी। नई दिल्ली

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर तत्काल चर्चा की विपक्ष की मांग के बीच, संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने मंगलवार को कहा कि सरकार किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष को इसके लिए समय सीमा तय नहीं करनी चाहिए।

विपक्ष चर्चा के लिए समय सीमा तय न करे : रीजीजू

विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे की एसआईआर के मुद्दे पर सदन में तत्काल चर्चा शुरू करने की मांग के बाद, रीजीजू ने कहा कि वह मंगलवार को विभिन्न दलों के नेताओं से बातचीत करेंगे और कोई हल निकालेंगे। सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा तथा रीजीजू ने आश्वस्त किया कि सरकार चर्चा के लिए उपयुक्त समय तय करने को लेकर विपक्ष से विचार-विमर्श करेगी। नड्डा ने कहा कि उन्होंने कहा था कि इस मुद्दे पर फैसला करने के लिए जल्द ही विपक्षी नेताओं की एक बैठक बुलाई जाएगी। एसआईआर के मुद्दे पर तत्काल चर्चा की खरगे की मांग पर रीजीजू ने कहा कि विपक्ष समय का दबाव न डाले।

प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम बदल कर किया 'सेवा तीर्थ'

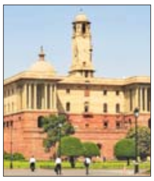

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के नए परिसर को अब सेवा तीर्थ के नाम से जाना जाएगा। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत बन रहे परिसर का निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में है।

इसे पहले एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव के रूप में जाना जाता था। प्रधानमंत्री कार्यालय के अलावा, निमार्णाधीन परिसर में मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और इंडिया हाउस के कार्यालय भी शामिल होंगे, जो आने वाले गणमान्य व्यक्तियों के साथ उच्च स्तरीय वार्ता का स्थल होगा।

देश में राजभवनों का नाम किया जा रहा है लोकभवन

अधिकारियों ने बताया कि सेवा तीर्थ एक ऐसा कार्यस्थल होगा, जिसे सेवा की भावना को प्रतिबिंबित करने के लिए डिजाइन किया गया है और जहां राष्ट्रीय प्राथमिकताएं मूर्त रूप लेंगी। उन्होंने कहा कि भारत के सार्वजनिक संस्थान एक शांत लेकिन गहन बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक शासन का विचार सत्ता से सेवा और अधिकार से उत्तरदायित्व की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक भी है। राज्यों के राज्यपालों के आधिकारिक आवास राजभवन का भी नाम भी बदलकर लोक भवन रखा जा रहा है।

अंग्रेजों की निशानियों को मिटाने पर जोर

मोदी सरकार भारत में अंग्रेजों की निशानियों को मिटाने पर काम कर रही है। सरकार ने हाल ही में राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक वृक्षों से घिरे मार्ग के पूर्ववर्ती नाम राजपथ को बदलकर कर्त्तव्य पथ किया था। प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास का नाम 2016 में बदलकर लोक कल्याण मार्ग कर दिया गया था। अधिकारियों के मुताबिक यह नाम कल्याण का बोध कराता है, न कि विशिष्टता का, तथा यह प्रत्येक निर्वाचित सरकार के भविष्य के कार्यों की याद दिलाता है। केन्द्रीय सचिवालय का नाम कर्तव्य भवन है, जो एक विशाल प्रशासनिक केंद्र है, जिसका निर्माण इस विचार के इर्द-गिर्द किया गया है कि सार्वजनिक सेवा एक प्रतिबद्धता है। अधिकारियों ने कहा, ये बदलाव एक गहरे वैचारिक परिवर्तन का प्रतीक हैं। भारतीय लोकतंत्र सत्ता की बजाय जिम्मेदारी और पद की बजाय सेवा को चुन रहा है।

अयोध्या में 52 एकड़ क्षेत्र में बनेगा विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने अयोध्या को विश्व स्तर पर एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 'टाटा सन्स' के सहयोग से अयोध्या में प्रस्तावित विश्वस्तरीय 'मंदिर संग्रहालय' का दायरा और बड़ा कर दिया है। प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गये इस निर्णय की जानकारी दी।

सीएम योगी की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया निर्णय

खन्ना ने बताया कि टाटा सन्स ने अपने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) फंड से एक अत्याधुनिक मंदिर संग्रहालय विकसित करने और उसका संचालन करने की इच्छा व्यक्त की है। इसके लिए कंपनी अधिनियम-2013 की धारा आठ के तहत एक गैर-लाभकारी इकाई बनायी जाएगी, जिसमें केंद्र और राज्य सरकार के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के लिये भूमि आवंटन के वास्ते

केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और टाटा सन्स के बीच त्रिपक्षीय समझौता तीन सितंबर 2024 को हस्ताक्षरित हो चुका है। खन्ना ने बताया कि पूर्व में प्रदेश सरकार ने अयोध्या के मांझा जमथरा गांव में 25 एकड़ नजूल भूमि टाटा सन्स को 90 वर्षों के लिए उपलब्ध कराने की अनुमति दी थी, लेकिन टाटा सन्स ने संग्रहालय की भव्यता के दृष्टिगत अधिक भूमि की अपेक्षा की थी। ऐसे में अब इस भूमि के अतिरिक्त 27.102 एकड़ और मिलाकर कुल 52.102 एकड़ भूमि का निःशुल्क हस्तांतरण आवास एवं शहरी नियोजन विभाग से पर्यटन विभाग के पक्ष में किया जाएगा ताकि परियोजना का दायरा और बड़ा किया जा सके।

निर्विरोध बिहार विस अध्यक्ष चुने गए प्रेम कुमार

एजेंसी। पटना

भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रेम कुमार को मंगलवार को सर्वसम्मति से 18वीं बिहार विधानसभा का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। प्रोटेम स्पीकर नरेन्द्र नारायण यादव ने सदन को सूचित किया कि अध्यक्ष पद के लिए प्रेम कुमार ही एकमात्र उम्मीदवार थे। इसके बाद, उन्हें ध्वनि मत से सर्वसम्मति से निर्वाचित घोषित किया गया। गया टाउन सीट से हाल ही में लगातार नौवीं बार विजयी हुए प्रेम कुमार को परंपरा के अनुसार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अध्यक्ष के आसन तक पहुंचाया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कुमार को अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह बिहार विधानसभा के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कुमार को दी बधाई

ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है : नौसेना प्रमुख

एजेंसी। नई दिल्ली

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने मंगलवार को कहा कि मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान बल के आक्रामक रुख के कारण पाकिस्तानी नौसेना को उसके बंदरगाहों के करीब रहने पर मजबूर होना पड़ा।

एडमिरल त्रिपाठी ने अपने वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के साथ तनाव के बाद पिछले सात-आठ महीनों में पश्चिमी अरब सागर सहित अन्य स्थानों पर उच्च पैमाने पर अपने जहाजों और पनडुब्बियों को तत्परता के साथ तैनात रखा है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अब भी जारी है।एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विमानवाहक पोत की तैनाती समेत आक्रामक रुख और तत्काल कार्रवाई ने पाकिस्तानी नौसेना को उसके बंदरगाहों या मकरान तट के पास रहने के लिए मजबूर कर दिया। नौसेना प्रमुख ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' से पाकिस्तान पर वित्तीय दबाव पड़ा है, क्योंकि संघर्ष के बाद बड़ी संख्या में व्यापारिक जहाजों ने पाकिस्तान की यात्रा करने से परहेज किया है।

समुद्र सहित अन्य स्थानों पर तैनात हैं जहाज और पनडुब्बियां

ईडी के सामने पेश हुईं अभिनेत्री नेहा शर्मा

एजेंसी। नई दिल्ली

मॉडल और अभिनेत्री नेहा शर्मा ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच 1एक्सबेट से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष मंगलवार को पेश हुईं। अधिकारियों ने बताया कि शर्मा (38) का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत दर्ज किया जा रहा है। माना जा रहा है कि शर्मा कुछ विज्ञापनों के माध्यम से सट्टेबाजी मंच से जुड़ी हुई हैं। संघीय जांच एजेंसी ने इससे पहले इसी मामले में पूर्व क्रिकेटरों शिखर धवन और सुरेश रैना से इसी तरह पूछताछ के बाद उनकी 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी। कुराकाओ में पंजीकृत, 1एक्सबेट को पोर्टल द्वारा सट्टेबाजी उद्योग में 18 वर्षों के अनुभव के साथ विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सट्टेबाज ऐप बताया गया है।

ऑनलाइन बेटिंग एप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में हुई पूछताछ

गांधी की किताब का जिक्र कर मोहन भागवत बोले- देश पहले से ही एकजुट

अंग्रेजों ने झूठी कहानी गढ़ी कि भारत में एकता नहीं थी

एजेंसी। नागपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने महात्मा गांधी की उस टिप्पणी को याद किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अंग्रेजों ने झूठी कहानी गढ़ी थी कि उनके शासन से पहले भारत में एकता की कमी थी। भागवत ने शनिवार को नागपुर में राष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा, गांधीजी ने (अपनी पुस्तक) हिंद स्वराज में लिखा था कि यह झूठी कहानी अंग्रेजों द्वारा हमें सिखाई गयी थी कि उनके आने से पहले हम एकजुट नहीं थे।

भारत की राष्ट्र अवधारणा पश्चिम से बिल्कुल अलग : संघ प्रमुख

गांधीजी द्वारा 1908 में गुजराती में लिखी गई और 1909 में उनके द्वारा अंग्रेजी में अनूदित हिंद स्वराज में 20 अध्याय हैं और यह पाठक और एक सम्पादक के बीच संवाद की शैली में लिखा गया है। गांधी जी ने किताब में लिखा था, अंग्रेजों ने हमें सिखाया है कि हम पहले एक राष्ट्र नहीं थे और एक राष्ट्र बनने में सदियां लगेंगी।

यह निराधार है। उनके भारत आने से पहले भी हम एक राष्ट्र थे। उन्होंने लिखा था, एक विचार ने हमें प्रेरित किया। हमारी जीवन-शैली एक जैसी थी। हम एक राष्ट्र थे, इसलिए वे एक राज्य स्थापित करने में सफल रहे। इसके बाद उन्होंने हमें विभाजित कर दिया। भागवत ने कहा कि भारत की राष्ट्र की अवधारणा प्राचीन, नैसर्गिक और राष्ट्र की पश्चिमी अवधारणा से मौलिक रूप से भिन्न है। उन्होंने कहा, हमारा किसी से कोई विवाद नहीं है।

हम विवादों से दूर रहते हैं। विवाद करना हमारे देश की प्रकृति में नहीं है। साथ रहना और भाईचारा बढ़ाना हमारी परंपरा है। भागवत ने कहा कि दुनिया के अन्य हिस्से संघर्ष से भरी परिस्थितियों में विकसित हुए हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा, एक बार कोई राय बन जाने के बाद, उस विचार के अलावा कुछ भी अस्वीकार्य हो जाता है। वे अन्य विचारों के लिए दरवाजे बंद कर देते हैं और उसे ...वाद कहना शुरू कर देते हैं। भागवत ने कहा, हम राष्ट्रीयता शब्द का इस्तेमाल करते हैं, राष्ट्रवाद का नहीं। राष्ट्र के प्रति अत्यधिक गर्व के कारण दो विश्व युद्ध हुए, यही वजह है कि कुछ लोग राष्ट्रवाद शब्द से डरते हैं।

एआई का ज्ञान और युवाओं को संदेश

भागवत ने कार्यक्रम में युवा लेखकों से संवाद करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी प्रौद्योगिकी का आगमन रोका नहीं जा सकता, लेकिन हमें इसका इस्तेमाल करते हुए निपुण होना चाहिए और अपनी गरिमा बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एआई का उपयोग मानवता के हित में और मनुष्य को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए। आरएसएस प्रमुख ने भाषा और संस्कृति के लिए वैश्वीकरण की चुनौती से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा, यह फिलहाल एक भ्रम है। वैश्वीकरण का वास्तविक युग अभी आना बाकी है और उसे भारत लेकर आयेगा। उन्होंने कहा कि भारत में शुरू से ही वैश्वीकरण का विचार रहा है, जिसे वसुधैव कुटुंबकम कहा जाता है।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 3 दिसंबर 2025

रूसी राष्ट्रपति के भारत यात्रा कार्यक्रम को दिया गया अंतिम रूप

पुतिन के भारत दौरे से पहले राजधानी में हाई अलर्ट

- आगमन से लेकर जाने तक, हर गतिविधि पर कई सुरक्षा एजेंसियां रखेंगी नजर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे से पहले कई सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और अधिकारी राष्ट्रीय राजधानी में उनके मार्ग एवं कार्यक्रमों के मद्देनजर व्यापक सुरक्षा बंदोबस्त की तैयारी में जुटे हैं। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुतिन चार दिसंबर को दो दिवसीय दौरे पर दिल्ली पहुंचेंगे।

रूसी राष्ट्रपति के विस्तृत यात्रा कार्यक्रम को अंतिम रूप दे दिया गया है, लेकिन कड़ी सुरक्षा आवश्यकर्ताओं के कारण ठहरने के स्थान सहित उनके प्रवास का सटीक विवरण अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था में शामिल सभी एजेंसियों को इस दौरे के दौरान लगातार निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। एक सूत्र ने बताया, उनके आगमन से लेकर उनके जाने तक, हर गतिविधि पर कई सुरक्षा एजेंसियां नजर रखेंगी। हम पल-पल की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। सूत्र ने यह भी कहा कि दिल्ली पुलिस के शीर्ष अधिकारी यातायात प्रबंधन से लेकर उन क्षेत्रों की साफ-सफाई समेत सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करेंगे, जहां रूसी राष्ट्रपति अपने प्रवास के दौरान जा सकते हैं। उन्होंने बताया, तैयार रूट प्लान के अनुसार, आवागमन के मार्ग के लिए व्यापक तैयारी की जाएगी। यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए प्रतिबंधों के बारे में सलाह भी जारी की जाएगी। सूत्रों ने यह भी बताया कि रूस की अग्रिम सुरक्षा और प्रोटोकॉल टीम के 50 से अधिक कर्मी जल्द ही राजधानी में पहुंचेंगे और वे संभावित पड़ावों, दौरा किए जाने वाले स्थलों और समग्र सुरक्षा ढांचे का विस्तृत निरीक्षण करेंगे। सूत्र ने बताया, दो दिन के दौरान, दिल्ली में बहुस्तरीय सुरक्षा घेरा रहेगा, जिसमें दिल्ली पुलिस, केंद्रीय एजेंसियां और पुतिन की निजी सुरक्षा टीम शामिल होगी। स्वाट टीम, आतंकवाद-रोधी दस्तों और त्वरित प्रतिक्रिया टीम सहित विशेष इकाइयां राजधानी भर में रणनीतिक स्थानों पर तैनात रहेंगी। ड्रोन, सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी और तकनीकी खुफिया प्रणालियां भी तैनात की जाएंगी।

अभियोजक अदालत का अधिकारीः न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि अभियोजक अदालत का एक अधिकारी है, जिसका कर्तव्य न्याय के हित में कार्य करना है, न कि केवल अभियुक्त की दोषसिद्धि सुनिश्चित कराना। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने हत्या के एक मामले में तीन व्यक्तियों की दोषसिद्धि को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की। याचिकाकर्ताओं ने भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 313 का पालन न करने का आरोप लगाया है। दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 का उक्त प्रावधान अदालत को प्रस्तुत साक्ष्य के आधार पर अभियुक्त से पूछताछ करने का अधिकार देता है। पीठ ने कहा, हमारे लिए यह देखना भी उतना ही परेशान करने वाला है कि अभियुक्तों को दोषसिद्धि दिलाने की चाहत में अभियोजकों ने इस धारा के तहत अभियुक्तों से पूछताछ करने में अदालत की सहायता करने के अपने कर्तव्य को भी दरकिनार कर दिया। न्यायालय ने कहा अभियोजक अदालत का एक अधिकारी है और न्याय के हित में कार्य करना उसका पवित्र कर्तव्य है। वह बचाव पक्ष के वकील के रूप में कार्य नहीं कर सकता, बल्कि राज्य के लिए कार्य करता है, जिसका एकमात्र उद्देश्य अभियुक्त को दंड दिलाना है।

महिला सम्मेलन में स्वदेशी को बढ़ावा देने का लिया संकल्प

- आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं का योगदान अमूल्य

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भाजपा फरीदाबाद द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत जिला कार्यालय पर एक भव्य महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें जिलेभर से जुड़े सेल्फ हेल्प ग्रुप, एनजीओ और सामाजिक संगठनों की बड़ी संख्या में महिलाएँ शामिल हुईं। सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं को स्वदेशी उत्पादों, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण से जोड़ना रहा।

जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने कहा कि देश के आर्थिक विकास और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं का योगदान अमूल्य है। उन्होंने कहा कि आज देश के हर घर में महिलाएँ स्वदेशी उत्पाद बनाकर न सिर्फ आत्मनिर्भर हो रही हैं, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत का सपना उसी समय साकार होगा जब महिलाएँ स्वदेशी को अपनाने में अग्रणी भूमिका निभाएँगी। महापौर प्रवीण जोशी ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों के उपयोग से स्थानीय उद्योग बढ़ते हैं और रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। उन्होंने अयोध्या दीपोत्सव का उदाहरण देते हुए बताया कि लाखों दीयों के निर्माण से हजारों कुम्हार परिवारों को रोजगार मिला, जो आत्मनिर्भर भारत की वास्तविक तस्वीर है। पूर्व शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने कहा कि स्वदेशी अपनाना केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक कर्तव्य भी है। उन्होंने कहा कि हमें विदेशी उत्पादों की बजाय अपने स्थानीय कलाकारों, कारीगरों और निमार्ताओं को बढ़ावा देना चाहिए। जिला प्रभारी नरेंद्र वत्स ने कहा कि नारी ही नारायणी है और महिलाओं में समाज बदलने की अपार क्षमता होती है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि घर में उपयोग होने वाली वस्तुओं में स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें। महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष राजबाला सरदाना ने कहा कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर महिला न सिर्फ अपने परिवार को, बल्कि समाज और राजनीति को भी दिशा देने की क्षमता रखती है। कार्यक्रम में टीना बैंटिक, अनीता शर्मा, सीमा भारद्वाज सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

> स्वदेशी अपनाना केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक कर्तव्य भी है। हमें विदेशी उत्पादों की बजाय अपने स्थानीय कलाकारों, कारीगरों और निमार्ताओं को बढ़ावा देना चाहिए।
> **सीमा त्रिखा, पूर्व शिक्षा मंत्री**

विश्व एड्स दिवस पर पेंटिंग प्रतियोगिता के माध्यम से जागरूकता

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सराय ख्वाजा में विश्व एड्स दिवस अवसर पर जूनियर रेड क्रॉस एवं सेंट जॉन एम्बुलैंस ब्रिगेड की ओर से पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने बताया कि विश्व एड्स दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों में एचआईवी संक्रमण, इसके कारण, बचाव और उपचार के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर एड्स महामारी को रोकने के लिए सरकार, स्वास्थ्य संस्थान, संगठन और स्वयंसेवी संस्थाएं लगातार अभियान चलाती हैं। एचआईवी पॉजिटिव लोगों के साथ एकजुटता का संदेश देना और एड्स से पीड़ित लोगों की सहायता करना हम सबकी जिम्मेदारी है। प्राचार्य मनचंदा ने बताया कि एड्स आज भी एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, लेकिन जानकारी और सावधानी से इससे बचाव पूर्णतया संभव है। इस वर्ष विश्व एड्स दिवस की थीम उचित मार्ग अपनाएं रखी गई है, जिसके तहत हर व्यक्ति को अपना एचआईवी स्टेटस जानने की प्रेरणा दी जा रही है। बच्चों ने पेंटिंग के माध्यम से एड्स से बचाव और जागरूकता का संदेश प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में खुशी प्रथम, अनामिका द्वितीय और सोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम में प्राध्यापक निखिल, सरिता, दीपांजलि, गीता, ममता व अन्य स्टाफ उपस्थित रहे। सभी अध्यापकों ने बच्चों से इस जानकारी को परिवार और समाज तक पहुंचाने की अपील की। प्राचार्य मनचंदा ने संदेश दिया कि एड्स भले ही लाइलाज हो, लेकिन ज्ञान इसका सबसे सुरक्षित बचाव है।

आमिर राशिद अली की एनआईए हिरासत सात दिन और बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने लाल किला विस्फोट में मदद करने के आरोपी आमिर राशिद अली की राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) हिरासत मंगलवार को सात दिन और बढ़ा दी। अली को 27 नवंबर को उसकी 10 दिन की रिमांड की अवधि समाप्त होने से पहले, 26 नवंबर को सात दिन की एनआईए हिरासत में भेजा गया था। लाल किला विस्फोट के सिलसिले में 16 नवंबर को गिरफ्तार किए गए जम्मू-कश्मीर निवासी अली को मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने इस मामले में अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह मामला जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा भंडाफोड़ किए गए सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल से जुड़ा है। दिल्ली में 10 नवंबर को लाल किले के पास हुए विस्फोट में 15 लोग मारे गए थे।

कलाग्राम सोसाइटी की कार्यशैली पर कला परिषद के पूर्व उप-निदेशक ने उठाए सवाल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

- बिना कैबिनेट की मंजूरी के खुद को सरकारी संस्था लिखती है कलाग्राम
- उपायुक्त कार्यालय में मिला है ऑफिस, नगर निगम देता है वेतन

पिछले 18 महीनों से गुरुग्राम में कलाकारों की शिकायतों पर जिला प्रशासन और सरकार द्वारा ढुलमुल रवैया अपनाने से कलाकारों में रोष है। मल्टी आर्ट कल्चरल सेंटर कुरुक्षेत्र के पूर्व प्रभारी एवं हरियाणा कला परिषद के पूर्व उप-निदेशक विश्व दीपक त्रिखा ने आवाज उठाई है।

विश्व दीपक त्रिखा ने नगर निगम कमिश्नर को एक लिखित शिकायत के माध्यम से, जिसकी प्रतियां आयुक्त गुरुग्राम, उपायुक्त गुरुग्राम, मुख्यमंत्री, सीएम के सीनियर प्रिंसिपल सेक्रेटरी को भी भेजी है। इसमें कला ग्राम पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कलाग्राम खुद को एक सरकारी संस्था बताती है और लिखती भी है। यह सरासर झूठ है। क्योंकि कोई भी सरकारी संस्था बनाने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा विधान सभा में बिल पास करना पड़ता है। इस कथित सरकारी संस्था के लिए सदन से कोई भी कैबिनेट की मंजूरी नहीं ली गई है। ना ही कभी कोई बिल पास हुआ है। यह संस्था एक सोसाइटी के तौर पर रजिस्ट्रार ऑफ फर्म्स एंड सोसायटीज के यहां रजिस्टर्ड भर है, जिसमें जिला उपायुक्त, निगम कमिश्नर मेंबर या पैटर्न है। फिर इसे किस आधार पर सरकारी संस्था के तौर पर प्रचारित एवं प्रसारित किया जा रहा है। इसके अलावा अगर यह केवल एक सोसाइटी है तो फिर किस आधार पर उन्हें जिला उपायुक्त कार्यालय में ऑफिस दिया गया है। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा किस आधार पर उनको मोटा वेतन दिया जा रहा है। विश्व दीपक त्रिखा ने यह भी कहा कि कोरोना के समय से ही गुरुग्राम में सांस्कृतिक गतिविधियां लगभग बंद पड़ी हैं। ऐसे में इन लोगों को वेतन और ग्रांट देने का औचित्य क्या है।

शहर में कलाकारों के लिए कोई सरकारी स्थान भी नहीं है। बाल भवन का निर्माण कार्य चल रहा था, जो अभी तक भी पूरा नहीं हुआ है। एकमात्र स्थान रंगभूमि ओपन एयर थिएटर ही बचता था, उसे भी पूर्व जिला उपायुक्त निशांत कुमार द्वारा कला ग्राम को अलॉट कर दिया गया था। उन्होंने सवाल किया कि एक सरकारी बिल्डिंग को किसी प्राइवेट संस्था को दे देना कहां तक उचित है। संस्था उपायुक्त कार्यालय को भी अंधेरे में रखकर निजी स्तर पर लोगों को 25,000 रुपए किराया लेकर कार्यक्रम करने को देती है, जो कि धोखाधड़ी है। कलाकार परेशान हैं। बार-बार शिकायत कर रहे हैं। वे लोग 25,000 रुपया किराया देने में असमर्थ हैं। बार बार शिकायत करने पर भी उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। हाल ही में वर्तमान जिला उपायुक्त ने कलाकारों से मीटिंग कर उनकी मांगों को ध्यान से सुना। इस सब के समाधान के लिए एचसीएस अधिकारी सुमित कुमार को कार्रवाई करने के लिए नियुक्त किया गया है। सुमित कुमार ने इस बारे में एक बैठक 25 नवंबर को की है, जिससे कलाकारों में कुछ उम्मीद बंधी है कि शायद उनकी परेशानियों का अंत शीघ्र ही होगा।

सीएम फ्लाइंग ने किया बीडीपीओ हथीन कार्यालय का औचक निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मुख्यमंत्री उड़न दस्ता फरीदाबाद को मिली गुप्त सूचना के आधार पर आज जिला पलवल के बीडीपीओ हथीन कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। सूचना के अनुसार, कार्यालय में तैनात अधिकारी एवं कर्मचारी समय पर उपस्थिति दर्ज नहीं कर रहे थे तथा अचानक जांच में कई अनियमितताएँ सामने आने की संभावना थी। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए डीएसपी शाकिर हुसैन, मुख्यमंत्री उड़न दस्ता फरीदाबाद, एसडीओ पंचायती राज अरसद, तथा ड्यूटी मजिस्ट्रेट की टीम ने बीडीपीओ कार्यालय पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाया गया कि कार्यालय में कुल 12 कर्मचारी तैनात थे, जिनमें से 6 कर्मचारी समय पर उपस्थित मिले, जबकि 4 कर्मचारी लगभग 10 बजे देरी से आए। बीडीपीओ जितेंद्र कुमार हथीन के साथ-साथ ब्लॉक मुंडलान, जिला सोनीपत का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे हैं, जिसके चलते वह सोनीपत में मौजूद पाए गए। साथ ही, पास ही स्थित एसडीओ पंचायती राज कार्यालय में तैनात 9 कर्मचारियों/अधिकारियों में से केवल एक कर्मचारी ही कार्यालय में पाया गया, जबकि बाकी सभी विभिन्न जगहों पर चल रहे निर्माण कार्यों की विजिट पर गए हुए थे। निरीक्षण के दौरान बीडीपीओ कार्यालय में ट्रू विंडो शिकायतों, अन्य शिकायतों और रजिस्टरों की जांच की गई। टीम को सामान्य शिकायतों का कोई रजिस्टर नहीं मिला। वहीं सीईओ पोर्टल पर 46 शिकायतें लंबित पाई गईं। इसके अलावा वैनजी योजना के तहत अनुमोदित 11 कार्यों में से 6 कार्य अभी तक शुरू ही नहीं हुए पाए गए। टीम ने ग्राम स्तर पर चल रहे विकास कार्यों का रिकॉर्ड भी कब्जे में लेकर उसका अवलोकन करने और अलग से विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने की घोषणा की। निरीक्षण के दौरान मिली अनियमितताओं को लेकर संबंधित विभागों को जल्द आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए जा सकते हैं।

अदालत ने पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई के मामले में आठ लोगों को दी जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने संसद मार्ग थाने के बाहर पुलिस के साथ हाथापाई के सिलसिले में गिरफ्तार किये गये आठ प्रदर्शनकारियों को मंगलवार को जमानत दे दी। संसद मार्ग थाने में दर्ज एक मामले में पुलिस ने आरंभ में 17 लोगों को गिरफ्तार किया था। उनमें से नौ को 28 नवंबर को जमानत मिल गई थी। शेष आठ को मंगलवार को प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट साहिल मोंगा ने 20,000 रुपये के मुचलके पर जमानत दे दी। सुनवाई के दौरान, अतिरिक्त लोक अभियोजक ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि माडवी हिडमा के समर्थन में लगाए गए राजनीतिक नारों के पीछे की साजिश का पदार्फाश करने और विद्यार्थियों के वित्त पोषण के स्रोत का पता लगाने के लिए और समय की आवश्यकता है।

राजीव जेटली ने किया जर्नी टू स्टोरी ऑफ सोल्जर का विमोचन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

- पुस्तक में देशभक्ति की अनमोल गाथा

हरियाणा भवन में मंगलवार दोपहर एक भावपूर्ण और गौरवशाली पल देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मीडिया सलाहकार एवं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव जेटली ने डॉ. प्रीता पंवार की पुस्तक जर्नी टू स्टोरी ऑफ सोल्जर का विधिवत विमोचन किया। फरीदाबाद जिले के कई गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थिति दर्ज कर लेखिका के इस महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। यह पुस्तक डॉ. प्रीता पंवार के पिता, स्वर्गीय शिवराज सिंह पंवार के जीवन पर आधारित है, जो एक साहसी सैनिक रहे और जिन्होंने 1962, 1965 और 1971 की तीनों ऐतिहासिक युद्धों में देश की रक्षा का दायित्व निभाया। उन्होंने अपने जीवनकाल में 40 से 50 डायरियां लिखीं, जिन पर आधारित यह पुस्तक न सिर्फ उनके सैनिक जीवन का सजीव दस्तावेज है, बल्कि भारत के इतिहास की कई अहम घटनाओं का भावपूर्ण वर्णन भी प्रस्तुत करती है। लेखिका ने स्वतंत्रता के बाद के भारत से लेकर वर्ष 2017-18 तक की राष्ट्रीय यात्रा को अत्यंत संवेदनशीलता और गहन शोध के साथ प्रस्तुत किया है। उनकी लेखनी राष्ट्र के मर्म को स्पर्श करती है और पाठक को व्यक्ति से राष्ट्र तथा राष्ट्र से व्यक्ति की अनूठी यात्रा पर ले जाती है।

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I, Subama Saha W/o Shankar Saha, R/o DDA Janta Flat No-78-C, 3rd Floor, Block L, Malviya Nagar (Saket), South, New Delhi, 110017, Mob. 9311064927, Email: subama12saha@gmail.com, has applied conversion of aforesaid property. The original papers i.e. Possession Letter etc. of Flat No-78-C, 3rd Floor, Malviya Nagar have been lost. An F.I.R to this effect has been lodged to police station date 01/12/2025. Any persons claiming any right, having any objection or found in possession of original document may write/contact with above named person at above address within 15 days from the date of publication of this notice & can personally contact- Deputy Director (LAB Housing) D-Block, 3rd Floor, INA, DDA Vikas Sadan, New Delhi-110023

PUBLIC NOTICE

This is to inform general public that Mrs. Preet Singh has acquired Property Entire Upper Ground Floor upto the extent of ceiling level, area measuring 607.5 sq. yds., Built on Property bearing K-11, area measuring 75 Sq. yds., Pertaining to Rect. No. 18, Killa No. 8, situated at abadi of New Govind Pura Extention in the area of village Khureji Khas, Illaqa Shahdara, New Delhi-110051 by way of Sale Deed dated 06.07.2016 registered as Document No. 3967. Now, Mrs. Preet Singh availing a loan on above said property from Hinduja Housing Finance Limited (HHFL) & in case anyone has any objection, the same may be raised within 7 days of this publication to Mr. Ajit Sharma (Advocate), Partner of AccuLaw Source LLP, Unit No. S-2-U, 2nd Floor, built on Plot no. 4 and 5, Ansal Utility Commercial Center, Paschim Vihar, New Delhi-110063 or contact : +91 9560309909 (M)

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सचिन कुमार मौर्य की ओर यह सूचना दी जाती है। कि वे ग्राम पालम, दिल्ली राज्य दिल्ली, कॉलोनी महावीर एन्क्लेव पार्ट-3, गली नंबर 76, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110049 में स्थित खसरा संख्या 113/20 में से क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, संपत्ति संख्या आरजेड-59ए, नया संख्या ई-399, बिना छत अधिकार के प्रथम तल, को श्री मोहम्मद शाहिद पुत्र अकबरली से खरीद रहे हैं, जिनके पास नोटराइज्ड जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, बिक्री अनुबंध दिनांक 11.11.2019 के आधार पर इसका स्वामित्व था, जिसे श्री जय प्रकाश गुप्ता पुत्र श्री परमानंद द्वारा निष्पादित किया गया था, अब, सचिन कुमार मौर्य आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से वित्तीय सहायता प्राप्त कर, उक्त संपत्ति को खरीदना और बंधक रखना चाहता है। बैंक/एनबीएफसी की आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए, हम यह सार्वजनिक सूचना देते हैं कि यदि किसी व्यक्ति उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का दावा/अधिकार/स्वामित्व/हित/बंधक बनाने में कोई आपत्ति है तो वह आज से 15 दिनों के भीतर अपनी आपत्तियों के बारे में नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित कर सकता है। ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार आदि से मुक्त है।
सुसेम लीगल एलएलपी
एफ-161, भूतल, सायरा टावर, गौतम नगर, यूसुफ सराय कम्युनिटी सेंटर के पास, दिल्ली-110049, संपर्क # 011-40046316

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that my client Sartaj Singh Saroha is in process to purchase the Apartment no. PTF-1A-0201, on 2nd Floor, Tower-1A, in the project Palm Drive, Situated at village Badshahpur, Sector-66 (availing loan from HDFC Bank Ltd) from Ravinder Arora, whereas he is the owner of said property by virtue Transfer Deed dated 02/3/2020 Doc no.15072 executed by Chaman Lal Arora. My client has informed that his seller are not having below mentioned Document Pertaining to the property in Question, Online FIR has already been lodged in lieu of that vide Application no.13227110250O594
1. Original Allotment Letter dated 1/12/2010 issued by M/ Emaar MGF Land Ltd in favor of Sudharani
2. Original Buyer Agreement dated 18/8/2012 executed by M/ Emaar MGF Land Ltd and M/s Conscient Infrastructure Pvt. Ltd in favour of Sudharani
3. Original Nomination Letter dated 29/5/2017 issued by M/ Emaar MGF Land Ltd in favor of Chaman Lal Arora
4. Original Handover Letter dated 30/5/2017 issued by M/ Emaar MGF Land Ltd in favor of Chaman Lal Arora
All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned.
Kamal Kant Gupta (Advocate)
Unit No. FF-2, First floor, Mahalaxmi Metro Tower Sec-4, Vaishali, Gzb., U.P., Mob. 9810063351

PUBLIC NOTICE

That my clients Shree Dinesh Chand Pal S/o Late Babu Ram Pal and Smt. Anita Pal W/o Dinesh Chand Pal both R/o F-3, Street No. 34, Mahendra Park (Adarsh Nagar), Delhi have severed all relations with their son Amit Pal aged 30 years and daughter-in-law Dolly Pal aged 29 years. My clients have disowned both of them from all their immovable & movable properties due to their disobedience and bad behaviour. My client shall not be responsible for their any past and future acts deeds, financial & legal liability whatsoever with immediate effect.
Sd/- Rajender Yadav
(Enrol no.D/398/2001)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अरुण शर्मा, नई दिल्ली के सूरज विहार नामक कॉलोनी, काकरोला गाँव में स्थित खसरा संख्या 16/8 में स्थित 468 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले संपूर्ण प्लॉट संख्या 1 के जीपीए धारक हैं। उक्त संपत्ति के संबंध में श्री एस.सी. सिंघल (सुरेश चंद सिंघल) और श्री विजेंद्र जैन द्वारा श्री अरुण शर्मा के पक्ष में दिनांक 06.08.2016 को निष्पादित नोटरीकृत जीपीए, एटीएस, वसीयत, एसपीए के माध्यम से उनका कब्जा है। श्री अरुण शर्मा उपर्युक्त प्लॉट का स्वामित्व बिक्री विलेख के माध्यम से मेसर्स भरत सिंह आर्य मेमोरियल एजुकेशनल सोसाइटी को हस्तांतरित करना चाहते हैं। इसके बाद, मेसर्स भरत सिंह आर्य मेमोरियल एजुकेशनल सोसाइटी उक्त संपत्ति को हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड के पास गिरवी रखने की प्रक्रिया में है। इस लेन-देन के संबंध में कोई भी आपत्ति या विवाद इस सार्वजनिक सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर उठाई जानी चाहिए। इस 07-दिवसीय अवधि के पूरा होने के बाद प्रस्तुत की गई कोई भी आपत्ति उक्त संपत्ति या हमारे ग्राहक के हितों के संबंध में बाध्यकारी नहीं मानी जाएगी।
यदि कोई आपत्ति दर्ज कराना चाहता है, तो कृपया निर्धारित 07 दिनों की अवधि के भीतर हमें वेरिटास: नॉर्थ (एडवोकेट्स एवं लीगल कंसल्टेंट्स) कार्यालय संख्या 11, प्रथम तल, बिल्डिंग संख्या ए-44/ए, सेक्टर-16, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301; मोबाइल: +910120-4499711, ई-मेल: accounts@lvnorth.in पर संपर्क करके ऐसा करें।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

I, Kunal Kapoor S/o A. K. Kapoor R/o E-14/7, Vasant Vihar, New Delhi-110057 That in school record of my minor daughter Mannat Kapoor aged 12 years her name has been wrongly written as Mannatt Kapoor instead of Mannat Kapoor which may be amended accordingly.
PD(36111)C

I, Rajeev Kumar Yadav S/o Ram Ashre R/o H. No. A-28, Gali No. 11, Pratap Nagar, East Delhi, Delhi-110091 That in my PAN CARD ACTPY6479L, my name has been wrongly written as Rajeev Yadav instead of Rajeev Kumar Yadav which may be amended accordingly
PD(36112)C

।। कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग ।।

Email Id:- durgmc2019@gmail.com Phone: 0788-2322148

-:: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक /841/स्वास्थ्य विभाग / 2025 दिनांक : 01/12/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत एवं प्री-क्वालिफिकेशन शर्तों के अनुरूप अनुभवी ठेकेदारों से नीचे उल्लेखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र.	कार्य का नाम	लागत	निविदा जारी दिनांक
1.	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Durg, Chhattisgarh. System No. 180850, Dated-01.12.2025 System No. 180850, Dated-01.12.2025	रू. 1135.74 लाख	01.12.2025 से 21.12.2025 खोलने की तिथि 23.12.2025

निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in एवं विभागीय वेबसाइट www.municipalcorporationdurg.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

CAPITAL INDIA Home Loans

CIN: U65990DL2017PLC322041
पंजीकृत कार्यालय: 701, सातवीं मंजिल, अग्रवाल कॉर्पोरेट टावर, प्लॉट सं. 23, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली-110008, ईमेल: cihl@capitalindia.com
वेबसाइट: www.capitalindiahomeloans.com
पंजीकरण कोड – कॉर्पोरेट एजेंट CA0688

शाखा कार्यालय के स्थानांतरण के लिए सार्वजनिक सूचना

कैपिटल इंडिया होम लोन्स लिमिटेड ("कंपनी") के सेवा प्रदाताओं और सभी संबंधित व्यक्तियों/पक्षों को सूचित किया जाता है कि कंपनी का शाखा कार्यालय, वर्तमान में सी-93, प्रथम तल, सैक्टर-2, नोएडा-201301 में स्थित है, जोकि इस सूचना के तीन महीने बाद सी-93, भूतल, सैक्टर-2, नोएडा-201301 में स्थानांतरित हो जाएगा। निर्धारित समयावधि पूरी होने पर मौजूदा शाखा कार्यालय बंद कर दिया जाएगा।
सभी संबंधित व्यक्तियों/पक्षों को सलाह दी जाती है कि कृपया शाखा कार्यालय के उपरोक्त स्थानांतरण पर ध्यान दें। किसी भी सहायता के लिए, कृपया कंपनी से +91-22-45036000 पर संपर्क करें या कंपनी की वेबसाइट www.capitalindiahomeloans.com देखें।
दिनांक: 03.12.2025 प्राधिकृत अधिकारी
स्थान: नोएडा, यू.पी. कैपिटल इंडिया होम लोन्स लिमिटेड

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
पुरानी मंडी, जम्मू 180004

लॉकर का किराया न देने वाले लॉकर धारक को नोटिस

यह हमारे उन खास ग्राहकों की जानकारी के लिए है जिन्होंने नीचे दी गई ब्रांच में लॉकर किराए पर लिए हैं और एग्रीमेंट तोड़ा है। लॉकर नंबर (0112एएक्स0291, 0112एएक्स0427, 0112एएक्स0084, 0112एएक्स0251) के लिए हमारे टर्मिनेशन नोटिस की तारीख 02-05-2025 और लॉकर नंबर 0112एएक्स0269 के लिए 16-05-2025 के नोटिस के बावजूद, जिसमें लॉकर को हटाकर उसकी चाबियों के साथ सरेंडर करने का निवेदन किया गया था, यह देखा गया है कि आपने तय टाइमलाइन में लॉकर सरेंडर नहीं किया है और खाली नहीं किया है।
कृपया ध्यान दें कि नीचे दी गई तारीख के सेफ डिपॉजिट लॉकर एग्रीमेंट के अनुसार, बैंक को लॉकर तोड़ने का अधिकार है और यह बैंक की अंदरूनी पॉलिसी, प्रेमिस, लागू कानून और रेगुलेशन के अनुसार सामान को संभालेगा। टर्मिनेशन नोटिस की तारीख से 3 महीने बीत जाने के बाद भी, अगर आपने सेफ डिपॉजिट लॉकर एग्रीमेंट के अनुसार लॉकर सरेंडर नहीं किया है, तो हम उक्त लॉकर तोड़ने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए, हम आपको यह नोटिस देते हैं कि अगर इस नोटिस की तारीख से 3 महीने के अंदर, अगर लॉकर सरेंडर नहीं किया जाता है और लॉकर की चाबी वापस नहीं की जाती है, तो हम 06-03-2026 को दोपहर 01.00 बजे आपका लॉकर तोड़ेंगे, जब आप लॉकर के सामान की लिस्ट देखने के लिए मौजूद रह सकते हैं जो हमें मिल सकती है। कृपया ध्यान दें कि अगर आप तय तारीख और समय पर मौजूद नहीं रहते हैं, तो हम आपकी गैर-मौजूदगी में बैंक की गाइडलाइंस के हिसाब से लॉकर तोड़ देंगे। इन्वेंट्री बनाते समय, अगर कोई सामान है, तो उसे किसी दूसरे लॉकर या जगह पर रखने का हमें अधिकार होगा, जैसा हम ठीक समझें और हम आपको न सिर्फ किराए के लिए, बल्कि लॉकर खोलने, खोई हुई चाबी बदलने, लॉक बदलने वगैरह के खर्च के लिए भी बैंक को जिम्मेदार ठहराएंगे। कृपया ध्यान दें कि लॉकर के सामान को इन्वेंट्री की नीलामी के हिसाब से, कानून और बैंक की अंदरूनी पॉलिसी के हिसाब से, आपके खर्च, देनदारियों और आगे के नतीजों पर ठीक से निपटाया जाएगा।

क्र.सं.	लॉकर नं.	लॉकर धारक का नाम एवं पता
1	0112AX0251	आरती कोहली पत्नी अतुल कोहली, 115-ए, अपना विहार, कुंजवानी तालाब, बाईपास गंग्याल, जम्मू 180010
2	0112AX0084	तारा रानी एवं श्रीमती आशा बाधवा, 3-ए/6, 2रा तल, गुप्ता कालोनी, खिड़की एक्सटे., मालवीय नगर, नई दिल्ली-110017
3	0112AX0291	नीरज टंडन एवं धीरज टंडन, मकान नं. 2, अपना विहार, कुंजवानी, पी.ओ. गंग्याल, जम्मू 180010
4	0112AX0427	अनिल वैद एवं नीरज वैद, 18 बी बी गांधी नगर, जम्मू 180004
5	0112AX0269	विशाल गुप्ता पुत्र सुभाष चंद गुप्ता, मकान नं. 5-ए, करन नगर, जम्मू 180005

दिनांक: 1.12.2025 स्थान : जम्मू हस्ता/- अधिकृत अधिकारी

आईजीआई एयरपोर्ट पर फर्जी वीजा रैकेट का भंडाफोड़

16 लोगों को ठगा, पुलिस ने तमिलनाडु से मास्टरमाइंड को किया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने तमिलनाडु में चल रहे उस गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो नौकरी की चाहत रखने वाले भारतीय नागरिकों के लिए नकली फ्रांसीसी वीजा उपलब्ध कराने के धंधे में लिप्त था। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने एक प्रमुख एजेंट को गिरफ्तार किया है और इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से तीन यात्रियों को हिरासत में लिया है।

यह घटना 28 अक्टूबर को उस वक्त सामने आई जब तीनों यात्री- नवीराज सुब्रमण्यम (23), प्रभाकरण सेंथिलकुमार (28) और मोहन गांधी एलंगोवन (38) पेरिस जाने वाली उड़ान के लिए हवाई अड्डे के टर्मिनल तीन पर आव्रजन मंजूरी के लिए पहुंचे। जांच के दौरान पता चला कि उनके पासपोर्ट पर लगे फ्रांसीसी डी-टाइप वीजा नकली थे और उनमें आवश्यक सुरक्षा विशेषताएं भी मौजूद नहीं थीं। पुलिस अधिकारी ने बताया, भारतीय न्याय संहिता और पासपोर्ट अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ के दौरान पता चला कि नवीराज के फर्जी वीजा का इंतजाम उसके भाई ने छह लाख रुपये में किया था, जबकि अन्य दो ने नमक्कल जिले के एक एजेंट को 12-12 लाख रुपये दिए थे। तकनीकी निगरानी और स्थानीय जानकारी के आधार पर एक टीम ने एजेंट वी कन्नन (55) का पता लगाया और उसे तमिलनाडु से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त (आईजीआई) विचित्र वीर ने एक बयान में कहा, कन्नन, परमथी में सरकार से संबद्ध आईटीआई और

वेलूर में वेट्री ओवरसीज नामक एक विदेशी कंसलटेंसी चलाता है।

कन्नन ने मदुरै के सातिक सैयद उर्फ अब्दुल हकीम के रूप में पहचाने गए एक अन्य एजेंट के साथ मिलकर नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए फर्जी वीजा की व्यवस्था करने की बात कबूल की है। अधिकारी ने बताया कि उसने कथित तौर पर पेरिस में गोदाम में नौकरी दिलाने का वादा करके कम से कम 16 उम्मीदवारों को लुभाया और साक्षात्कार के बाद उनसे बैंक ट्रांसफर और नकद दोनों तरह से पैसे लिये। उसके सहयोगी का पता लगाने और इस धांधली से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं। डीसीपी के अनुसार, आईजीआई हवाई अड्डा पुलिस ने नवंबर में जाली पासपोर्ट और वीजा से जुड़े मामलों में छह धोखेबाज एजेंट सहित 26 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसी अवधि में हवाई अड्डे पर अवैध गतिविधियों के लिए 28 अन्य दलालों को भी पकड़ा गया।

ट्रेनों में लूटपाट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

■ अंतरराज्यीय गिरोह के पांच सदस्यों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने एक अंतरराज्यीय गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है जो कथित तौर पर लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों से सोना, नकदी और कीमती सामान चुराने में शामिल थे। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी पिछले महीने महाराष्ट्र के मिराज रेलवे पुलिस थाने में दर्ज एक मामले में वांछित थे। पुलिस उपायुक्त (अपराध शाखा) संजीव कुमार यादव ने एक बयान में कहा, पुणे में एक ट्रेन से 10 लाख रुपये मूल्य के आभूषण चोरी होने के बाद मिराज रेलवे पुलिस ने 26 नवंबर को एक प्राथमिकी दर्ज की थी। जांचकर्ताओं को बाद में पता चला कि पांचों संदिग्ध गोवा गए थे और रविवार को दिल्ली पहुंचने वाले थे। अधिकारी ने बताया कि मिराज रेलवे पुलिस से मिली सूचना के बाद, एक टीम इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे के लिए रवाना की गई। टीम ने हवाई अड्डे पर निगरानी रखी और संदिग्धों के पहुंचते ही उन्हें हिरासत में ले लिया। डीसीपी ने कहा, आरोपियों की पहचान हवा सिंह (65), अमित कुमार (35), कुलदीप (34), अजय (36) और मोनू (32) के रूप में हुई है। सभी हरियाणा के जींद और भिवानी जिले के निवासी हैं। तलाशी के दौरान पुलिस ने 177 ग्राम चांदी के सामान बरामद किए, जिन्हें आरोपियों ने किसी अन्य घटना में यात्रियों से चुराया था। चार आरोपियों - सिंह, कुमार, अजय और मोनू ने महाराष्ट्र मामले में अपनी संलिप्तता स्वीकार की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी गिरफ्तारी की खबर मिराज रेलवे पुलिस को दे दी गई है। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह लंबी दूरी की ट्रेनों के वातानुकूलित डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों, खासकर आभूषण और महंगे सामान ले जाने वाले यात्रियों को निशाना बनाने के लिए कुख्यात था। ये लोग अक्सर ट्रेनों और बसों से राज्यों के बीच यात्रा करते थे, यात्रियों के साथ घुल-मिल जाते थे और अपने लक्ष्य की पहचान करके बैग और सामान चुरा लेते थे। सभी पांचों आरोपी आदतन अपराधी हैं और विभिन्न राज्यों में ट्रेनों में हुई कई चोरियों में शामिल रहे हैं।

संचार साथी ऐप को अनिवार्य बनाने का आदेश निजता पर हमला : केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सभी नए स्मार्टफोन में संचार साथी ऐप को पहले से इंस्टॉल करने के दूरसंचार विभाग के आदेश को व्यक्तिगत निजता पर खुला हमला बताते हुए मंगलवार को इस फरमान को तुरंत वापस लेने की मांग की। दूरसंचार विभाग ने मोबाइल हैंडसेट निमार्ताओं और आयातकों को निर्देश दिया है कि 90 दिनों के भीतर सभी नए उपकरणों में धोखाधड़ी की जानकारी देने वाला ऐप संचार साथी पहले से इंस्टॉल होना चाहिए। सभी मोबाइल निर्माताओं को नए और मौजूदा फोन में संचार साथी ऐप पहले से इंस्टॉल करने का मोदी सरकार का आदेश व्यक्तिगत निजता और स्वतंत्रता पर खुला हमला है। दुनिया के किसी भी लोकतंत्र ने ऐसा करने की कोशिश नहीं की है। जारी अधिसूचना में न तो ऐप इंस्टॉल करने के लिए व्यक्तिगत सहमति की बात कही गई है और न ही इसे किसी भी समय हटाने का विकल्प देने का उल्लेख है।

आप नेता अवध ओझा ने राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सिविल सेवा अभ्यर्थियों को शिक्षा देने वाले और मोटिवेशनल स्पीकर अवध ओझा ने मंगलवार को राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की। ओझा ने यह घोषणा अपना पहला चुनाव हारने के लगभग 10 महीने बाद की है।

उन्होंने दिल्ली की पटपड़गंज विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था। ओझा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आदरणीय अरविंद, मनीष, संजय, सभी पदाधिकारीगण, कार्यकर्ता, नेता आदि- आप सभी का हृदय से धन्यवाद। आपने मुझे जो प्रेम और सम्मान दिया है उसका मैं ऋणी रहूंगा। राजनीति से संन्यास लेना मेरा निजी निर्णय है। अरविंद, आप एक बहुत बड़े नेता हैं। जय हिंद। उन्होंने कहा कि

प्यार देने के लिए पटपटगंज के लोगों का विशेष धन्यवाद। इस पर आम आदमी पार्टी के नेता सोमनाथ भारती ने एक्स पर कहा कि ओझा को पार्टी ने टिकट इस बात को ध्यान में रखते हुए दिया था कि चुनाव नतीजे चाहे जो भी हों, वह आम आदमी पार्टी के साथ काम करेंगे। भारती ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं आपका बहुत सम्मान करता हूं लेकिन राजनीति कोई अल्पकालिक काम नहीं है और आपके जैसी परिपक्वता और पहचान वाले व्यक्ति को राजनीति में कदम रखने से पहले, वह भी आम आदमी पार्टी के साथ, विकल्पों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए था। मालवीय नगर के पूर्व विधायक ने कहा कि कई ऐसे लोग थे जिन्होंने शुरू से कड़ी मेहनत की है और जिन्हें पटपड़गंज से टिकट दिया जा सकता था, लेकिन पार्टी ने यह विश्वास करते हुए आपको वह मौका दिया कि चुनावी परिणाम चाहे जो हों, आप हमारे साथ मिलकर काम करेंगे। भारती ने कहा, आम आदमी पार्टी भारत का भविष्य है और हमें इसे सभी राज्यों में सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। कौन-सी पार्टी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आम लोगों की अन्य बुनियादी जरूरतों में सुधार की बात करती है...। उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस जैसे दल तो जनता की चिंताओं पर बात भी नहीं करते।

कश्मीरी गेट के पास बस में लगी आग, 15 लोग बाल-बाल बचे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के कश्मीरी गेट के निकट स्लीपर बस में मंगलवार सुबह आग लग गई, हालांकि इसमें सवार कम से कम 15 यात्री बाल-बाल बच गए। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, आग के कारण पूरी तरह नष्ट हो चुकी निजी पर्यटक बस हरियाणा के करनाल जा रही थी। बस में लगभग कम से 15 यात्री सवार थे। डीएफएस ने बताया कि उन्हें सुबह करीब 6.50 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। उन्होंने कहा, किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई खबर नहीं है और सुबह 7.35 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। शीतलन प्रक्रिया जारी है। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

स्टंट के दौरान ई-रिक्शा से टकराने से व्यक्ति की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके में स्टंट करते समय मोटरसाइकिल पर कथित तौर पर नियंत्रण खोने और डिवाइडर एवं ई-रिक्शा से टकराने से 25 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना सोमवार को तब मिली जब एक व्यक्ति ने गंभीर दुर्घटना होने और घटनास्थल पर भीड़ जमा होने की सूचना फोन पर पुलिस को दी। अधिकारी ने बताया कि हालांकि, व्यक्ति यह नहीं बता सका कि दुर्घटना कैसे हुई।

अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान वजीरपुर निवासी शिवम के रूप में हुई है, जिसे अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला

है कि पटेल नगर स्थित एक ऑनलाइन किराना डिलीवरी कंपनी में कार्यरत शिवम एक विवाह समारोह से लौट रहा था, जहां वह अपने रिश्ते के भाई यश और उनके दोस्त अंशु के साथ ढोल बजा रहा था। अधिकारी ने बताया कि यश और अंशु दोनों ही ढोल बजाते हैं और स्थानीय कार्यक्रमों में प्रस्तुति देते हैं। जांचकताओं के मुताबिक, तीनों यादव अस्पताल के पास रुके और अंशु पानी लेने के लिए किराने की दुकान पर गया। जांचकताओं के मुताबिक इसी दौरान शिवम अपनी मोटरसाइकिल पर कथित तौर पर स्टंट करने लगा। जांचकताओं के अनुसार उसने अपना नियंत्रण खो दिया और डिवाइडर के दूसरी ओर की लेन पर एक ई-रिक्शा से टकराकर सड़क पर गिर गया। पुलिस के अनुसार इस संबंध में एक मामला दर्ज कर लिया गया है।

निजी अस्पताल में मृतका के जेवर चोरी, जांच में जुटी पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शाहदरा डिस्ट्रिक के कृष्णा नगर थाना क्षेत्र में इंसानियत को शर्मसार करती वारदात को अंजाम दिया गया, कृष्णा नगर में स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में उपचारधीन एक महिला मरीज के सोने के जेवर चुराने की घटना सामने आई, महिला मरीज की इसी अस्पताल में मौत हो गयी थीं। बताया जा रहा है अस्पताल प्रशासन ने चोरी किए हुए टॉप्स तो मृतक महिला के परिवार को लौटा दिए, जबकि सोने की चेन नहीं लौटाई है।

शाहदरा डिस्ट्रिक डीसीपी प्रशांत गौतम ने मंगलवार को बताया 11 नवंबर को नवीन गुप्ता निवासी 25 ए /4, गली न-17 पांडव नगर, विश्वास नगर ने शिकायत दर्ज करवाई थीं कि उन्होंने अपनी मां बीना रानी गुप्ता को कृष्णा नगर के गोयल अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया था, उनकी मां की तबियत ज्यादा खराब होने की वजह से दूसरे अस्पताल में स्थान्तरित करने के लिए बोला गया था। जब वह अपनी मां को दूसरे अस्पताल ले जाने के लिए एम्बुलेंस बुलाने गए तब किसी ने मृतका के कान से सोने के टॉप्स और कान की सोने की चेन चुरा ली। जिसकी शिकायत जब अस्पताल प्रशासन से की गयी तो अस्पताल प्रशासन द्वारा टॉप्स वापस कर दिए गए लेकिन सोने की चेन वापस नहीं की गयी ' इस मामले में बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। इस चोरी की एक सीसीटीवी फुटेज वायरल हुई थीं जिसमे अस्पताल स्टाफ मृतका के कान से टॉप्स और चेन चुराते हुए दिख रहा है, इस वीडियो के वायरल होने के बाद अस्पताल प्रशासन की नीद टूटी और उन्होंने कान के टॉप्स वापस कर दिए पर कान की सोने की चेन वापस नहीं की ' मृतका के बेटे नवीन का आरोप ने की जब उन्होंने अस्पताल प्रशासन से इस बात की शिकायत की थीं तब अस्पताल प्रशासन द्वारा उनके साथ बदसलूकी की गयी थीं।

दिल्ली में सुबह छाई रही धुंध, एक्यूआई 340 दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को हवा जहरीली रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार सुबह नौ बजे दिल्ली का एक्यूआई 340 रहा, जो सोमवार सुबह नौ बजे 301 था। सीपीसीबी के समीर ऐप के आंकड़ों के अनुसार, 39 निगरानी केन्द्रों में से दो- चांदनी चौक और विवेक विहार में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में रही, जहां एक्यूआई 400 के पार था। सीपीसीबी के अनुसार शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51-

100 को संतोषजनक, 101-200 को मध्यम, 201-300 को खराब, 301-400 को बहुत खराब और 401-500 को गंभीर माना जाता है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली का न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 0.1 डिग्री अधिक है। अधिकतम तापमान के 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं।

वायु प्रदूषण से संबंधित याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई आज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय राष्ट्रीय राजधानी में खतरनाक वायु प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करने के लिए तत्काल कदम उठाने के अनुरोध वाली एक याचिका पर बुधवार को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने कहा कि यह अनुरोध एक जनहित याचिका की प्रकृति का है, इसलिए इसकी सुनवाई जनहित याचिका रोस्टर वाली पीठ द्वारा की जानी चाहिए। यह याचिका बुधवार को मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध की जाएगी।

याचिका में कहा गया है कि पिछले कई वर्षों में दिल्ली में वायु गुणवत्ता में भारी गिरावट आई है, विशेष रूप से सर्दियों के दौरान वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) अक्सर 'बहुत खराब', 'गंभीर' और 'खतरनाक' श्रेणियों में पहुंच जाता है। इसमें कहा गया है कि बढ़ते प्रदूषण के कारण बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और

पहले से बीमार लोगों सहित निवासियों में लगातार गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। यह याचिका ग्रेटर कैलाश-दो वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा दायर की गई है, जिसमें अदालत से वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए तत्काल और दीर्घकालिक, दोनों तरह के प्रभावी और वैज्ञानिक उपाय करने का आदेश देने का आग्रह किया गया है।

याचिका में कहा गया है कि वायु गुणवत्ता में लगातार गिरावट के बावजूद अधिकारी ₹निष्क्रिय₹ बने रहे, तथा उन्होंने चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना (जीआरएपी) के तीसरे चरण में उठाए जाने वाले कदम₹ के निर्देश तभी जारी किए जब एक्यूआई गंभीर स्तर को पार कर गया।

शाहदरा में वाहन चोर गिरफ्तार, पुलिस ने तीन बाइक की बरामद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वाहन चोरी की घटनाओं पर शाहदरा पुलिस ने नकेल कसी है। जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) टीम ने एक सक्रिय वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से तीन चोरी की बाइक बरामद की है। पुलिस के मुताबिक इस गिरफ्तारी से शाहदरा और पूर्वी जिले के तीन मामलों का निपटारा हुआ है।

डीसीपी शाहदरा प्रशांत गौतम ने बताया कि एएटीएस शाहदरा की टीम हालिया चोरियों की कड़ी जांच में जुटी थी। पुलिसकर्मियों ने घटनास्थलों की फुटेज खंगाली, स्थानीय मुखबिरों से जानकारी जुटाई और संदिग्धों पर नजर रखी। सोमवार को टीम को गुप्त सूचना मिली कि सफेद एक्टिवा पर एक वाहन चोर क्रॉस रिवर मॉल से महाराजा सूरजमल रोड की तरफ आने वाला है। सूचना की पुष्टि कर पुलिस ने मौके पर जाल बिछाया और संदिग्ध शिवम

(23) को पकड़ लिया। जांच में उसकी स्कूटी चोरी की निकली, जिसे वह किसी शख्स तक पहुंचाने वाला था। तफ्तीश के दौरान शिवम ने दो और बाइक चोरी की बात कबूल की। पुलिस टीम ने उसकी बताई जगहों से दो हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिलें बरामद की। सभी वाहन शाहदरा और ईस्ट दिल्ली के अलग-अलग थानों से चोरी हुई थी। पूछताछ में सामने आया कि वह शराब और नशे का आदि है और पैसों की तंगी के चलते बाइक चोरी कर स्थानीय लोगों को बेच देता था। जांच में आगे खुलासा हुआ कि आरोपी पहले भी हत्या के प्रयास और सेंधमारी के मामलों में शामिल रह चुका है। फिलहाल, आरोपी से पूछताछ जारी है।

खेल महोत्सव : 7 दिसंबर से शुरू होगा क्रिकेट टूर्नामेंट

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी लोकसभा क्षेत्र में सांसद मनोज तिवारी द्वारा आ आ आयोजित सांसद खेल महोत्सव के तहत कोस्को या कैन्वस क्रिकेट टूनार्मेंट की तैयारियां पूरी हो गई हैं। मंगलवार को सांसद ने बताया कि टूर्नामेंट 7 दिसम्बर से खजूरी खास चौक स्थित यमुना खादर मैदान में शुरू होगा। जिसमें लोकसभा के 41 मंडलों की टीमें हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सभी टीमों को अपने 15 खिलाड़ियों की सूची आधार कार्ड के साथ 4 दिसम्बर को दोपहर 12 बजे तक जमा करानी होगी। आयोजकों का कहना है कि सभी मंडलों से टीमों की पुष्टि हो चुकी है और मैदान पर पिच व अन्य सुविधाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। दोनों जिला अध्यक्ष डॉक्टर यू. के. चौधरी और मास्टर बिनोद कुमार को इसके आयोजन से संबंधित तैयारी की जिम्मेदारी भी सौंपी। टूर्नामेंट का सबसे बड़ा आकर्षण विजेताओं के लिए रखी गई पुरस्कार राशि है। विजेता टीम को 1 लाख रुपये, उपविजेता टीम को 50 हजार रुपये और तीसरे स्थान पर आने वाली टीम को 25 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा।

मैं आतंकवादी नहीं हूं लेकिन बिना सुनवाई ही मुझ पर लेबल लगा दिया गया: शरजील

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तर पूर्वी दिल्ली में फरवरी 2020 में हुए दंगों के मामले में गिरफ्तार कार्यकर्ता शरजील इमाम ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय में जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान उन्हें किसी पूर्ण सुनवाई या दोषसिद्धि के बिना ही खतरनाक बौद्धिक आतंकवादी करार दिए जाने पर नाराजगी जताई।

इमाम की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने कहा, मैं कहना चाहूंगा कि मैं आतंकवादी नहीं हूं, जैसा कि प्रतिवादी (पुलिस) ने मुझे कहा है। मैं राष्ट्र-विरोधी नहीं हूं, जैसा कि राज्य ने कहा है। मैं इस देश का नागरिक हूं, जन्म से नागरिक हूं और मुझे अब तक किसी भी अपराध के लिए दोषी नहीं ठहराया गया है। दवे ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ के समक्ष दलील दी कि उनके मुवक्किल को 28 जनवरी, 2020 को दंगे से पहले गिरफ्तार किया गया था और

केवल उसके भाषणों के आधार पर दंगों के मामले में आपराधिक साजिश का आरोप नहीं लगा सकते। दवे ने इमाम की ओर से कहा, मुझ पर मेरे द्वारा दिए गए भाषणों के लिए मुकदमा चलाया जा रहा है, जिसके कुछ अंश अदालत में प्रस्तुत किये गए हैं। यह प्राथमिकी मार्च 2020 में दर्ज की गई थी। मैं पहले ही एक महीने से अधिक समय से हिरासत में था।

यह प्राथमिकी फरवरी 2020 में हुए दंगों की साजिश के लिए दर्ज की गई है। निश्चित रूप से, यह दंगों में मेरी व्यक्तिगत उपस्थिति को खारिज करता है क्योंकि मैं हिरासत में था। इमाम ने दवे के जरिये दलील दी, अगर उन्होंने मुझे जनवरी में हिरासत में लिया होता, तो वे कह सकते थे कि इन भाषणों के कारण दंगे हुए। लेकिन मुझे आरोपी नहीं बनाया गया। मेरे भाषणों के कारण दंगे नहीं हुए। उन भाषणों के लिए मुझ पर पहले से ही मुकदमा चल रहा था। इस पर पीठ ने पुलिस के इस मामले के बारे में सवाल किया कि इमाम के भाषण एक कथित योजना का हिस्सा थे, जिसने दंगों के लिए एक मंच तैयार किया ताकि साजिश को अंजाम दिया जा सके।

न्यायमूर्ति कुमार ने सवाल किया, क्या हम आपकी इस दलील को स्वीकार कर सकते हैं कि ये भाषण आतंकवादी कृत्य नहीं थे? दवे ने इसपर दलील दी कि ये भाषण आपराधिक षड्यंत्र का मामला नहीं बनेगा और पुलिस को यह साबित करना होगा कि इमाम ने षड्यंत्र के लिए कुछ और भी किया था। दवे के जरिये इमाम ने दलील दी, मैं यह कहना चाहूंगा कि मैं आतंकवादी नहीं हूं, जैसा कि प्रतिवादी (पुलिस) ने मुझे कहा है। मैं राष्ट्र-विरोधी नहीं हूं, जैसा कि राज्य ने कहा है। मैं इस देश का नागरिक हूं, जन्म से नागरिक हूं, और मुझे अब तक किसी भी अपराध के लिए दोषी नहीं ठहराया गया है। दवे ने अपने मुवक्किल की ओर से कहा, मुझे एक खतरनाक बौद्धिक आतंकवादी करार दिया जा रहा है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि बौद्धिक आतंकवादी अधिक खतरनाक होते हैं।

मेरे खिलाफ एक भी आरोप साबित नहीं हुआ है। ये शब्द इस देश के एक नागरिक के खिलाफ इस्तेमाल किए गए हैं। मैं पूरी सुनवाई के बाद ऐसे शब्द के इस्तेमाल को समझ सकता हूं क्योंकि मैं निर्दोष होने की धारणा खो दूंगा। लेकिन इस लेबल ने मुझे पीड़ा पहुंचाई है। उमर खालिद की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी कि फरवरी 2020 में जब दंगे हुए थे तब उनका मुवक्किल दिल्ली में नहीं था और उसे इस तरह कैद में नहीं रखा जा सकता कि जैसे कि आपे कहें कि मैं आपको आपके विरोध प्रदर्शन के लिए दंडित करूंगा।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 3 दिसंबर 2025

संक्षिप्त खबरें

सीनियर स्टेट नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप के लिए ट्रायल तीन को

गुरुग्राम। 19वीं हरियाणा सीनियर स्टेट नेटबॉल चैंपियनशिप के लिए खिलाड़ियों के ट्रायल का आयोजन तीन दिसंबर 2025 को शाम चार बजे किया जाएगा। जिला गुरुग्राम नेटबॉल एसोसिएशन के महासचिव रामदत्त कौशिक ने बताया कि ये ट्रायल रॉयल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल वजीरपुर सेक्टर-95 जिला गुरुग्राम में होंगे। सभी इच्छुक पुरुष व महिला खिलाड़ी समय पर उपस्थित हों। संयुक्त सचिव शिवरतन ने बताया कि खिलाड़ियों को नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया (2025-26) रजिस्ट्रेशन स्लिप, आधार कार्ड की मूल प्रति एवं फोटोकॉपी साथ लानी अनिवार्य है।

जांच शिविर में 195 लोगों ने करवाई जांच

फरीदाबाद। एम आई सोशल फाउंडेशन द्वारा पिछले चार वर्षों से रोटी बैंक सेवा सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है। दानदाताओं को लाभार्थियों से सीधे रूबरू कराने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से देवेंद्र कुमार बालवीर पाठशाला परिसर में एक सम्मेलन आयोजित किया गया। परियोजना निदेशक वीर उमेश अरोड़ा ने एस जी एम नगर में संचालित आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस प्रशिक्षण तथा हाल ही में चेतराम आई केयर हॉस्पिटल के साथ हुए समझौते के बारे में जानकारी दी, जिसके तहत मोतियाबिंद के मुफ्त ऑपरेशन कराए जा रहे हैं। कार्यक्रम में नंदिनी कमल लखानी, शिखा गौरव नारंग, शिखा अरोड़ा, राकेश अरोड़ा, संजीव ग्रोवर, गोल्डन जैन, प्रोमिल जैन, दिवाकर मलिक, हरीश माथुर, वीनू माथुर, मुकेश कपूर सहित कई लोग उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का भव्य आयोजन

फरीदाबाद। आशा ज्योति विद्यापीठ, बल्लभगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। हरियाणा शिक्षा विभाग की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अष्टादश अध्यायों के गीता श्लोकों का सामूहिक ऑनलाइन श्लोकोच्चारण कर आध्यात्मिक वातावरण को और भी दिव्य बना दिया।

कार्यक्रम में आशा ज्योति विद्यापीठ स्कूल, आर्य विद्या मंदिर स्कूल, ग्रीनफील्ड स्कूल और रावल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने मिलकर गीता श्लोकों का भावपूर्ण उच्चारण किया। श्लोकों की गूंज से विद्यालय प्रांगण पूर्णतः आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। इसके साथ ही सरकारी स्कूल साहूपुरा एवं ऊँचा गाँव के छात्रों ने भी सक्रिय भागीदारी करते हुए अपनी प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। विद्यालय के प्रबंधक सत्यवीर डागर ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जेठपुर गांव के सबसे बुजुर्ग दीपचंद भट्ठी का निधन

रोहतक। जिला के गांव जेठपुर (तैमूरपुर) के सबसे बुजुर्ग दीपचंद भट्ठी का मंगलवार को ब्रह्म मुहुर्त में सुबह 03:15 बजे निधन हो गया। वे 94 साल के थे और इस उम्र तक वे पूर्ण रूप से स्वस्थ थे। सुबह-शाम सैर करना उनकी दिनचर्या में था। ऊंची कद-काठी के व्यक्तित्व वाले दीपचंद भट्ठी के निधन की सूचना पर आसपास के गांवों से भी मौजिज और समाजसेवी लोग पहुंचे। और उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए। स्वर्गीय दीपचंद भट्ठी अपने पीछे पौते-पड़पौते और नाती-नातिन का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके छह बेटे सतबीर सिंह, राजेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह, बहादर सिंह, राजेश कुमार, राकेश कुमार के अलावा तीन बेटियां माया, शीला, निर्मला हैं। 10 पौते, 2 पड़पौते, 2 पड़पौती नाती-नातिन, पडनातिन हैं।

खिलाड़ियों ने इंटर स्कूल नेशनल कराटे चैंपियनशिप में दिखाया दमखम

फरीदाबाद। रोजलैंड पब्लिक स्कूल, गुरुग्राम में आयोजित इंटर स्कूल नेशनल कराटे चैंपियनशिप 2025 में आरटूएफ मार्शल आर्ट अकादमी, बल्लभगढ़ के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेडल जीतकर अपना परचम लहराया। प्रतियोगिता में प्रिंस, धैर्य, आदित्य और यश ने

गोल्ड मेडल अपने नाम किए। वहीं यूवी, यती, अनीश और प्रियांशु ने सिल्वर मेडल हासिल किए। सोमिया, भूमि, मेघांश और दीपा ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अकादमी का नाम रोशन किया। पायल ने भी गोल्ड जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। ओपन चैलेंज ट्रॉफी गर्ल्स कैटेगरी में तनू धनखड़ के नाम रही। कोच वंश सैनी ने बताया कि प्रतियोगिता में करीब 900 बच्चों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथियों में शीतो-रियो कराटे स्पोर्ट्स ऑफ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी सिहान दुष्यंत सैनी, पूर्व आईजी सुमन मनजारी, समाजसेवी अंतर सिंह सिंधु, दिवाकर सैनी, लोकेश सैनी तथा शुभ पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल काजल मिश्रा और हर्षिनी बासु ने खिलाड़ियों को बेस्ट प्लेयर ऑफ द अवार्ड देकर सम्मानित किया।

विदेश में होटल बुकिंग व एयर टिकट के नाम पर 12 लाख ठगे

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

विदेशों में घूमने का शौक रखने वालों के लिए होटल बुकिंग व एयर टिकट बुक करने के नाम पर ग्राहक से 12 लाख रुपये लेकर भी उन्हें सर्विस, सुविधा उपलब्ध नहीं कराई। पीड़ित व्यक्ति ने अपने साथ हुई ठगी की शिकायत पुलिस से की। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने मंगलवार को बताया कि इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के अनुसार 10 नवंबर 2025 को एक व्यक्ति ने पुलिस थाना सेक्टर-53 गुरुग्राम की पुलिस टीम को एक लिखित शिकायत में कहा कि उसने अपनी पत्नी के साथ विदेश (स्विट्जरलैण्ड) में घूमने का प्लान बनाया। इसके लिए उसने द वॉयेज कंपनी (एयर टिकट व होटल रूम बुकिंग सर्विस प्रोवाइडर) से होटल व एयर टिकट करवाई थी। उनके स्विट्जरलैण्ड पहुंचने पर उन्हें बताए गए होटल में ठहरने व एयर टिकट की सुविधा नहीं मिली। उनके साथ वॉयेज कंपनी द्वारा विदेश में घूमने के लिए होटल बुकिंग व एयर टिकट के नाम

- पुलिस ने ठगी के एक आरोपी को किया गिरफ्तार

पर ठगी की गई। इस शिकायत पर पुलिस थाना सेक्टर-53 गुरुग्राम में केस दर्ज किया गया। पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को मंगलवार को सेक्टर-53 गुरुग्राम से गिरफ्तार कर लिया। जिसकी पहचान संदीप चौधरी (62) निवासी सेक्टर-53 गुरुग्राम के रुप में हुई।

पूछताछ में पता चला कि वह द वॉयेज कंपनी का मालिक/प्रोप्राइटर है। उसकी कंपनी विदेशों में होटल रूम व एयर टिकट उपलब्ध करवाती है। शिकायतकर्ता को स्विट्जरलैंड) की टिकट बुक करवाई थी। परंतु आरोपी ने 12 लाख रुपए लेने के बाद भी उन्हें पूरी तरह सर्विस उपलब्ध नहीं कराई।

निगम मुख्यालय के पास ही टूट रहे ग्रेप-3 के नियम

उड़ती धूल, बंद एंटी स्मॉग गन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शहर में ग्रेप-3 के नियम लागू हैं, प्रदूषण नियंत्रण को लेकर जिला प्रशासन और नगर निगम की ओर से सख्त हिदायतें दी जा रही हैं, एंटी स्मॉग गन व पानी का छिड़काव लगातार करने के आदेश जारी हैं– लेकिन जमीनी हालात बिल्कुल उलट दिखाई देते हैं। प्रदूषण को काबू में करने की सरकारी कवायदों के बीच निगम मुख्यालय के बिल्कुल पास ही प्रदूषण नियंत्रण की धज्जियां उड़ती दिख रही हैं।

एंटी स्मॉग गन बंद : निगम मुख्यालय के समीप स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल के बाहर मंगलवार को सड़क पर धूल का भारी अंबार उड़ता दिखाई दिया। हैरानी की बात यह कि कॉन्फ्रेंस हॉल की छत पर एंटी स्मॉग गन लगाई गई है, वह पूरी तरह बंद मिली। न तो धूल को रोकने के लिए कोई पानी का छिड़काव हुआ और न ही स्मॉग गन को चलाने की कोई पहल। इसी कॉन्फ्रेंस हॉल में मेयर, निगमायुक्त सहित तमाम वरिष्ठ अधिकारी

एक्यूआई 236 पार, बढ़ते प्रदूषण से लोग परेशान। फोटो : ओमप्रकाश पांचाल

कार्यक्रम में मौजूद थे, लेकिन बाहर सड़क पर उठती धूल और फैलते प्रदूषण पर किसी की नजर नहीं पड़ी।

एक्यूआई लगातार 200 के पार : फरीदाबाद का आज का एक्यूआई स्तर 236 दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के मुताबिक यह स्तर 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है और इससे सांस संबंधी बीमारियों, आंखों में जलन तथा फेफड़ों पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। शहर में पिछले कई दिनों से एक्यूआई लगातार 200 के पार जा रहा है। यह पहली बार नहीं, बल्कि रोजमर्रा की समस्या बन गया है। लगातार बढ़ते प्रदूषण के कारण शहरवासियों को सुबह और शाम भारीपन, खांसी और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बच्चे, बुजुर्ग और अस्थमा के मरीज सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं।

अस्पताल के भीतर भी बदहाली : निगम मुख्यालय के निकट ही स्थित बी.के. सिविल अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले लोग भी प्रदूषण की मार झेल रहे हैं। अस्पताल परिसर के भीतर चल रही मिट्टी की खुदाई ने स्थिति और

- सड़कों पर किया जा रहा पानी का छिड़काव

खराब कर दी है। खुदाई से उठती धूल अस्पताल के मुख्य द्वार तक फैल जाती है, जिससे मरीज, तीमारदार और अस्पताल कर्मचारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नियमों का उल्लंघन : ग्रेप-3 के तहत निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के कड़े प्रावधान हैं। जिसमें निर्माण स्थल को ढकना होता है और नियमित पानी का छिड़काव करना होता है। मिट्टी की खुदाई में सावधानी बरतनी होती है। लेकिन बीके सिविल अस्पताल में इन सभी नियमों का उल्लंघन हो रहा है। वहीं एंटी स्मॉग गन का निरंतर संचालन होता है। लेकिन निगम कॉन्फ्रेंस हॉल के ऊपर लगी एंटी स्मॉग गन शोपीस बनकर रह गई है। धूल उड़ने वाले क्षेत्रों की शिविर स्तर पर निगरानी करनी होती है। लेकिन नगर निगम मुख्यालय और उसके आस-पास ही नियमों का खुलेआम उल्लंघन दिखाई देना प्रशासन की लापरवाही को उजागर करता है।

पुलिस की कार्यप्रणाली से रूबरू हुए हिपा में प्रशिक्षण ले रहे अधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (हिपा) द्वारा आयोजित 8-सप्ताह के स्पेशल फाउंडेशन कोर्स के अंतर्गत 18 अधिकारी प्रशिक्षुओं (आईपीएस, आईपी एंड टीएएफएस एवं आईएफएस) का मंगलवार को गुरुग्राम पुलिस मुख्यालय में अध्ययन भ्रमण कराया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य अधिकारियों को वास्तविक पुलिस कार्यप्रणाली, आधुनिक कानून-व्यवस्था तंत्र, साईबर सुरक्षा उपायों तथा महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न अभियानों की व्यावहारिक समझ प्रदान करना रहा।

हिपा द्वारा पुलिस आयुक्त गुरुग्राम विकास कुमार अरोड़ा से विशेष अनुरोध पर आयोजित इस दौरे में प्रशिक्षुओं को गुरुग्राम पुलिस की परिचालन प्रणाली से अवगत कराने के लिए एक विस्तृत प्रस्तुति श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें गुरुग्राम पुलिस के सम्बन्धित अधिकारियों ने सम्बन्धित कार्यप्रणाली के बारे में

- गुरुग्राम पुलिस मुख्यालय में प्रशिक्षु अधिकारियों का कराया गया भ्रमण

संबोधित किया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा, संगीता कालिया, डा. अर्पित जैन सहित गुरुग्राम के कई अधिकारी मौजूद रहे।

इस दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों को गुरुग्राम पुलिस की कार्यप्रणाली प्रस्तुतकर्ता डीसीपी ईस्ट गुरुग्राम गौरव ने गुरुग्राम पुलिस के प्रशासनिक ढांचे, ऑपरेशनल सिस्टम, सामुदायिक पुलिसिंग एवं आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर प्रस्तुति दी। ट्रैफिक प्रबंधन एवं नियमन तंत्र पर डीसीपी यातायात राजेश मोहन ने शहर के ट्रैफिक नियंत्रण उपाय, इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम,, दुर्घटना विश्लेषण तथा सडक सुरक्षा अभियानों पर विस्तृत ब्रीफिंग दी। साइबर क्राइम एवं डिटेक्शन मॉडल प्रस्तुतकर्ता एसीपी साइबर क्राइम प्रियांशु दीवान ने साईबर अपराधों की बदलती प्रवृत्तियां, डिजिटल फ्रॉड, साईबर फॉरेंसिक प्रक्रिया एवं त्वरित कार्यवाही तंत्र पर प्रस्तुति दी।

आईएएस आयुष सिन्हा ने संभाला फरीदाबाद उपायुक्त का कार्यभार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

2018 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी आयुष सिन्हा ने मंगलवार को फरीदाबाद के नए उपायुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार लेने से पूर्व वे मानेसर नगर निगम में आयुक्त के रूप में कार्यरत थे। इससे पहले वे यमुनानगर में अतिरिक्त उपायुक्त सहित कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं।

आयुष सिन्हा ने 2018 की सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय सातवीं रैंक प्राप्त की थी, जो उनकी उत्कृष्ट प्रतिभा और समर्पण का परिचायक है। शिमला में जन्मे और पले-बढ़े सिन्हा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा वहीं से पूरी की। इसके बाद उन्होंने बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, गोवा से केमिकल इंजीनियरिंग में स्नातक तथा बायोलॉजिकल साइंस में स्नातकोत्तर की उपाधि हासिल की। परिवारिक पृष्ठभूमि भी प्रशासनिक मूल्यों और

सार्वजनिक सेवा की मजबूत नींव से जुड़ी रही है। उनके दादा बिहार कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रहे, जिनके उत्कृष्ट प्रशासनिक योगदान को आज भी याद किया जाता है। पिता प्रदीप कुमार सिन्हा एडिशनल प्रिंसिपल चीफ कंजर्वेटर के पद से सेवानिवृत्त हुए और पर्यावरण संरक्षण व जनसेवा से जुड़े विभिन्न कार्यों में सक्रिय योगदान देते रहे। उनकी माता प्रो. अलका वर्मा, शिमला स्थित सेंट बीड्स कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर रही हैं और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका निभा चुकी हैं।

धूल प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम

फरीदाबाद। कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट के मार्गदर्शन में नगर निगम फरीदाबाद ने शहर में धूल प्रदूषण कम करने और स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक एवं ट्रेनिंग सत्र आयोजित किया। बैठक में सभी वरिष्ठ सफाई निरीक्षक, सहायक निरीक्षक, पर्यवेक्षक और मैकेनिकल एवं मैनुअल स्वीपिंग मशीन स्टाफ शामिल हुए।

बैठक में शहर में नियमित रूप से मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों के उपयोग, उनकी समय-समय पर देखभाल, और एकत्रित धूल एवं कचरे के सुरक्षित निस्तारण पर जोर दिया गया। पर्यवेक्षकों को निर्देश दिए गए कि वे सभी निदेर्शों का पालन सुनिश्चित करें और नियमित रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जॉइंट कमिश्नर एशवीर सिंह ने कहा कि धूल प्रदूषण कम करना न केवल शहर की सुंदरता और स्वच्छता के लिए आवश्यक है।

बच्चों-किशोरों के लिए जागरूकता सत्र

फरीदाबाद। जिले में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य बच्चों, किशोरों, युवाओं और अभिभावकों को बाल विवाह के दुष्परिणामों और इससे जुड़े कानूनी पहलुओं के बारे में विस्तार से अवगत कराना रहा। अभियान का मुख्य लक्ष्य समुदाय में जागरूकता को मजबूत करना और एक सशक्त सामाजिक वातावरण तैयार करना था।

नेहरू कॉलोनी, सारण सर्कल, एनआईटी-2 समेत विभिन्न क्षेत्रों में विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में बाल विवाह से जुड़ी कानूनी प्रावधानों, बच्चों के अधिकारों, शिक्षा और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि बाल विवाह नाबालिग लड़कियों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास पर गंभीर असर डालता है।

शराब के नशे में अंगीठी पर गिरने से युवक की मौत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सर्दी से बचने के लिए सोमवार देर रात कमरे में जलाई गई अंगीठी पर गिरने से युवक की मौत हो गई। सुबह घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भिजवा दिया।

जानकारी के अनुसार सेक्टर-47 स्थित मालिबू टाउन के पीछे की तरफ बने ईडब्ल्यूएस के फ्लैट में पश्चिम बंगाल निवासी मंजूर अली रहता था। वह मजदूरी करता था। सोमवार की रात को मंजूर अली का एक दोस्त भी उनके कमरे पर आया था। दोनों ने मिलकर शराब पी। देर रात तक उसका दोस्त वहां से चलाया गया। मंजूर अली अपने कमरे में सो गया। कमरा बंद था और अंगीठी जलती रही। इस

- सोने से पहले दोस्त के साथ मिलकर पी थी शराब

कारण से कमरे में गैस बन गई। गैस के कारण मंजूर बेहोश होकर अंगीठी पर गिर गया। इसमें उसका चेहरा बुरी तरह से जल गया। सुबह के समय उसके दोस्त व उसके मामा ने उसे कॉल की तो उसने कॉल रिसीव नहीं की। दरवाजा भी नहीं खोला। दरवाजा तोडकर अंदर प्रवेश किया तो देखा कि मंजूर अंगीठी पर पड़ा था। उसकी मौत हो चुकी थी। जांच अधिकारी एएसआई मंजीत ने बताया कि मौके का मुआयना किया गया। शव को पोस्टमार्टम हाउस भिजवाया गया।

तीन नए मनोनीत पार्षदों को महापौर ने दिलाई शपथ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगर निगम फरीदाबाद का सदन आज और विस्तृत हो गया, जब पार्षदों की संख्या 46 से बढ़कर 49 हो गई। मंगलवार को नगर निगम महापौर प्रवीण बत्रा जोशी ने एक भव्य समारोह में हरियाणा सरकार द्वारा मनोनीत तीनों पार्षदों योगेश शर्मा, जसवंत सैनी और प्रियंका बिष्ट विधूनी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर महापौर ने नए पार्षदों को आई कार्ड और आधिकारिक स्टैंप भी भेंट किया।

शपथ ग्रहण समारोह के दौरान महापौर प्रवीण बत्रा जोशी ने कहा कि मनोनीत पार्षदों की नियुक्ति का उद्देश्य उन वर्गों को प्रतिनिधित्व देना है, जो सीधे चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से सदन तक नहीं पहुंच पाते। उन्होंने कहा कि इन तीन सदस्यों के जुड़ने के बाद नगर निगम अब और व्यापक स्तर पर सभी वर्गों से सीधा संवाद

स्थापित कर सकेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि नए पार्षद अपने-अपने क्षेत्रों की जरूरतों को मजबूती से सदन में उठाएंगे और शहर के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

इस मौके पर बल्लभगढ़ के विधायक एवं पूर्व मंत्री मूलचंद शर्मा के बड़े भाई टिप्पर चंद शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल, फरीदाबाद महानगर जिला अध्यक्ष सोहनपाल छोकर, निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा, अतिरिक्त आयुक्त सलोनी शर्मा, कई निगम अधिकारी और बड़ी संख्या में पार्षद उपस्थित रहे। महापौर ने कहा कि फरीदाबाद की सबसे बड़ी चुनौती आज स्वच्छता और बढ़ता प्रदूषण है, जिसके समाधान के लिए सभी पार्षदों को मिलकर एकजुट प्रयास करने होंगे। उन्होंने सभी को शहरवासियों की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए अपनी प्राथमिकताएँ तय करने का आह्वान किया। निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने तीनों नए सदस्यों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नगर निगम प्रशासन उनके साथ मिलकर शहर के विकास, सफाई व्यवस्था, बुनियादी ढांचे और आमजन की सुविधा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बत्रा हॉस्पिटल में लगा हरियाणा का पहला स्वचालित पेसमेकर

फरीदाबाद। सेक्टर 31 स्थित बत्रा हार्ट एवं मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया, जिसे हास्पिटल के डायरेक्टर एवं वरिष्ठ कार्डियोलोजिस्ट डा. पंकज बत्रा ने संबोधित किया। डा. बत्रा ने बताया कि विश्व में पहली बार गंभीर हृदय रोगियों के लिए स्वचालित पेसमेकर उपकरण का आविष्कार हुआ है, जिसका हरियाणा एवं एनसीआर क्षेत्र में पहला सफल रोपण बत्रा हॉस्पिटल में किया गया। डा. बत्रा ने बताया कि इस ए.आई. तकनीक से सुसज्जित स्वचालित पेसमेकर में मैग्नेटिक फील्ड की मदद से आवश्यकतानुसार एडजस्ट होकर एम.आर.आई. मोड में चला जाएगा, जिससे मरीज को तुरंत राहत मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने दी समाजसेवी मामराज सिंह को श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह मंगलवार को खेड़ला गांव पहुंचे। उन्होंने समाजसेवी मामराज सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। राव इंद्रजीत सिंह ने शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी।

राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि प्रभु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें। मामराज सिंह एक सरल, सौम्य और सेवा-भाव से परिपूर्ण व्यक्तित्व थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज और गांव के विकास को समर्पित किया। गाँव के स्कूल और सामाजिक कार्यों में उनका योगदान अनुकरणीय रहा है। उनका

- भारत पेट्रोलियम में सुपरिंटेंडेंट के पद से हुए थे सेवानिवृत्त

जाना पूरे क्षेत्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है। 73 वर्ष की आयु में स्वर्गवास हुए मामराज सिंह भारत पेट्रोलियम में सुपरिंटेंडेंट के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। गांव में शिक्षा और सामाजिक उत्थान के लिए उनका विशेष योगदान रहा। परिवार में उनके बड़े पुत्र योगी राघव, नरेंद्र राघव, यशवीर राघव, बेटी किरण, तथा भतीजे सतेंद्र राघव, कुलदीप, धीरेन्द्र और संदीप शामिल हैं। मामराज सिंह के पिता महाशय घिसाराम वेदों और शास्त्रों के विद्वान थे, जिनकी शिक्षा और संस्कारों का गहरा प्रभाव मामराज सिंह के जीवन में भी दिखाई देता था।

उपलब्धियां पाने वाली महिलाएं होंगी सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम।

हरियाणा महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में विशेष उपलब्धियां प्राप्त करने वाली महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर राज्य स्तरीय महिला पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी डीसी अजय कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में विशेष उपलब्धियां प्राप्त करने वाली महिलाएं राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए 26 दिसंबर तक आवेदन कर सकती हैं। इच्छुक महिलाएं महिला एवं बाल विकास कार्यालय गुरुग्राम में 26 दिसंबर तक अपने आवेदन जमा करवा सकती हैं।

डीसी ने बताया कि इंदिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार के लिए एक लाख 50 हजार रुपए व प्रशस्ति पत्र, कल्पना चावला शौर्य पुरस्कार के

- आवेदन करने की अंतिम तिथि 26 दिसंबर
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर की जाएंगी सम्मानित
- डीसी ने दी सम्मान के बारे में प्रतिभागिता की जानकारी

लिए एक लाख रुपए व प्रशस्ति पत्र, बहन शन्नो देवी पंचायती राज पुरस्कार के लिए एक लाख रुपए व प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड के लिए 51 हजार व प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को विभिन्न आठ श्रेणियां में 21-21 हजार रुपए व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

पहली श्रेणी में एएनएम, एमपीएचडब्ल्यू तथा नर्स शामिल है। दूसरी श्रेणी में महिला खिलाड़ी, तीसरी श्रेणी में साक्षर महिला समूह सदस्य, चौथी श्रेणी में राजकीय कर्मचारी, पांचवीं श्रेणी में सामाजिक कार्यकर्ता, छठी श्रेणी में महिला उद्यमी, सातवीं श्रेणी में स्त्री शक्ति पुरस्कार तथा आठवीं श्रेणी में आंगनबाड़ी कर्मी शामिल हैं। इन श्रेणियां में 21-21 हजार रुपए व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि किसी भी विभाग की महिला अपने विभागाध्यक्ष के माध्यम से भी आवेदन कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में अन्य किसी जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस को महिला एवं बाल विकास कार्यालय में सम्पर्क कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन से संबंधित अधिक जानकारी के लिए डब्लूसीडीएचआरवाई डॉट जीओवी डॉट इन वेबसाइट पर विजिट करें।

डीसी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने क्लीनिक किया सील

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त (डीसी) आयुष सिन्हा के निदेर्शानुसार स्वास्थ्य विभाग ने अटाली गांव में बिना मान्यता प्राप्त डिग्री के चिकित्सा गतिविधियां संचालित करने वाले एक क्लीनिक को बंद कर दिया है।

सीएम विंडो के माध्यम से मिली शिकायत में बताया गया कि संजय नामक व्यक्ति स्वयं को डॉक्टर बताकर क्लीनिक चला रहा था और बिना वैध योग्यता के लोगों को इलाज प्रदान कर रहा था, जिससे आमजन के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा था। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयंत आहूजा ने कौराली सीएचसी के एसएमओ डॉ. राजेश की अध्यक्षता में जांच टीम गठित

की। टीम ने क्लीनिक का निरीक्षण किया और संजय से चिकित्सकीय डिग्री और प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने को कहा, जो वह पेश नहीं कर सका। जांच के दौरान क्लीनिक से गंभीर बीमारियों में प्रयोग होने वाली कई दवाइयाँ भी बरामद हुईं। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएमओ ने थाना छांयसा पुलिस को लिखित शिकायत भेजी, और पुलिस ने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया है।

देश में सबसे प्रदूषित शहर रहा नोएडा

- नोएडा के सेक्टर-125 में सबसे अधिक प्रदूषण पाया गया, जहां एक्यूआई 437 था।
- ग्रेटर नोएडा में सबसे प्रदूषित स्थान नॉलेज पार्क फाइव रहा
- नोएडा में सेक्टर-62 को छोड़कर अन्य तीन स्थानों का एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया।

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

देश में नोएडा मंगलवार को सबसे अधिक प्रदूषित शहर रहा। यहां का एक्यूआई 395 दर्ज किया गया। ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 378 दर्ज किया गया। दिसंबर के पहले दो दिन दोनों शहरों की हवा बेहद खराब श्रेणी में रही। नोएडा में सेक्टर-62 को छोड़कर अन्य तीन स्थानों का एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया। सबसे अधिक प्रदूषण सेक्टर-125 में 437 दर्ज किया गया। तीनों स्थानों पर पीएम 2.5 और पीएम 10 का अधिकतम स्तर 500 तक पहुंच गया। ग्रेटर नोएडा में सबसे प्रदूषित स्थान नॉलेज पार्क फाइव रहा। यहां का एक्यूआई 430 दर्ज किया गया। यहां पीएम 2.5 और पीएम 10 का स्तर 500 तक पहुंचा।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा के सभी स्थानों पर पीएम 2.5 का स्तर पीएम 10 से अधिक रहा यानि वाहनों से निकलने वाले धुएं का प्रभाव अधिक रहा। नवंबर में नोएडा का एक्यूआई एक दिन भी 200 से कम नहीं हुआ। पांच दिन तो एक्यूआई 400 से अधिक रहा। वहीं, ग्रेटर नोएडा में महज एक दिन एक्यूआई 200 से कम रहा। 30 दिन शहर की हवा, खराब, बेहद खराब और गंभीर श्रेणी में रही। सुबह सात बजे नोएडा का एक्यूआई 360 था। इसके बाद दोपहर में भी प्रदूषण बढ़ा। शाम चार बजे एक्यूआई 395 था। छह बजे नोएडा का एक्यूआई 406 था। प्रदूषित कण और नमी के कारण आसमान में स्मॉग बन गया था। सुबह भी इसी तरह की स्थिति थी। धूप खिलने के कारण दोपहर में स्मॉग में थोड़ी कमी आई।

देश के पांच सबसे प्रदूषित शहर शहर एक्यूआई नोएडा 395, हापुड़ 379, ग्रेटर नोएडा 378, दिल्ली : 372, गाजियाबाद 361, नोएडा और ग्रेटर नोएडा का पांच दिनों का एक्यूआई तारीख नोएडा, ग्रेनो, 2 दिसंबर 395, 378, 1 दिसंबर 321, 296, 30 नवंबर 279, 268, 29 नवंबर 310, 288, 28 नवंबर 388, 378, 24 घंटे में ग्रेटर नोएडा का प्रदूषण 31 प्रतिशत बढ़ा पिछले 24 घंटे में ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 31 प्रतिशत बढ़ गया। ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई एक दिन पहले के मुकाबले 84 अंक अधिक दर्ज किया गया, जो सोमवार के एक्यूआई 296 का 31 प्रतिशत अधिक है। वहीं, नोएडा में एक दिन पहले के मुकाबले वायु प्रदूषण 27 प्रतिशत बढ़ा। शहर का एक्यूआई 395 रहा। जो पिछले दिन के मुकाबले 74 अंक अधिक है। एक दिन पहले शहर का एक्यूआई 321 था।

जहरीली हवा को लेकर माताओं ने उठाई आवाज

माताओं के एक समूह वॉरियर मॉम्स ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) से दिल्ली की जहरीली हवा के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेकर तुरंत कार्रवाई करने का आग्रह किया है। समूह का कहना है कि दिल्ली की हवा अब एक स्थायी और रोके जा सकने वाली समस्या बन चुकी है, जो बच्चों के जीवन के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करती है। एनएचआरसी के एक सदस्य को सौंपे गए ज्ञापन में वॉरियर मॉम्स ने चेतावनी दी कि अक्सर बहुत खराब से गंभीर श्रेणी के बीच रहने वाली शहर की वायु गुणवत्ता हर साल एक ऐसी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा का रूप ले रही है जो लाखों बच्चों में फेफड़ों और संज्ञानात्मक क्षमता को अपरिवर्तनीय नुकसान पहुंचा रही है। बढ़ते वैज्ञानिक प्रमाण बताते हैं कि हवा में मौजूद सूक्ष्म प्रदूषक कणों का संबंध दमा, श्वसन संक्रमण, फेफड़ों की क्षमता में कमी, बौनापन (स्टंटिंग), समय से पहले जन्म और बच्चों में संज्ञानात्मक क्षमता में गिरावट से जुड़ा है।

एसआईआर में लापरवाही बरतने पर दो निलंबित

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने मतदाता सूची के विशेष गहन परीक्षण (एसआईआर) के काम में लापरवाही बरतने पर कनिष्ठ सहायक और सहायक मैकेनिक कम ऑपरेटर को निलंबित कर दिया। नोएडा प्राधिकरण में विश्राम सिंह सहायक मैकेनिक कम ऑपरेटर के पद पर तैनात हैं, जबकि नीरज देवी कनिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत हैं।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने बताया कि इन दोनों ने एसआईआर के काम में लापरवाही और अनुशासनहीनता बरती। इस वजह से कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्य के अंतर्गत चार नवंबर से चार दिसंबर तक गणना प्रपत्रों का वितरण और संग्रह किया जाना था। इस काम में विश्राम सिंह को पर्यवेक्षक और नीरज देवी को बीएलओ के रूप में नियुक्त किया गया था। पिछले महीने 26 तारीख तक इन दोनों द्वारा सौंपे गए फॉर्म डिजिटलाइजेशन और पुनरीक्षण कार्य की प्रगति अत्यंत संतोषजनक पाई गई, जिससे शासकीय काम में बाधा उत्पन्न हुई। इसे निर्वाचन आयोग के निर्देशों की सीधे अवहेलना माना गया। ऐसे में दोनों पर निलंबन की कार्रवाई की गई।

आईटीआई में युवाओं को मिलेगा मुफ्त ईवी प्रशिक्षण

नोएडा। सेक्टर-31 स्थित आईटीआई कॉलेज में जीटीटी फाउंडेशन ने इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक पर 21 कार्य दिवसों का निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। लगभग 100 छात्रों की क्षमता वाले इस बैच में आईटीआई और पॉलिटेक्निक छात्र आधुनिक ईवी तकनीक का सैद्धांतिक व प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करेंगे। फाउंडेशन प्रशिक्षण के साथ प्लेसमेंट सहायता भी प्रदान करेगा, जिससे छात्रों को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। सीएसआर फंड से संचालित यह परियोजना ईवी उद्योग में बढ़ती मांग को देखते हुए युवाओं को स्थानीय और वैश्विक बाजार के लिए कौशलयुक्त बनाने की दिशा में अहम कदम है।

पोल पर लटकते बिजली के तारों से हादसे का खतरा

पायनियर समाचार सेवा। लोनी

न्यू विकास नगर कॉलोनी स्थित बृहस्पति चौक के पास लगे खंभे पर लटकते बिजली के तारों से लोग परेशान हैं। लोगों का कहना है कि तारों में शॉर्ट सर्किट होने से हादसे का खतरा रहता है। उन्होंने विद्युत निगम के अधिकारियों से समस्या से निजात दिलाने की मांग की है। नगर पालिका परिषद के वार्ड चार स्थित न्यू विकास नगर कॉलोनी में रहने वाले लोग विद्युत पोल की समस्या से परेशान है। कॉलोनी स्थित बृहस्पति चौक के पास विद्युत आपूर्ति के लिए पोल पर बड़ी संख्या में तार लगे हुए है। पोल पर तारों की अधिकता के चलते आए दिन शॉर्ट सर्किट होने से आग लगने की संभावना बनी रहती है।

> निवासी विद्युत पोल पर लटकते तारों का मामला संज्ञान में आया है। जल्द ही नए विद्युत पोल लगाकर लोगों की समस्या का समाधान कराया जाएगा।
>
> **सचिन कुमार अधीक्षण अभियंता विद्युत निगम लोनी**

कॉलोनी निवासी चंदन का कहना है कि तारों के लटकते जाल से हादसे की आशंका बनी हुई है। विद्युत निगम के अधिकारियों से शिकायत के बाद भी समस्या का हल नहीं निकल सका है। इससे लोगों को परेशानी हो रही। उन्होंने जल्द समाधान की मांग की है।

कार में शव छोड़ हुए फरार, 12 दिन बाद दो आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर कार चालक की हत्या कर शव को वाहन में छोड़कर फरार हुए दो बदमाशों को विजयनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान गोविंद और उसके साथी सनी उर्फ छोटू निवासी ग्राम नराऊ थाना ऊझानी बदायूं के रूप में हुई है।

पुलिस पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे दिल्ली के नजफगढ़ लक्ष्मी विहार में किराये पर कमरा लेकर मजदूरी करते थे। इसी दौरान उनकी नजर एक ट्रांसपोर्टर के 11 वर्षीय बेटे अंश पर पड़ी और दोनों ने उसके अपहरण की योजना बनाई। योजना को अंजाम देने के लिए उन्होंने हरिराम पोद्दार निवासी नजफगढ़ की कार किराये पर ली थी।

20 नवंबर को दोनों आरोपी हरिराम की कार में सवार होकर अलीगढ़ जाने का बहाना बनाकर निकले।

विजयनगर टी प्वाइंट पर उन्होंने चालक हरिराम की रस्सी से गला घोटकर हत्या कर दी और शव को पिछली सीट के नीचे छिपाकर बच्चे के अपहरण के इरादे से लक्ष्मी विहार पहुंचे। लेकिन बच्चा स्कूल नहीं आया, जिससे उनकी योजना नाकाम हो गई।

इसके बाद दोनों आरोपी गाजियाबाद लौटे और डीएमई स्थित अंतरिक्ष बिल्डिंग के सामने कार समेत शव को वहीं छोड़कर फरार हो गए थे। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

संविधान निर्माता पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप, केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। ग्रेटर नोएडा

दलित डिलीवरी ब्वॉय ने अपने साथी पर जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने और डॉ. भीमराव आंबेडकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मूलरूप से बुलंदशहर के अमीरपुर बांगर निवासी अभिषेक बिरौंडी गांव में रहता है। अभिषेक यहां एक कंपनी में डिलीवरी ब्वॉय का काम करता है। अभिषेक ने पुलिस को बताया कि बुलंदशहर के फतेहगढ़ का रहने वाला गोलू उर्फ निशांत भी उसके साथ काम करता है। अभिषेक का आरोप है कि गोलू ने मामूली बात को लेकर उसे जातिसूचक शब्द बोले। विरोध करने पर आरोपी ने सविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के बारे में आपमानजनक टिप्पणी की।

पीड़ित का आरोप है कि इससे उसकी भावनाएं आहत हुईं। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत कर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच आपसी कहासुनी हुई थी। पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

प्राधिकरणकर्मी ने युवती से निवेश के नाम पर सवा करोड़ रुपये ठगे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

युवती ने निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर प्राधिकरण के कर्मचारी से करीब सवा करोड़ रुपये ठग लिए। पीड़ित पर जब और रकम निवेश करने का दबाव बनाया जाने लगा, तब उसे ठगी की जानकारी हुई। कर्मचारी की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने एक तथाकथित युवती के खिलाफ केस दर्ज किया है। थाने में दी शिकायत में ग्रेटर नोएडा निवासी ब्रजपाल सिंह ने बताया कि करीब एक साल पहले उनके व्हाट्सऐप नंबर पर युवती दिव्या शर्मा ने मैसेज किया। वह कई दिनों तक सामान्य बातें करती रही। कुछ समय बाद दिव्या ने खुद को कारोबारी बताया और एक नामी कंपनी की मालकिन होने का दावा किया।

उसने अपनी कंपनी का पता पश्चिमी मुंबई के दादर का दिया। बातचीत के दौरान दिव्या ने ब्रजपाल से कहा कि वह निवेश कर हर महीने लाखों रुपये कमा रही है। ऐसा करके कोई भी मुनाफा कमा सकता है। उसने गोल्डन ब्रिज इंवेस्टमेंट कंपनी में निवेश करने की बात कही। निवेश के लिए युवती ब्रजपाल को कई दिन तक उकसाती रही। आखिर उन्होंने निवेश कर मुनाफा कमाने का मन बना लिया। ब्रजपाल ने 28 जनवरी को युवती के कहने पर 40 हजार रुपये का निवेश किया। इस पर उन्हें करीब आठ हजार रुपये का मुनाफा हुआ। मुनाफे समेत रकम उनके खाते में ट्रांसफर कर दी गई। इसके बाद उन्हें यकीन हो गया कि उनकी रकम सही जगह पर निवेश कराई जा रही है।

मुनाफे के चक्कर में उन्होंने एक फरवरी से 11 नवंबर तक एक करोड़ 24 लाख 44 हजार रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर दिए। इस दौरान युवती ने शिकायतकर्ता के मोबाइल पर एक ऐप डाउनलोड कराया। इस पर मुनाफे की राशि बढ़ती दिख रही थी। करीब सवा करोड़ रुपये निवेश करने के बाद अचानक से ब्रजपाल को रुपये की आवश्यकता पड़ गई। ऐसे में उन्होंने मुनाफे समेत निवेश की गई रकम को निकालने की इच्छा जताई। युवती से उन्होंने रकम निकासी का एक्सिस मांगा। इसी एवज में उनसे कुल रकम का तीस प्रतिशत इनकम टैक्स मांगा गया। अन्य करों का हवाला देते हुए भी कर्मचारी से रकम ट्रांसफर करने को कहा गया। जब पीड़ित ने ऐसा करने से इनकार किया तो युवती ने उससे संपर्क तोड़ लिया।

नोएडा भर्ती में हंगामाः अस्थायी नौकरी पर युवाओं का विरोध

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में भर्ती की मांग को लेकर पहुंचे करीब दो सौ युवाओं ने मंगलवार को जमकर हंगामा किया। आरोप है कि एजेंसी के माध्यम से दी जा रही नौकरी पूरी तरह अस्थायी है और उसके लिए कोई आधिकारिक ड्राफ्ट तक तैयार नहीं है। युवाओं का कहना है कि उन्हें न तो लिखित आश्वासन दिया गया और न ही चयन प्रक्रिया को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी साझा की गई।

अस्थायी नौकरी को लेकर नाराज युवाओं ने साक्षात्कार का बहिष्कार कर दिया और नियाल के माध्यम से औपचारिक ऑफर लेटर जारी करने की मांग पर अड़े रहे। वे करीब चार घंटे तक साक्षात्कार स्थल पर ही बैठे रहे और जवाब मिलने तक जाने से इनकार कर दिया। मामला बढ़ते देख युवाओं ने जेवर विधायक से भी शिकायत की। विधायक ने प्रतिनिधिमंडल से बात की और नियाल तथा प्राधिकरण के अधिकारियों से चर्चा कर समाधान निकालने का भरोसा दिया। युवाओं का कहना है कि वे तय प्रक्रिया और लिखित दस्तावेजों के बिना अस्थायी नियुक्ति स्वीकार नहीं करेंगे।

प्रशिक्षण केंद्र में तीन आवेदकों ने ड्राइविंग टेस्ट पास किया

- टेस्ट में 19 आवेदकों ने किया था आवेदन
- 14 आवेदक फेल हुए और 2 ने टेस्ट नहीं दिया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केंद्र (एडीटीसी) में मंगलवार को पहले दिन ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट देने पहुंचे आवेदकों में से केवल तीन ही टेस्ट पास कर सके। कुल 19 लोगों ने स्कूटनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद प्रशिक्षण केंद्र में अपना पंजीकरण कराया था। इनमें से 14 आवेदक टेस्ट में फेल हो गए। जबकि दो आवेदकों ने फेल होने के डर से टेस्ट देने से ही इनकार कर दिया। एडीटीसी के प्रभारी और मोटर वाहन निरीक्षक विवेक खरवार ने बताया कि मंगलवार को 19 ड्राइविंग लाइसेंस के आवेदन पहले स्कूटनी और बायोमेट्रिक कराने के बाद गुलधर स्थित ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्टिंग सेंटर में पहुंचे।

पंजीकरण के बाद उन्हें पहले वीडियो दिखाई गई और ट्रैक पर गाड़ी चलाते समय समय सीमा की जानकारी दी गई। केंद्र में सभी आवेदकों के टेस्ट की निगरानी कैमरों और सेंसर आधारित तकनीक हुई। टेस्ट के बाद केवल तीन आवेदक ही ड्राइविंग में पास हो पाए। 14 आवेदक फेल हुए जबकि दो लोगों ने टेस्ट देने से मना कर दिया। आरआई ने बताया कि जो लोग टेस्ट में फेल हो गए हैं, वह 300 रुपये की फीस जमा करके दोबारा टेस्ट में शामिल हो सकते हैं। नई प्रक्रिया से सड़क सुरक्षा को मजबूती मिल सकेगी।

सेक्टर-16 में चलती कार बनी आग का गोली

- चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेक्टर-16 स्थित रजनीगंधा चौराहे के निकट डीएनडी जाने वाले मार्ग पर मंगलवार शाम चलती कार में आग लग गई। चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई। सूचना पर दमकलकर्मियों के पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सेक्टर-16 मेट्रो स्टेशन से सेक्टर-18 की तरफ शाम करीब साढ़े पांच बजे पेट्रोल कार जा रही थी। रजनीगंधा चौराहे पर पहुंचने के बाद चालक डीएनडी की ओर जाने वाले मार्ग पर मुड़ गया। कुछ दूर चलने पर नाले के पुल से पहले कार के इंजन से धुआं निकलना शुरू हो गया।

चालक जब तक कुछ समझ पाता, तब तक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। चालक किसी तरह दरवाजा खोलकर बाहर निकला।

स्थानीय लोगों ने शुरूआत में पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया तभी एक व्यक्ति ने आग बुझाने वाली मशीन का इस्तेमाल करके आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि आग पूरी कार में नहीं लगी, वरना नुकसान अधिक होता।

हालांकि, ईंजन में आग लगने से कार का अगला हिस्सा जलकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए जिनमें राहगीर कार में लगी आग को बुझाते दिखाई दे रहे हैं।

प्राधिकरण के सीईओ ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के आसपास के स्थानों का किया निरीक्षण

सेक्टर-128 और 132 गोलचक्कर का आकार होगा छोटा

- नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने मंगलवार को नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के आसपास के स्थानों का निरीक्षण किया। उन्होंने जाम की समस्या को देखते हुए सेक्टर-128 और 132 गोलचक्कर का आकार कम कर सड़क और सर्विस रोड की चौड़ाई बढ़ाने के निर्देश दिए। सीईओ डॉ. लोकेश एम ने सेक्टर-128 गोलचक्कर, एक्सप्रेसवे के समानांतर 45 मीटर चौड़ी रोड, सेक्टर-128 से 150 तक और सेक्टर-153 गोलचक्कर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ सेक्टर-128 गोलचक्कर पर बनाए जा रहे मैसूर क्लॉक टावर को देखने पहुंचे। काम देखने के बाद उन्होंने 10 दिन में इसको पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा इस गोलचक्कर की रोटरी के आकार को कम कर सड़क चौड़ी करने के लिए कहा।

इस गोलचक्कर पर सड़क को भी ठीक करने के लिए कहा। इसी तरह सेक्टर-132 गोलचक्कर का आकार कम कर सड़क और सर्विस रोड की चौड़ाई बढ़ाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीईओ को सेक्टर-135 सिंचाई नाले से सेक्टर-167 छपरौली तक सड़क पर साफ-सफाई खराब मिली। इस मामले में सुपरवाइजर का एक महीने का वेतन रोकने के निर्देश दिए। इसके अलावा स्वाथ्य निरीक्षक से स्पष्टीकरण मांगा। सीईओ ने सड़क की दो दिन में गहना से सफाई करने का निर्देश दिया। उद्यान विभाग की ओर से सेक्टर-153 गोलचक्कर पर मंडमप का निर्माण कराया जा रहा है। सीईओ ने इसको दो महीने में पूरा करने के निर्देश दिए।

24 घंटे में गड्ढे भरने का निर्देश

सीईओ को निरीक्षण के दौरान कई जगह सड़कों में गड्ढे मिले। इससे नाराज सीईओ ने 24 घंटे के अंदर सभी गड्ढों को भरने का अल्टीमेटम दिया। उन्हें मोहियापुर से झट्टा गांव तक ग्रीन बेल्ट में पानी भरा मिला। अधिकारियों को इस समस्या को दूर करने के लिए कहा। निरीक्षण के दौरान सीईओ के साथ सिविल विभाग के डीजीएम विजय रावल और उद्यान विभाग के निदेशक आनंद मोहन मौजूद रहे।

विवाद में जिम ट्रेनर का सिर फोड़ा

नोएडा। मामूली विवाद में एक व्यक्ति ने जिम ट्रेनर का सिर फोड़ दिया। उनको नौ टांके आए। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-126 थाने में दी शिकायत में गाजियाबाद निवासी हर्ष शर्मा ने बताया कि वह सेक्टर-131 स्थित गोल्ड जिम में बतौर ट्रेनर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। एक दिसंबर यानी बीते सोमवार को सुबह साढ़े दस बजे के करीब सुमित त्यागी नाम का व्यक्ति उनके पास आया। उसने हर्ष को सोफे से उठने के लिए कहा। वह उठ ही रहे थे, तभी सुमित ने गाली-गलौज करनी शुरू कर दी। विरोध करने पर उसने मोबाइल से हर्ष के सिर पर कई बार प्रहार किया। हमले में उनका सिर फूट गया। सिर में नौ टांके आए। पुलिस ने सुमित त्यागी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

टैरिफ का ट्रंपकार्ड फ्लाप

भारत के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति की रणनीति फेल

भारत को प्रेशर में लेने और दबाव बनाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रणनीति और सारी चालें फेल हो गईं। ट्रंप का भारत पर 50 फीसदी टैरिफ वाला ट्रंपकार्ड भी नहीं चला। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति जहां बैकफुट पर आ गए, वहीं वह भारत के सामने घुटने टेकने जैसी स्थिति में दिखाई दे रहे हैं। ट्रंप भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर भ्रमित थे और साथ ही उनका दावा था कि आर्थिक विकास की दुहाई देने वाले भारत के दावे खोखले हैं। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को 'मृत' करार देते हुए अगस्त में भारत पर 50 फीसदी टैरिफ का दांव चल दिया था। जबकि हकीकत यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की गति जापान, जर्मनी, फ्रांस सरीखे विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं की गति से भी तेज साबित हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) की आर्थिक विकास दर 8.2 फीसदी रही है। 2023-24 में भी विकास दर 9 फीसदी से अधिक रही थी और वित्त वर्ष का समापन 8.4 फीसदी के साथ हुआ था। भारत की वास्तविक जीडीपी 48.63 लाख करोड़ रुपए है, जबकि एक साल पहले यह 44.94 लाख करोड़ रुपए थी। भारत की नॉमिनल जीडीपी 85.25 लाख करोड़ रुपए है। नॉमिनल जीडीपी के मायने हैं कि एक ही भौगोलिक सीमा के भीतर, एक अर्थव्यवस्था में, एक निश्चित अवधि में, उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का कुल बाजार मूल्य कितना है। उसमें मुद्रास्फीति को समायोजित नहीं किया जाता। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन का आकलन है चूंकि पहले 6 माह की बढ़ोतरी दर 8 फीसदी से अधिक रही है, नतीजतन अब भारत की कुल अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन डॉलर के पार होगी और चालू वित्त वर्ष की अंतिम आर्थिक विकास दर करीब 7.5 फीसदी हो सकती है। बजट संसद में पेश करने से पहले जो 'आर्थिक समीक्षा' सदन में रखी गई थी, उसमें 2025-26 की विकास दर का अनुमान 6.3-6.8 फीसदी लगाया गया था। अर्थव्यवस्था में यह बढ़ोतरी भारत के सतत आर्थिक विकास को प्रतिबिंबित करती है। चूंकि त्योहारी मौसम की मांग और खरीद के आंकड़े अभी सामने आने हैं। अक्तूबर-दिसंबर की तीसरी तिमाही की बढ़ोतरी दर और भी अच्छी हो सकती है। जीएसटी की दरों में जो कमी की गई, उनसे आम आदमी ने भी खरीददारी बढ़ाई है। त्योहारी मौसम में तो व्यापक, बंपर खरीददारी होती रही है। भारत में निजी खपत का जीडीपी में योगदान 55-57 फीसदी तक रहा है। यदि विकास दर 8 फीसदी से अधिक है, तो जाहिर है कि निजी खपत बढ़ रही है। लोगों में क्रय-शक्ति है। वे मांग कर रहे हैं और वस्तुओं, सेवाओं का उपभोग कर रहे हैं, लिहाजा बाजार में चमक है और उत्पादन बढ़ रहा है। दूसरी तिमाही के दौरान मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में 9.1 फीसदी, सेवा में 9.2 फीसदी, निर्माण में 7.4 फीसदी (कुछ कम हुआ), कृषि में 3.5 फीसदी, नॉमिनल जीडीपी में 8.7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। व्यापार, होटल, परिवहन, संचार सेवाओं के क्षेत्र में 7.4 फीसदी, बिजली में 4.4 फीसदी, फाइनेंशियल, रियल एस्टेट, पेशेवर सेवाओं में बढ़ोतरी 10 फीसदी से ज्यादा हुई है। इन क्षेत्रों का जीडीपी में करीब 25 फीसदी योगदान होता है। दरअसल भारतीय कंपनियों ने टैरिफ लगने से पहले ही उत्पादन और निर्यात को बढ़ा दिया था, नतीजतन टैरिफ का जीडीपी और अर्थव्यवस्था पर कोई नकारात्मक असर नहीं दिखा। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और थोक मूल्य सूचकांक के स्तर पर मुद्रास्फीति इस तिमाही के दौरान कम ही रही। इसी आधार पर महंगाई को नियंत्रित किया जा सका। आर्थिक विकास दर से प्रधानमंत्री मोदी, उद्योगपति, व्यापारी, बाजार और आम उपभोक्ता सभी गदगद होंगे। ऐसे मौकों पर एक बुनियादी सवाल कुरेदता रहा है कि जब हम आर्थिक तौर पर इतने मजबूत हो रहे हैं, बाजार में मांग और व्यापार हैं, तो उसका पूरा लाभ आम आदमी को क्यों नहीं मिल पाता? देश में आज भी 81 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज हर माह बांटा जा रहा है। इसके अलावा, सस्ता गेहूं, चावल की योजना गरीबी-रेखा के नीचे वालों के लिए भी है। हमारा दावा है कि करोड़ों की यह जमात बेरोजगार नहीं है। यदि है, तो सरकार एक अभियान चला कर उन्हें रोजगार मुहैया करा सकती है।

नए श्रम कानूनों से आर्थिक रफ्तार

डा. जयंती लाल भंडारी

हाल ही में 21 नवंबर को केंद्र सरकार ने देश में पांच साल के लंबे समय से प्रतीक्षित जिन नए श्रम कानूनों के तहत चार श्रम संहिता (लेबर कोड) को लागू कर दिया है, उनसे श्रमिकों के लिए राहत और उद्योग-कारोबार के लिए आर्थिक रफ्तार की नई संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। नए श्रम कानून के तहत चार श्रम संहिताएं- मजदूरी संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्तें संहिता 2020 शामिल हैं। नए श्रम कानून के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये श्रम कानून देश में स्वतंत्रता के बाद से सबसे व्यापक और प्रगतिशील श्रम-उन्मुख सुधार हैं। वस्तुतः नई चार श्रम संहिताएं सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर मजदूरी का भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल और हमारे लोगों, विशेष रूप से नारी शक्ति और युवा शक्ति के लिए लाभकारी अवसरों के लिए एक मजबूत नींव के रूप में काम करेंगी। साथ ही नए श्रम कानून भविष्य के लिए एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण करेंगे, जो श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करेगा और भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को मजबूत करेगा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ ने भारत के नए श्रम कानूनों की सराहना करते हुए कहा कि इनसे श्रमिकों को बड़े लाभ होंगे। साथ ही रोजगार प्रदाताओं और श्रमिकों के बीच सामाजिक सुरक्षा संवाद मजबूत होगा। निश्चित रूप से नई श्रम संहिताओं ने श्रम कानूनों को सरल, निष्पक्ष और नए दौर के कामकाजी वातावरण के अधिक अनुकूल बना दिया है।

ये नए श्रम कानून श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा में सुधार करने, व्यवसायों के लिए नियमों का अनुपालन करना आसान बनाने और बढ़ती अर्थव्यवस्था में अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने के मद्देनजर अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। नई श्रम संहिताओं के तहत श्रमिकों, उद्योगों और सरकार के हितों से संबंधित बहुआयामी लाभ उभरकर दिखाई दे रहे हैं। अब नियोक्ताओं को सभी श्रमिकों को नियुक्ति पत्र जारी करना होगा तथा गिग और प्लेटफॉर्म कामगारों सहित पूरे श्रमबल को सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रदान करना होगा। न्यूनतम मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने और 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच प्रदान की जाना भी सुनिश्चित की गई है। अब तय अवधि के लिए ठेके पर काम करने वाले कामगारों को स्थायी श्रमिकों के बराबर सभी लाभ मिलेंगे और वे 5 साल के बजाय सिर्फ एक साल बाद ग्रेच्युटी पाने के हकदार होंगे। नए श्रम नियम महिलाओं को रात की पाली में काम करने और देश भर में कर्मचारियों के राज्य बीमा लाभों का विस्तार करने की अनुमति भी देते हैं, इन सबसे श्रम की गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ेगी। यदि हम देश में श्रम कानूनों का इतिहास देखें तो पाते हैं कि भारत के कई श्रम कानून स्वतंत्रता से पहले और स्वतंत्रता के बाद के आरंभिक काल में उस समय बनाए गए थे, जब अर्थव्यवस्था और कार्य की दुनिया वर्तमान व्यवस्थाओं से पूरी तरह भिन्न थी। जैसे-जैसे 1991 के बाद वैश्वीकरण बढ़ता गया, वैसे-वैसे दुनिया के अधिकांश बड़े विकसित और विकासशील देशों ने पिछले कुछ दशकों में अपने श्रम नियमों को समय के साथ अनुकूल व सरल बनाया और उन्हें एकीकृत किया है। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि सिंगापुर, डेनमार्क, अमेरिका, न्यूजीलैंड तथा वियतनाम सहित कई देश लचीले श्रम कानूनों के कारण न केवल औद्योगिक विकास की डगर पर लाभान्वित होते हुए दिखाई दे रहे हैं। ये देश उद्योग-कारोबार की रैंकिंग में भी आगे हैं। लेकिन भारत अब तक 29 केंद्रीय श्रम कानूनों में बिखरे, जटिल और कई मामलों में पुराने प्रावधानों के आधार पर काम कर रहा था, जिन्हें सरल करने की जरूरत बनी हुई थी। उच्चतम न्यायालय भी कई बार देश में अप्रासंगिक हो चुके ऐसे श्रम कानूनों की कमियां गिनाता रहा है, जो काम को कठिन और लंबी अवधि का बनाते हैं।

देश और दुनिया के आर्थिक संगठन बार-बार यह कहते रहे हैं कि श्रम सुधारों से ही भारत में उद्योग-कारोबार का तेजी से विकास हो सकेगा। यह बात महत्वपूर्ण है कि नए श्रम कानून का एक बड़ा आधार दूसरे राष्ट्रीय श्रम आयोग की रिपोर्ट में प्रस्तुत की गई बहुआयामी सिफारिशें भी हैं। इस आयोग का गठन तत्कालीन श्रम मंत्री डा. सत्यनारायण जटिया के द्वारा अक्टूबर 1999 में किया गया था, जिसकी रिपोर्ट जून 2002 में प्राप्त हुई थी। श्रम कानूनों को मजदूर हितैषी बनाने में डा. जटिया का अहम योगदान रहा है। अब आत्मनिर्भरता और स्वदेशी को नए श्रम कानून तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। साथ ही नई श्रम संहिताओं से देश-दुनिया में सेवा क्षेत्र के साथ-साथ मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ सकेगा। नए श्रम सुधार भारत की विकास दर को रफ्तार दे सकेंगे। उल्लेखनीय है कि 25 नवंबर को प्रकाशित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक 21 नवंबर से भारत में लागू किए गए नए श्रम कानूनों से देश में, मध्यम अवधि में लगभग 77 लाख नई नौकरियां तैयार होंगी। रिपोर्ट के मुताबिक इस समय भारत का औपचारिक कार्यबल 60.4 फीसदी अनुमानित है। नए श्रम नियमों से अब औपचारिक कार्यबल लगभग 75.5 फीसदी के स्तर पर पहुंच सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में असंगठित क्षेत्र में लगभग 44 करोड़ श्रमिक हैं। इनमें से 31 करोड़ से अधिक ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत हैं। यदि इन श्रमिकों में से केवल एक, पांचवां हिस्सा औपचारिक नौकरियों में स्थानांतरित होता है, तो लगभग 10 करोड़ श्रमिक लाभ प्राप्त करना शुरू कर देंगे, जो उनके रोजगार रिकॉर्ड से जुड़े होंगे। लेकिन नए श्रम कानून की डगर पर कार्यान्वयन संबंधी कई मुश्किलें भी हैं। इन मुश्किलों का समाधान किया जाना जरूरी होगा। खास तौर से व्यवस्था में निरंतर सुधार की आवश्यकता होगी। श्रम संबंधी कामों की तेजी से बदलती हुई प्रकृति को देखते हुए इसके लिए केंद्र तथा राज्य सरकारों के बीच तथा उद्योग-कारोबार तथा श्रम संगठनों के बीच अच्छा तालमेल जरूरी होगा। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को नए श्रम कानूनों का लाभ दिलाने के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। ऊंची विकास दर को पाने के लिए नए श्रम कानूनों के शीघ्र व्यावहारिक क्रियान्वयन सहित अन्य आर्थिक और वित्तीय सुधारों की डगर पर भी तेजी से आगे बढना होगा।

उम्मीद करें कि देश में 21 नवंबर से लागू नई चार श्रम संहिताओं से श्रम नियमों के आधुनिकीकरण, श्रमिकों के कल्याण को बढ़ावा और श्रम पारिस्थितिकी तंत्र को कार्य की उभरती दुनिया के साथ संरेखित किए जाने जैसे नए आधारों से भविष्य के लिए तैयार कार्यबल और मजबूत, लचीले उद्योगों की मजबूत नींव रखी जाएगी, जो आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उम्मीद करें कि जिस प्रकार इनकम टैक्स और जीएसटी सुधार से आम आदमी और अर्थव्यवस्था को लाभ हुआ है, उसी प्रकार नए श्रम कानून भी लाभप्रद होंगे। उम्मीद करें कि अब नए श्रम कानून के बाद जीवन को आसान बनाने व आर्थिक मजबूती के लिए अब सरकार आगामी पीढ़ी के सुधार एजेंडा पर भी तेजी से आगे बढ़ते हुए कृषि, बैंकिंग, वित्तीय समावेशन, लॉजिस्टिक सुधार, डिजिटलीकरण और वित्तीय क्षेत्र में सुधारों की डगर पर आगे बढ़ेगी। उम्मीद करें कि देश नए श्रम कानूनों से उत्पादन वृद्धि, निर्यात वृद्धि, रोजगार वृद्धि और विकास दर के ऊंचे लक्ष्यों को प्राप्त करने की डगर पर आगे बढ़ते हुए वर्ष 2027 में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और वर्ष 2047 में विकसित राष्ट्र बनते हुए दिखाई दे सकेगा।

(लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है)

इनोवेशन के लिए साइंस कम्युनिकेशन सबसे जरूरी

पहला शोधपरक विज्ञान संचार और दूसरा लोकप्रिय विज्ञान संचार। लैब में होने वाले शोधों की जानकारी तकनीकी भाषा में होती है। इसे आम आदमी सुगमता से नहीं समझ सकता। लोकप्रिय विज्ञान संचार में यह परेशानी आती है कि विज्ञान की कठिन बातों को सरल कैसे बनाया जाए और आम लोगों तक पहुंचाया जाए

संजय गोस्वामी

आज देश को विज्ञान की सही जानकारी हेतु विज्ञान संचार बहुत जरुरी है, यदि आप बेरोजगार हैं, तो इन वास्तविकताओं का सामना करने से आप अक्सर अभिभूत, उदास और निराश महसूस कर सकते हैं। वैश्विक महामारी के लिए ये वैध प्रतिक्रियाएं हैं, लेकिन इनोवेशन के लिए साइंस कम्युनिकेशन या विज्ञान संचार सबसे ज़रूरी है सकारात्मक बने रहेगें विज्ञान संचार को हम यूं समझ सकते है, जैसे कि वैज्ञानिक जानकारियों जहां से पैदा हो रही हैं। वहां से लेकर उन जानकारियों के प्रयोग करने वालों तक पहुंचाना। इसके लिए विभिन्न प्रकार के माध्यम अपनाए जाते हैं। विज्ञान संचार को दो भागों में बांटा जा सकता है। पहला शोधपरक विज्ञान संचार और दूसरा लोकप्रिय विज्ञान संचार। लैब में होने वाले शोधों की जानकारी तकनीकी भाषा में होती है। इसे आम आदमी सुगमता से नहीं समझ सकता। लोकप्रिय विज्ञान संचार में यह परेशानी आती है कि विज्ञान की कठिन बातों को सरल कैसे बनाया जाए और आम लोगों तक पहुंचाया जाए। सबसे बड़ी समस्या यह है कि रिसर्च पेपर की भाषा को आम लोग समझ नहीं पाते और वैज्ञानिक आम जन की भाषा को नहीं समझ पाते। यहीं पर परेशानियां पैदा होती हैं। वास्तव में विज्ञान के जटिल तर्कों को सरल भाषा में जो भी आम लोगों तक पहुंचा देगा वही एक सफल विज्ञान संचारक कहलाएगा। वास्तव में विज्ञान संचार के दो प्रमुख उद्देश्य हैं-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की जानकारी आम जन तक पहुंचाना और उनमें वैज्ञानिक-तकनीकी दृष्टिकोण का विकास करना। किसी भी व्यक्ति में जब वैज्ञानिक दृष्टिकोण समाहित होने की बात की जाए तो इसका अर्थ यह होगा कि उसमें सोच, आचरण, व्यवहार और निर्णय लेने के स्तरों पर वैज्ञानिकता की छाप अवश्य दिखे। इसी छाप को अखिल भारतीय स्तर पर बनाये रखने के लिए हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई द्वारा पिछले 57 वर्ष से लगातार विज्ञान संचार किया जा रहा जिसमें किसी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष श्री आर के मिश्र का हिंदी विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान के लिए उनके हिंदी विज्ञान में एक नई क्रांति मुंबई के वैज्ञानिकों ने 1968 में भारतीय वैज्ञानिक द्वारा हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की नींव मुंबई में रखी और 2साल बाद वैज्ञानिक पत्रिका का सतत प्रकाशन हुआ जो आज भी ऑनलाइन माध्यम से चल रही है। अतः राष्ट्रीय अस्तर पर हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद ही एक मात्र ऐसी संस्था बची इसमें परिषद के पूर्व कार्यकारी सचिव श्री राजेश कुमार मिश्र का सबसे अधिक और अहम् योगदान रहा जो इतिहास के पन्नों में दर्ज होगा, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक और हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्र, दिनांक 30. 11.2025 मे केंद्र से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। फिलहाल वे परिषद द्वारा प्रकाशित होने वाली राष्ट्रीय पत्रिका के संपादक मंडल मे हैं इसके पूर्व उन्होंने जून 2022 से सितम्बर 2025 तक वैज्ञानिक पत्रिका के मुख्य संपादक के रूप में सफलतापूर्ण कार्य किया। उनके कार्यकाल में जो अंक प्रकाशित हुए उसमें आजादी के अमृत महोत्सव पर देश में विज्ञान का 75 साल में विकास, टेक्नोलॉजी विशेष अंक, वैज्ञानिक अनुक्रर्म विशेष, विज्ञान संचार विशेष, महान वैज्ञानिक योगदान अंक, व हाल ही में महान वैज्ञानिक परमाणु वैज्ञानिक डॉ आर चिदंबरम जो पूर्व में मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार थे जिनका 1998 में भारत के पोखरण -2 में मुख्य भूमिका रही उनके निधन पर श्रद्धांजलि के रूप में डॉ आर चिदंबरम स्मृति अंक वैज्ञानिकों व विज्ञान पाठकों के लिए बहुत ही शानदार रहा जिसके लिए भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव महोदय ने अंक हेतु अपनी शुभकामना संदेश देकर वैज्ञानिक में नई संजीवनी दि, जो विज्ञान के प्रकाश से जगमगाते रहे। श्री राजेश कुमार मिश्रजी ने विज्ञान संचार हेतु वैज्ञानिक को नवाचार और देश के विज्ञान गतिविधियों को पत्रिका में स्थान देकर देश को विज्ञान संचार के क्षेत्र में अहम योगदान दिया है और लगातार अपनी सेवा निस्वार्थ भाव से देते आ रहें है। इसके पहले वे वह हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद में लगभग 18 सालों या उससे अधिक समय से सक्रिय रूप से जुड़े रहे इसके लिए उन्होंने परिषद द्वारा आयोजित कई राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी में संयोजक के रूप मे महत्वपूर्ण योगदान दिया व हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद द्वारा आयोजित प्रश्न मंच कार्यक्रम मे भी संयोजन मे सफलतापूर्वक काम किया हिंदी विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान हेतु परिषद द्वारा उन्हे हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद स्वर्ण जयंती समारोह, में भारत के महान वैज्ञानिक स्व डॉ चिदंबरम जैसे महान वैज्ञानिक को मंच पर मुख्य अथिति के रूप में बुलाये जाने का पूरा श्रेय जाता है। इसके अलावा वे विज्ञान वार्ता, स्वास्थ्य संगोष्ठी, वैज्ञानिक पत्रिका के व्यवस्थापण मे भी मुख्य भूमिका प्रदान किया गया. उन्होंने विज्ञान अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी, दोनों ही क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। एक प्रभावी विज्ञान संचारक के नाते जन सामान्य संबंधित विषयों की वैज्ञानिक जानकारी/ज्ञान के संचार तथा लोकप्रियकरण की दिशा में स्वयंसेवी भाव से लगातार कार्य करते रहे हैं और वैज्ञानिक पत्रिका मे संपादक मंडल मे बने रहेंगे। सेवानिवृत्ती के अवसर पर आपको हिंदी विज्ञान में उल्लेखनीय योगदान हेतु अनेक बधाइयां तथा भविष्य के सुखद एवं निरोगी सुदीर्घ पारिवारिक जीवन के लिए शुभकामनाएं !.हिंदी विज्ञान में उनके अहम् योगदान हेतु पूरा देश गौरव महसूस करेगा हिंदी विज्ञान के लिए किया गया उनका कार्य निश्चित रूप से सभी को प्रेरणा देगी। निश्चित तौर पर विज्ञान संचारकों के लिए वैज्ञानिकता का प्रचार प्रसार करना एक बड़ीचुनौती है। विज्ञान संचार के लिए खोजे गए सूत्रों और तत्वों के आधार पर बहुत कुछ किया जा सकता है। नए पीढ़ी के लोगों के लिए चुनौतियां काफी हैं। यह भी साफ है कि केवल विज्ञान की जानकारी रखने वाले लोग ही अच्छे विज्ञान संचारक नहीं होते बल्कि जिनमें वैज्ञानिक समझ विकसित हो जाती है, अतः विज्ञान संचार बहुत जरुरी है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आप की बात

सदन की गरिमा बनाए रखना जनप्रतिनिधियों का प्रमुख कर्तव्य

लोकतंत्र में जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि संसद और विधानसभाओं के जिम्मेदार सदस्य होते हैं। उनका प्रमुख कर्तव्य है कि वे सदन की गरिमा को अक्षुण्ण बनाए रखें और जनहित में कानून बनाकर उनका समान रूप से पालन करवाएँ। भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा और सुशोभित लोकतंत्र है, जहाँ विपक्ष को भी सरकार के कार्यों का खुलकर विरोध करने का अधिकार प्राप्त है । सरकार जब जनहित के मुद्दों से भटकती है, तो उसका विरोध करना विपक्ष का धर्म है, और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सरकार का सहयोग करना विपक्ष का कर्तव्य। यही स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष सदन में भले कटु वाद-विवाद करें, लेकिन बाहर एक-दूसरे के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखते हैं। विश्व में बहुत कम देश ऐसे हैं जहाँ विपक्ष को भारत जैसा पूर्ण अधिकार प्राप्त हो कि वह सरकार की नीतियों का खुला विरोध कर सके। हमारे यहाँ विपक्ष की भूमिका सदैव से महत्वपूर्ण रही है क्योंकि मजबूत विपक्ष के बिना सरकार निरंकुश और बेलगाम हो सकती है। इसलिए केंद्र, राज्य या पंचायत – किसी भी स्तर पर सत्ता पक्ष के साथ दमदार विपक्ष आवश्यक है।

अरविंद रावल 51, गोपाल कॉलोनी, झाबुआ (म.प्र.)

स्वागत योग्य है सीजेआई का प्रस्ताव

नवनियुक्त चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने कोर्ट की प्रक्रियाओं में अनेक सुधारों पर अपना मंतव्य प्रकट किया है जिसमें कॉलेजियम को समाप्त करके संसद द्वारा पारित एन जे ए सी पर भी पुनर्विचार का संकेत दिया है। यह विचार निश्चित ही प्रशंसनीय है और स्वागत योग्य भी । कॉलेजियम द्वारा बड़के जॉन की नियुक्ति में प्रतिभा पर परिवारवाद और अधिनायकत्व से धूमिल इस प्रक्रिया के कारण जनमानस में इन जजों के प्रति विश्वसनीयता का घोर अभाव पनपा है । सुप्रीम कोर्ट के अनेक अन्यायपूर्ण निर्णयों से भी कोर्ट की छवि धूमिल हुई है । कॉलेजियम की प्रक्रिया न तो पारदर्शी है, न प्रतिभा पारखी और इसके साथ साथ यह प्रक्रिया असंवैधानिक भी है अतः इसके स्थान पर एक संवैधानिक और पारदर्शी प्रक्रिया शीघ्रातिशीघ्र अपेक्षित है । आशा है वर्तमान सी जे आई अपने कार्यकाल में ही इसे अपने गंतव्य तक पहुंचाएंगे । सुप्रीम कोर्ट को वर्तमान एस आई आर विवाद तथा देश की सुरक्षा व भ्रष्टाचार से जुड़े सभी विषयों पर सभी निर्णय देशहित में लेना ही उचित होगा तथा भ्रष्ट, आतंकी, उपद्रवी आरोपियों को बेल देने पर भी अपनी उदारता पर पुनर्विचार अपेक्षित रहेगा । संविधान के संरक्षण के साथ देशहित को प्राथमिकता हम सब का कर्तव्य है और सुप्रीम कोर्ट का भी ।

डॉ. जय प्रकाश गुप्त, अम्बाला छावनी

साथी एप विपक्षी साथियों को नहीं भायी

सरकार ने आम लोगों को डिजिटल फ्रॉड से बचने/सावधान करने के लिए अन्य डिजिटली एप की तरह "साथी एप" भी कंपनियों द्वारा मोबाईल फोन में डालने को कहा. किन्तु हमेशा की तरह विपक्षी सत्ता के कामों के आलोचक विपक्षियों को वह एप्प नहीं भायी और उसे नकारते हुए उनके द्वारा कहा जा रहा है कि इससे सरकार लोगों की जासूसी करवाएगी जिससे व्यक्ति की प्रायवेसी का हनन होगा. जो कि ठीक नहीं है. एप्प से व्यक्तिगत प्राइवेसी का हनन होता या नहीं यह बात अलग है किन्तु किसी भी तरह सरकार के अच्छे कामों जिसमें बढ़ते फ्रॉड को रोकने, लोगों को जागरूक करने व भारी नुकसान से उन्हें बचाने के लिए सरकार ने एप्प का प्रस्ताव रखा है वह भी विपक्षियों को पसंद नहीं आ रहा है. सरकार फ्रॉड को रोकने के लिए कदम नहीं उठाती तो भी विपक्ष हंगामा करता उसके विरूद्ध कि लोग लुट रहे हैं और सरकार चुप बैठी है. याने विपक्ष चित भी मेरी और पुट भी मेरी के सिद्वान्त पर चलने पर सदैव आमादा रहता है. सही को सही गलत को गलत याने दूध का दूध और पानी का पानी करके की बजाय बस सत्ता की आलोचना करना ही उसका उद्देश्य रहता है. आखिर कब बदलेगा उसका सत्ता के प्रति बेहतर रवैय्या ?

शकुंतला महेश नेनावा, 57, गिरधर नगर, इंदौर (म.प्र.)

व्लादिमीर पुतिन का दौरा

4-5 दिसंबर को होने वाला रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरा अनेक संभावनाओ से भरा होने की आशा है। गौरतलब है कि पुतिन पांच वर्ष से भी अधिक अवधि के बाद भारत आ रहे है और इस कालावधि में गंगा और वोल्गा से बहुत पानी बह चुका है तथा वैश्विक परिदृश्य में भी काफी परिवर्तित हो चुके है। इस दौरे में रूस और भारत को परमाणु ऊर्जा, तकनीक और कारोबार के क्षेत्र में अपने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा के साथ ही उर्जा एवं रक्षा सौदे को भी अंतिम रुप दिए जाने की उम्मीद है। भारत और रूस के बीच एक 'परिपक्वरणनीतिक साझेदारी' है और दोनों ही राष्ट्र कई अहम मौक़ों पर एक-दूसरे के साथ खड़े हुए नज़र आए हैं। युक्रेन युद्ध के बीच रूस को अलग-थलग करने के पश्चिमी कोशिशो को भी भारत ने नाकाम किया है तथा अमेरिकी प्रतिबंधो के बावजूद भारत ने भारी मात्रा में तेल खरीद कर रुस को आर्थिक संबल प्रदान किया है। दोनो देशो के बीच व्यापार की दृष्टि से देंखे तो वित्त वर्ष 2024-25 में, भारत और रूस के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार 68.7 बिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया है। इस व्यापार में भारत का निर्यात 4.88 बिलियन डॉलर रहा, जबकि रूस से आयात 63.84 बिलियन डॉलर का रहा, जिसमें मुख्य रूप से कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद शामिल हैं।

विमलेश पगारिया, बदनावर म.प्र.

पाठकगण अपने विचार responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भेज सकते हैं।

रेलवे बनभूलपुरा भूमि प्रकरण मामले में सुप्रीम कोर्ट में 9 दिसंबर को सुनवाई संभावित

छावनी में तब्दील बनभूलपुरा, चप्पे-चप्पे पर जवान तैनात

- एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजुनाथ टीसी स्वयं टीम के साथ मैदान में किया निरीक्षण
- पुलिस की कड़ी चेकिंग और संदिग्धों पर जीरो टॉलरेंस

पायनियर समाचार सेवा। हल्द्वानी

रेलवे बनभूलपुरा भूमि प्रकरण मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में फाइनल सुनवाई होनी थी। लेकिन सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है कि एसआईआर मामले की सुनवाई देर तक चलने के कारण सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में नई तारीख नियत कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के अनुसार 9 दिसंबर को संभवतः मामला सूचीबद्ध किया जा सकता है, (सूचीबद्ध होने की संभावना है) जिसके बाद माना जा रहा है कि अब रेलवे बनभूलपुरा भूमि प्रकरण पर 9 दिसंबर को फिर से सर्वोच्च न्यायालय में फाइनल सुनवाई होगी। बता दें कि हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र से जुड़े इस प्रकरण पर पूरे उत्तराखंड की नजर बनी हुई थी। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने मामले की अगली कार्यवाही के लिए नई तिथि 9 दिसंबर संभावित कर दी है, जिसके बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस विभाग एक बार फिर अलर्ट मोड पर आ गए हैं। अब सभी की निगाहें 9 दिसंबर को होने वाली संभावित फाइनल सुनवाई पर टिकी रहेंगी, जब सर्वोच्च न्यायालय इस बहुचर्चित मामले पर आगे की स्थिति स्पष्ट करेगा।

वहीं रेलवे बनभूलपुरा भूमि प्रकरण केके मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट के अहम फैसले से पूर्व एसएसपी के नेतृत्व में पुलिस पूर्ण अलर्ट मोड पर नजर आई। एसएसपी ने स्वयं फील्ड में उतरकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया व सुरक्षा तैयारियों को बारीकी से मॉनिटर की। इस दौरान एसपी हल्द्वानी मनोज कुमार कत्याल, एसपी, क्षेत्राधिकारी लालकुआं दीपशिखा अग्रवाल, क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी अमित कुमार सैनी, प्रभारी थानाध्यक्ष सुशील जोशी समेत अन्य अधिकारियो ने भी मोर्चा सम्भाला।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

- जनपद की सीमाओं पर सघन चेकिंग
- संवेदनशील क्षेत्रों में भारी पुलिस बल की तैनाती
- संदिग्धों पर विशेष निगरानी
- सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर

121 उपद्रवी लोगों के विरुद्ध की गई कार्यवाही

एसएसपी डॉ. मंजुनाथ टीसी बताया कि चेकिंग अभियान चलाकर बनभूलपुरा क्षेत्र से 121 उपद्रवी लोगों के विरुद्ध 126/135 बीएनएस के तहत निरोधात्मक कार्यवाही की गई है। साथ ही एहतियातन 21 लोगों को चिन्हीकरण कर धारा 170 बीएनएसएस के तहत हिरासत में लिया गया है। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बिल्कुल बख्शा नहीं जाएगा, पूर्व में दंगे में शामिल, लोगों को भड़काने वाले तथा आदतन उपद्रवियों का चिन्हीकरण कर उनके विरुद्ध पुलिस कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। नैनीताल पुलिस हर मोर्चे पर तैयार है, फील्ड के साथ साथ सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर बनाए हुए है। किसी भी प्रकार से भ्रामक सूचना फैलाने, भड़काऊ संदेश प्रचारित करने तथा कानून व्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश करने वालों पर भी कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

सीमांत क्षेत्रों में वाइब्रेंट विलेज 2.0 के तहत 40 गांवों का होगा डिजिटल पुनरोद्धार

- बुनियादी ढांचा मजबूत होने और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

उत्तराखंड के सीमांत क्षेत्रों में स्थित वाइब्रेंट विलेज, जहां लंबे समय से पलायन के कारण जनसंख्या घटती जा रही है, अब एक बार फिर आबाद होने की दिशा में बढ़ रहे हैं। भारत सरकार बॉर्डर एरिया में बसे इन खाली हो चुके गांवों को सभी बुनियादी सुविधाओं से लैस करने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम कर रही है।

कार्यक्रम की नोडल अधिकारी अनुराधा पाल ने बताया कि वाइब्रेंट विलेज 2.0 के तहत नेपाल सीमा से सटे 40 गांवों का डिजिटल तरीके से पुनरोद्धार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की गाइडलाइंस के अनुरूप एक व्यापक कार्ययोजना तैयार की जा रही है, जिसमें आजीविका बढ़ाने, आवास निर्माण, सड़कों की कनेक्टिविटी, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, पर्यटन विकास सहित कई बड़े बदलाव शामिल होंगे।

अधिकारियों के मुताबिक इस योजना से पिथौरागढ़, चमोली और उत्तरकाशी जिलों के गांव सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। प्रत्येक गांव के लिए एक-एक अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो गांवों की वास्तविक जरूरतों के अनुसार विकास कार्यों की निगरानी करेंगे। सरकार का लक्ष्य है कि सीमांत गांवों को आत्मनिर्भर बनाते हुए पलायन की समस्या को रोका जाए, ताकि बॉर्डर क्षेत्र मजबूत और सुरक्षित बन सके। वाइब्रेंट विलेज 2.0 से इन गावों में रोजगार के नए अवसर पैदा होने, बुनियादी ढांचा मजबूत होने और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

नाबालिग छात्र-छात्रा से छेड़छाड़ का आरोपी अथिति शिक्षक गिरफ्तार

- यूपी के बिजनौर जिले के जलालाबाद से आरोपी को पकड़ गया

पायनियर समाचार सेवा। चमोली

चमोली जिले के दशोली विकासखंड के एक विद्यालय गौणा में पढ़ाने वाले अतिथि शिक्षक युनूस अंसारी को दो नाबालिग छात्र-छात्रा के यौन शोषण के गंभीर आरोपों में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शिकायत मिलने के तुरंत बाद पुलिस ने करीब 12 घंटों के भीतर यूपी के बिजनौर जिले के जलालाबाद से आरोपी को पकड़ लिया।

अंसारी पर आरोप है कि वह परीक्षा में असफल करने की धमकी देकर बच्चों का शोषण करता था। मामला 30 नवंबर को तब प्रकाश में आया, जब पीड़ित परिवारों ने कोतवाली चमोली में तहरीर दी। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया और 14 दिन की न्यायिक हिरासत में पुरसाड़ी जेल भेजा गया। एसपी सुरजीत सिंह पंवार के निर्देश पर एसआई विजय प्रकाश की अगुवाई में एक विशेष टीम बनाई गई, जिसने सर्विलांस और तकनीकी इनपुट के आधार पर आरोपी का ठिकाना खोजकर उसे धर दबोचा। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि अंसारी लंबे समय से बच्चों के साथ गलत बर्ताव करता रहा। मूल रूप से बिजनौर निवासी यह शिक्षक वर्षों पहले चमोली छोड़कर परिवार सहित यूपी चला गया था, फिर भी उसे चमोली तहसील से स्थायी निवास प्रमाणपत्र जारी किया गया।

इसी प्रमाणपत्र के आधार पर उसे अतिथि शिक्षक की नियुक्ति मिली। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रमाणपत्र जारी करने में संबंधित अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध है। जिसके बाद स्थाई निवास प्रमाण पत्र की भी जांच होनी चाहिए। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

विश्व दिव्यांग दिवस पर लाभार्थियों को मिलेंगे सहायक उपकरण

हल्द्वानी। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर 3 दिसंबर 2025 को हल्द्वानी में विस्तृत कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री कौशल विकास केंद्र (पीएमकेके) के संरक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न दिव्यांगजन को सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। इसके साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले दिव्यांग कर्मचारी, खिलाड़ी, कलाकार तथा दत्तक अधिकारी को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी में आयोजित किया जाएगा, जहां सक्षम संस्था द्वारा संचालित शिविर कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लाभार्थियों को सहायक उपकरण दिए जाएंगे।

राज्य स्तरीय पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे

ठंड के दौरान लोगों की सुरक्षा और राहत की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान

जिलाधिकारी ने की शीतऋतु की तैयारियों की समीक्षा

- नागरिकों के लिए रैन बसेरा, कंबल, बिस्तर, भोजन व हीटर की पर्याप्त हो व्यवस्था

पायनियर समाचार सेवा। टिहरी

जनपद में आगामी शीतऋतु को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी टिहरी नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में जनपदीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ठंड के दौरान लोगों की सुरक्षा और राहत की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया गया।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी एसडीएम, तहसीलदार और ईओ नगर पालिका सुनिश्चित करें कि ठंड से प्रभावित नागरिकों के लिए रैन बसेरा, कंबल, बिस्तर, भोजन और हीटर की पर्याप्त व्यवस्था हो। उन्होंने कहा कि उपचार की आवश्यकता वाले व्यक्तियों को तत्काल मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराई जाए और मुख्य स्थलों पर अलाव की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि जनपद के 6 रैन बसेरों में उपलब्ध 66 बेड की फोटो तुरंत उपलब्ध कराई जाए और जहाँ जरूरत हो साइनेज शीघ्र लगाया जाए। इसके साथ ही आवारा पशुओं की देखभाल पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया।

जेसीबी की लोकेशन सूची तैयार करने के भी निर्देश

जिलाधिकारी ने डीएसओ मनोज डोभाल को निर्देशित किया कि स्नो-कवर्ड क्षेत्रों, विशेषकर कनाताल और धनोल्टी के आसपास, खाद्यान्न आपूर्ति सुचारू और बाधारहित रहे। डीडीएमओ को जनपद में तैनात जेसीबी की लोकेशन सूची तैयार करने के भी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने कहा कि प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट रहेगा और किसी भी कठिनाई या आपात स्थिति में तुरंत राहत कार्य सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि जनता को ठंड से होने वाली परेशानियों से बचाया जा सके।

गन्ना समर्थन मूल्य वृद्धि पर किसान मोर्चा अध्यक्ष ने जताया सीएम धामी का आभार

- खेती-किसानी से जुड़े सक्रिय कार्यकर्ताओं को दी जाएगी प्राथमिकता

पायनियर समाचार सेवा। हल्द्वानी

मंगलवार को भाजपा कार्यालय में किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह नेगी ने प्रेस वार्ता कर गन्ना किसानों के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी के फैसले पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि धामी सरकार किसानों के हित में ऐतिहासिक और प्रभावी फैसले ले रही है। प्रदेश अध्यक्ष नेगी ने जानकारी देते हुए बताया कि किसान मोर्चा लगातार किसानों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझ रहा है, और उसी क्रम में किसानों की प्रमुख समस्याओं को मुख्यमंत्री तक पहुंचाया गया है, जिन पर सरकार गंभीरता से काम कर रही है।

इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही किसान मोर्चा के जिला और मंडल स्तर पर नए गठन किए जाएंगे, जिसमें खेती-किसानी से जुड़े सक्रिय कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

पूर्व विधायक के बेटे ने मारपीट मामले में अपने बयान कराए दर्ज

- पूर्व मुख्य सचिव के बेटे से हुआ था विवाद

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

पूर्व विधायक और बीजेपी नेता कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन के बेटे दिव्य प्रताप सिंह ने पूर्व मुख्य सचिव के बेटे से मारपीट मामले में अपने बयान दर्ज कराए। दिव्य प्रताप सिंह ने पूर्व मुख्य सचिव के बेटे से मारपीट की घटना को नकारा है। दिव्य प्रताप सिंह का कहना है कि हॉर्न और हूटर बजाने के बावजूद उनकी कार को साइड नहीं दी गई थी, जिसके चलते विवाद हुआ था। दिव्य प्रताप ने स्पष्ट किया कि कार में बैठी सवारी से कोई मारपीट नहीं हुई है।

दरअसल, पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन के बेटे दिव्य प्रताप पर आरोप है कि उन्होंने 13 नवंबर की रात को देहरादून का राजपुर रोड पर पूर्व मुख्य सचिव एस रामास्वामी के बेटे आर यशोवर्धन से मारपीट की थी। यशोवर्धन का आरोप है कि वो अपनी कार से दिलाराम चौक से ओल्ड मसूरी रोड की तरफ अपने घर जा रहे थे। रास्ते में साइड न देने पर दिव्य प्रताप और उनकी मां के गनर कांस्टेबल राजेश सिंह ने उन्हें बुरी तरह पीटा। साथ ही उन्हें पिस्टल भी दिखाई गई।

इस मामले में यशोवर्धन ने देहरादून के राजपुर थाने में दिव्य प्रताप व गनर राजेश सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले के मीडिया में आने के बाद हरिद्वार पुलिस ने गनर यानी कांस्टेबल राजेश सिंह को सस्पेंड कर दिया था। साथ ही जिलाधिकारी हरिद्वार मयूर दीक्षित ने दिव्य प्रताप को मिले तीन असलहों के लाइसेंस निरस्त कर दिए थे। इसके बाद थाना राजपुर पुलिस ने आरोपी दिव्य प्रताप सिंह को 17 नवंबर को धारा 35 (3) बी एन एस एस के अंतर्गत अपने बयान दर्ज कराने के लिए तीन दिन का समय प्रदान किया गया था, लेकिन 17 नवंबर को दिव्य प्रताप सिंह पुलिस के सामने पेश नहीं हुए।

हालांकि उनके वकील ने थाना राजपुर पुलिस को बताया कि दिव्य प्रताप सिंह वर्तमान में मानव रचना स्पोर्ट्स साइंस सेंटर फरीदाबाद और के एस एस आर नई दिल्ली में इंटरनेशनल चैंपियनशिप के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल है, जो दिनांक 18 नवंबर से 30 नवंबर तक आयोजित है। साथ ही मानव रचना स्पोर्ट्स साइंस की तरफ से एसएसपी को संबोधित करते हुए 30 नवंबर तक का समय देने का अनुरोध पत्र विवेचक को दिया गया था।

नंदा गौरा योजना के लिए आवेदन अब 20 दिसंबर तक

नैनीताल। नंदा गौरा योजना के लिए अब 20 दिसंबर तक आवेदन किया जा सकता है। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या के निर्देश पर विभाग ने आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ाने का फैसला किया है। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि पहले इस योजना के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 30 नवंबर तय की गई थी। कन्या जन्म के आधार पर योजना का लाभ लेने और 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद इस योजना के तहत सहायता प्राप्त करने के लिए अभी तक 30000 से ज्यादा आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

जन मिलन कार्यक्रमों के दौरान प्रदेश में कई जगह लोगों ने बताया कि पात्र होने की बावजूद में विभिन्न वजहों से अभी तक इस योजना के लिए आवेदन नहीं कर पाए हैं। ऐसे लोगों को अवसर देने के लिए योजना के आवेदन की तारीख को 20 दिसंबर तक बढ़ाने का फैसला किया गया है।

अभी तक 30000 से ज्यादा आवेदन हो चुके हैं प्राप्त

उत्तराखंड पर्यटन विभाग का 15 दिवसीय टूर मैनेजर प्रशिक्षण संपन्न

पायनियर समाचार सेवा। ज्योतिर्मठ

ज्योतिर्मठ में पिछले 15 दिनों से संचालित टूर मैनेजर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह बड़े उत्साह और गरिमा के साथ आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण उत्तराखंड पर्यटन विभाग द्वारा प्रायोजित, टूरिज्म हॉस्पिटैलिटी स्किल काउंसिल के सहयोग से तथा विद्या सोसाइटी द्वारा सफलतापूर्वक संचालित किया गया।

सचिव पर्यटन धीराज सिंह गर्ब्याल के दिशा-निर्देशन में यह कार्यक्रम प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण पर्यटन प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। मुख्य अतिथि का संबोधन व प्रमाण पत्र वितरण समापन समारोह के मुख्य अतिथि जोशीमठ के ब्लॉक प्रमुख अनूप नेगी रहे। उन्होंने सभी प्रशिक्षित प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा आज का समय कौशल आधारित रोजगार का है। उत्तराखंड में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को न केवल रोजगार के नए अवसर प्रदान करते हैं, बल्कि उन्हें प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ बनने का अवसर भी देते हैं।

मसूरी विंटरलाइन कार्निवाल की तैयारियों को लेकर कैबिनेट मंत्री ने की समीक्षा बैठक

संबंधित विभागों को दिए गए दिशा-निर्देश

- व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष ध्यान दिया जाए

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मंगलवार को राजपुर रोड स्थित मंथन सभागार में मसूरी विंटर लाइन कार्निवाल की तैयारियों की समीक्षा बैठक ली। मसूरी में 24 से 29 दिसंबर तक आयोजित होने वाले इस भव्य कार्निवाल को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु मंत्री ने संबंधित विभागों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में विंटर लाइन कार्निवाल को आकर्षक और भव्य बनाने के लिए शोभा यात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, एडवेंचर स्पोर्ट्स, प्रतियोगिताएं, गोष्ठियां, पारंपरिक आयोजनों, फूड फेस्टिवल, मोटर बाइक रैली, मैराथन, नेचर वॉक, स्टार गेजिंग, हिस्ट्री वॉक तथा विन्टेज रैली जैसी गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

मंत्री ने अधिकारियों को सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा समयबद्ध तैयार कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि पहाड़ों की रानी मसूरी में कार्निवाल अवधि के दौरान आने वाले पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पार्किंग, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल-विद्युत आपूर्ति, अलाव व्यवस्था और सफाई जैसे सभी प्रबंध समय पर पूर्ण किए जाएं। उन्होंने स्थानीय कलाकारों और उत्तराखंड की संस्कृति को प्राथमिकता देते हुए सप्ताहभर चलने वाले कार्निवाल में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कराने पर जोर दिया। फूड फेस्टिवल के संबंध में मंत्री ने निर्देश दिए कि पहाड़ी व्यंजनों के साथ-साथ मिलेट्स आधारित खाद्य पदार्थ और उनसे बने उत्पादों को विशेष रूप से शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्निवाल प्रदेश की संस्कृति, परंपराओं और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण अवसर है, इसलिए इनके व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष ध्यान दिया जाए।

बैठक में जिलाधिकारी देहरादून सविन बसल, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया सहित जिला प्रशासन के अधिकारी एवं कार्निवाल समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नगर निगम में आयुक्त की तैनाती नहीं होने से विकास कार्य ठप

- 40 वार्डों के पार्षद को जनता के आक्रोश का करना पड़ रहा है सामना

पायनियर समाचार सेवा। अल्मोड़ा

उत्तराखंड सरकार के विकास के दावे अल्मोड़ा में फेल होते नजर आ रहे हैं। नगर पालिका को नगर निगम का दर्जा मिले एक वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक नगर आयुक्त की नियमित तैनाती नहीं हो पाई है। जिसकारण आयुक्त न होने पर नगर निगम के विकास कार्यों का पहिया लगभग थम सा गया है। केवल चार्ज व्यवस्था के सहारे निगम चलाए जाने से न तो बजट स्वीकृत हो पा रहा है और न ही स्थानीय समस्याओं का समय पर समाधान हो रहा है।

वहीं अब 40 वार्डों के पार्षद को जनता के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है। सड़क, सफाई, पेयजल, सीवर लाइन और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन स्थाई आयुक्त न होने के कारण फाइलें आगे नहीं बढ़ पा रहीं। स्थिति से खिन्न होकर पार्षदों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पार्षदों का कहना है कि जनता उनके ऊपर नाराज है, जबकि वे स्वयं भी बिना आयुक्त के कुछ करने में असहाय हैं। पार्षदों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार जल्द ही आयुक्त की तैनाती और अन्य जनहित मुद्दों का समाधान नहीं करती, तो वे धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। स्थानीय नागरिकों का भी यही कहना है कि नगर निगम बनने के बाद विकास तेज होने की उम्मीद थी, लेकिन प्रशासनिक पद खाली रहने से हालात और बिगड़ गए हैं।

एक लाख का इनामी पुलिस मुठभेड़ में ढेर

- बावरिया गिरोह का सरगना था मिथुन
- एसओजी का हेड कांस्टेबल घायल, थाना प्रभारी की जैकेट में लगी गोली
- एसपी ने मौके पर पहुंचकर ली घटना की जानकारी, एक कारबाइन व मेड इन इटली पिस्टल भी बरामद

पायनियर समाचार सेवा। शामली

एसओजी टीम व झिंझाना पुलिस ने पावटी खुर्द के जंगल में एक लाख के ईनामी कुख्यात बदमाश मिथुन को मुठभेड में मार गिराया। मुठभेड में जहां एसओजी का एक पुलिसकर्मी गोली लगने से घायल हो गया वहीं थाना प्रभारी झिंझाना की बुलेट प्रूफ जैकेट में भी गोली लगी, जिसमें वे बाल-बाल बच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। जानकारी के अनुसार वेदखेड़ी-मंसूरा मार्ग पर सोमवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में बावरिया गिरोह का सरगना तथा सवा लाख का इनामी मिथुन ढेर हो गया। उसका साथी राहुल अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहा। दोनों ओर से हुई फायरिंग में एसओजी के हेड कांस्टेबल हरविंदर गोली लगने से घायल हो गए, जबकि झिंझाना थाना प्रभारी वीरेंद्र कसाना की जैकेट में गोली लगकर निकल गई, जिससे वह बाल-बाल बच गए। सूचना पर एसपी एनपी सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि वेदखेड़ी-मंसूरा मार्ग पर बावरिया गिरोह के सदस्य किसी वारदात की तैयारी में हैं। इस पर झिंझाना पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सवा लाख का इनामी मिथुन ढेर हो गया, जबकि उसका साथी राहुल मौके से फरार हो गया। घायल हेड कांस्टेबल हरविंदर को ऊन सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। बदमाश के पास से एक कार्बाइन और मेड इन इटली पिस्टल बरामद हुई है। एसपी ने बताया कि मिथुन पर शामली से एक लाख और बागपत पुलिस की ओर से 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। कांवड़ यात्रा के दौरान उसने बागपत में महिला से लूट की वारदात को अंजाम दिया था, जिसके बाद से वह लगातार अपराध करता रहा।

कई राज्यों में टेरर फैलाने का आरोप

शामली। पुलिस के मुताबिक मिथुन पर पहला मुकदमा मारपीट का दर्ज हुआ था। इसके बाद वह दिल्ली, पंजाब, वेस्ट यूपी, तमिलनाडु और अन्य राज्यों में लगातार अपराध करता रहा। उसका मकसद कई राज्यों में अपना प्रभाव और खौफ फैलाना था।

कई राज्यों में बना रखे थे ठिकाने

शामली। जांच में सामने आया कि वारदात के बाद मिथुन पंजाब, साउथ दिल्ली, जयपुर तथा अन्य स्थानों पर शरण लेता था। वह शामली, बागपत, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर सहित कई जिलों में घटनाओं को अंजाम देता था।

तमिलनाडु में की थी लूट की वारदातें

शामली। एसपी के अनुसार मिथुन और उसके गिरोह के सदस्यों ने तमिलनाडु में भी कई लूट की घटनाओं को अंजाम दिया। वह वर्ष 2017 में झिंझाना में हुए भारत कुमार हत्याकांड में भी शामिल रहा था।

पांच हजार रुपये का चालान काटे जाने पर किसानों का हंगामा

- थाना प्रभारी ने मौके पर पहुंचकर किसानों को समझाया

पायनियर समाचार सेवा। नागल

गन्ना तौल क्रय केंद्र पर ट्रैक्टर बुग्गी से गन्ना ले जा रहे एक किसान के ट्रैक्टर पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं होने पर ए.आर.टी.ओ ने उसका पांच हजार रुपये का चालान करने पर ऐतराज जताते हुए किसानों ने हंगामा करते हुए नारेबाजी की। सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी राजकुमार चौहान ने किसानों को समझा बुझाकर कर शांत किया। ग्रामीणों का कहना था कि नांगल थाना क्षेत्र के गांव फतेहपुर कला का एक किसान अपनी ट्रैक्टर बुग्गी से करीब 20 कुंतल गन्ना लेकर गांव खजूरवाला के निकट स्टेट हाईवे किनारे शुगर मिल के तौल क्रय केंद्र पर जा रहा था। वह स्टेट हाईवे पर पहुंचा तो सामने से आ रहे परिवहन विभाग के ए.आर.टी.ओ ने उसके ट्रैक्टर की नंबर प्लेट को स्क्रैच करते हुए कहा कि तुम्हारा चालान काटा गया है। अगले दिन जब शाम के समय उसके मोबाइल नंबर पर पांच हजार रुपए का चालान काटे जाने का मैसेज आया। थाना प्रभारी राजकुमार चौहान ने बताया कि किसान के ट्रैक्टर बुग्गी का चालान संबंधी मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में डाला गया है।

पुलिस ने लगाए वाहनों पर रिफ्लेक्टर

नागल। थाना पुलिस ने एक अभियान के अंतर्गत गन्ना एवं अन्य माल ढुलाई ट्रैक्टर तालियां पर रिफ्लेक्टर लगाकर सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जागरूक किया। थाना प्रभारी राजकुमार चौहान ने बताया कि सर्दी के मौसम में कोहरा अधिक पड़ता है जिस कारण सड़क दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है इसलिए उच्च अधिकारियों के निर्देश पर रिफ्लेक्टर लगाए गए हैं।

एक नजर

अतिक्रमण के खिलाफ भाकियू टिकैत ने सौंपा ज्ञापन

नागल। भाकियू टिकैत के कार्यकर्ताओं ने कस्बे के बस अड्डे सहित अन्य जगह से अतिक्रमण हटवाने संबंधी ज्ञापन खंड विकास अधिकारी प्रभारी आई.ए.एस विनोद कुमार मीणा को सौंपा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रभारी बीडीओ को बताया कि कस्बे के बस अड्डे सहित रेलवे रोड तथा स्टेट हाईवे पर बनी दोनों और सर्विस रोड पर अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है जिससे आये दिन मारपीट की घटनाओं सहित सड़क दुर्घटनाएं हो रही है। ऐसे में इसे हटाया जाना जनहित में अति आवश्यक है। प्रभारी बीडीओ ने समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। ज्ञापन सौंपने के दौरान राकेश त्यागी, अभिमन्यु वालिया, बिजेंदर उर्फ काला, राव अशफाक, रामकुमार, भूपेंद्र त्यागी आदि मौजूद रहे।

डीआईजी ने सुनी जनता की फरियाद

सहारनपुर। शासन के निर्देशों के अनुपालन में मंगलवार को पुलिस उपमहानिरीक्षक, सहारनपुर परिक्षेत्र अभिषेक सिंह द्वारा परिक्षेत्र कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनसुनवाई के दौरान डीआईजी ने नागरिकों की शिकायतों एवं समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। इस अवसर पर सिंह ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि आमजन की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये । उन्होंने प्रत्येक शिकायत को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध रूप से निस्तारित करने तथा शिकायतकर्ताओं को प्रगति की जानकारी उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिये।

मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर घायल, पुलिस ने दबोचा

सहारनपुर। चिलकाना थाना प्रभारी विनोद कुमार ने मुठभेड़ के दौरान कुख्यात हिस्ट्रीशीटर गोली लगने के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया अभियुक्त तीन दर्जन से अधिक मुकदमों में वांछित है। पुलिस ने उसके कब्जे से बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल, तमंचा और कारतूस बरामद किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आशीष तिवारी के निर्देशन में अपराध नियंत्रण अभियान के तहत चिलकाना पुलिस ने एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल की है। थाना प्रभारी सुल्तानपुर से फिरोजाबाद जाने वाले मार्ग पर चेकिंग अभियान चला रहे थे। इसी दौरान सुल्तानपुर की ओर से बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर सवार एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा करने पर वह खेतों की ओर भागने लगा और अचानक पुलिस पर फायर झोंक दिया। पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की तो कुछ दूरी पर मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर फिसल गयी। गिरने के बाद आरोपी खेतों की ओर भागा, लेकिन पुलिस की जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लग गई जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने मौके पर ही उसे दबोच लिया। पकड़ा गया आरोपी दुमझेड़ा निवासी एजाज पुत्र बाबू, चिलकाना थाना क्षेत्र का सक्रिय हिस्ट्रीशीटर है। जिस पर तीन दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल, अवैध तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद किया है।

भूड़ रजवाहा की पटरी चौथे दिन भी जस की तस, 14 दिन में चौथी बार टूटा किनारा

खतौली। भूड़ रजवाहा की टूटी पटरी को टूटे हुए चार दिन बीत चुके हैं, लेकिन सिंचाई विभाग का कोई अधिकारी अब तक मौके पर नहीं पहुंचा है। लगातार हो रही टूट-फूट ने ग्रामीणों की परेशानी कई गुना बढ़ा दी है। ताजा मामले में शुक्रवार देर रात पटरी के धंसने से पानी सीधे कॉलोनी के घरों में घुस गया, जिससे दर्जनों परिवारों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। ग्रामीणों के मुताबिक, पिछले 14 दिनों में रजवाहा का किनारा चार बार टूट चुका है, लेकिन विभाग सिर्फ खानापूर्ति कर रहा है। बस्ती में बार-बार पानी घुसने से कई घरों की दीवारों में दरारें पड़ गई हैं और नींव कमजोर होने लगी है। लोग आशंकित हैं कि यदि पटरी को मजबूत तरीके से नहीं सुधारा गया, तो किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने सिंचाई विभाग पर आरोप लगाया कि रजवाहा की सफाई के दौरान जेसीबी का इस्तेमाल बिना सावधानी किया जाता है, जिससे सीमेंटेड पटरी कई जगहों से क्षतिग्रस्त हो जाती है। जहां-जहां पटरी टूटती है, वहीं से पानी रिसता रहता है और कुछ ही दिनों में किनारा धंसने लगता है। शुक्रवार रात हुए टूट-फूट के बाद पानी घरों, आंगनों और दुकानों तक में घुस गया। महिलाओं को भारी दिक्कतें झेलनी पड़ीं और छोटे बच्चों का घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया।

एसआईआर फॉर्म में लापरवाही पर एसडीएम का सख्त रुख

- टीचर्स कॉलोनी में अचानक निरीक्षण, बीएलओ को लगाई कड़ी फटकार
- कहा, काम में ढिलाई बिल्कुल बर्दाश्त नहीं

पायनियर समाचार सेवा। कैराना

नगर में चल रहे एसआईआर अभियान की धीमी प्रगति पर एसडीएम कैराना निधि भारद्वाज ने नाराजगी जताई है। मंगलवार दोपहर उन्होंने अचानक मोहल्ला आलकला स्थित टीचर्स कॉलोनी पहुंचकर एसआईआर फॉर्म भरने और जमा कराने की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। मौके पर कार्य में ढिलाई पाए जाने पर एसडीएम ने संबंधित बीएलओ को कड़ी फटकार लगाई और तुरंत सुधार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने कॉल कर बीएलओ से एसआईआर फॉर्मों की संख्या, लंबित फॉर्म और प्रगति रिपोर्ट की जानकारी ली। बताया जाता है कि बीएलओ द्वारा अपेक्षित कार्य गति न दिखाने पर एसडीएम ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह कार्य अत्यंत प्राथमिकता वाला है और किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। एसडीएम ने निर्देश दिया कि सभी लंबित एसआईआर फॉर्म जल्द से जल्द भरकर निर्धारित समय सीमा में जमा किए जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप मतदाता सूची के अद्यतन कार्य को समय से पूरा किया जाना जरूरी है, ताकि आगामी प्रक्रियाएं बाधित न हों। उन्होंने बीएलओ को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कार्य में ढिलाई जारी रही, तो विभागीय कार्रवाई भी की जा सकती है। एसडीएम के अचानक निरीक्षण से क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति बन गई। कई स्थानीय निवासियों ने बताया कि एसआईआर फॉर्म कार्य में सुधार के लिए यह कदम आवश्यक था, क्योंकि कुछ क्षेत्रों में प्रक्रिया काफी धीमी चल रही थी।

गंगोह बस स्टैंड के निकट से बरामद हुआ लापता छात्र

शामली। सोमवार को घर से लापता हुआ एक 14 वर्षीय छात्र मंगलवार को गंगोह बस स्टैंड के पास से बरामद हो गया। परिजनों ने गढीपुख्ता थाने पर छात्र की गुमशुदगी की तहरीर भी दी थी। छात्र स्कूल में शिक्षक द्वारा डांटने से क्षुब्ध होकर घर से निकल गया था। परिजनों ने छात्र के बरामद होने की सूचना पुलिस को भी दे दी है। जानकारी के अनुसार गढीपुख्ता क्षेत्र के गांव गढी अब्दुल्ला खां निवासी सतपाल सैनी का 14 वर्षीय पुत्र आरव सैनी थानाभवन के एक स्कूल में कक्षा 9 में पढता है। सोमवार को आरव सैनी संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गया था। छात्र जब देर शाम तक घर नहीं पहुंचा तो परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने छात्र की काफी तलाश की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। देर शाम परिजनों ने गढीपुख्ता थाने पर छात्र की गुमशुदगी की तहरीर भी दी तथा खुद भी छात्र की तलाश में जुटे रहे। मंगलवार को परिजनों को लापता छात्र आरव गंगोह बस स्टैंड के निकट से बरामद हो गया।

पुलिस ने दुष्कर्म का आरोपी किया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। बेहट

कोतवाली पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को मुखबिर की सूचना पर सहारनपुर रोडवेज बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार किया है। मंगलवार को कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक दुष्कर्म का आरोपी कहीं बाहर भागने की फिराक में है। सूचना मिलने के बाद कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतपाल सिंह राठी ने उसका पीछा करते हुए सहारनपुर रोडवेज बस स्टैंड पर पहुंचकर एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए व्यक्ति से पूछताछ के दौरान अपना नाम ऋतिक पुत्र कुलदीप उर्फ नीटू निवासी ग्राम कम्बोह मजरा थाना बेहट जनपद सहारनपुर बताया। पुलिस ने आरोपी को कब्जे में लेकर सक्षम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया है।

नहीं जागा विकास प्राधिकरण, अवैध प्लाटिंग बेखौफ जारी

- सांठ गांठ की जड़ों में दबा सिस्टम, सरकार को हो रही करोड़ों की राजस्व हानि

पायनियर समाचार सेवा। शामली

कैराना कस्बे में अवैध प्लाटिंग का खेल धड़ल्ले से जारी है। लक्ष्मी की चमक और गहरे गठजोड़ के आगे मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। विभाग की अनदेखी का फायदा उठाकर कालोनाइजर खुलेआम कानून को ठेंगा दिखा रहे हैं और शासन-प्रशासन को खुली चुनौती दे रहे हैं। कस्बे में प्राधिकरण और कालोनाइजरों के बीच गठजोड़ की जड़ें इतनी गहरी दिखाई देती हैं कि बिना मानचित्र स्वीकृति के कॉलोनियां खड़ी कर दी जाती हैं। हैरानी की बात यह है कि इन अवैध कॉलोनियों में कालोनाइजर बिजली, सड़क व अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने का दावा करते नहीं थकते। लोगों को बिजली विभाग से पोल प्राप्त करने के लिए कई-कई चक्कर लगाने पड़ते हैं, जबकि प्रॉपर्टी डीलरों को दर्जनों पोल तक आसानी से उपलब्ध करा दिए जाते हैं। उस समय विभाग यह जांचने की जरूरत भी नहीं समझता कि पोल कहां लगाए जाएंगे और क्या संबंधित स्थान का अनुमोदित एस्टीमेट मौजूद है या नहीं।कई कॉलोनियों के मुख्य द्वार इस तरह से तैयार किए जाते हैं कि पहली नजर में स्वीकृत कॉलोनी होने का भ्रम पैदा हो, जबकि हकीकत इसके बिल्कुल उलट होती है। मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण की स्थिति ऐसी है कि एक के बाद एक अवैध कॉलोनी बन रही है और विभाग नोटिस जारी कर खानापूर्ति कर देता है।

कैराना के राजमिस्त्री की पानीपत सड़क हादसे में मौत

कैराना। अपने पिता के साथ हरियाणा में राजमिस्त्री का कार्य कर रहे युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद मृतक युवक का शव कैराना पहुंचा। जिसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक को निकट स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए- खाक क्रंडिया गया है।

मोहल्ला दरबार खुर्द निवासी वासिल उर्फ लाला पुत्र शकील अपने पिता के साथ हरियाणा के कस्बा समालखा के गाँव नराणां में राजमिस्त्री का कार्य करने के लिए गया था। वासिल अपनी बाइक लेकर कुछ सामान लेने के लिए निकला था, जैसे ही वह हाइवे पर स्थित गाँव शिवागढ़ी के निकट पहुंचा तो विपरीत दिशा से आ रही बाइक से उसकी भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों बाइकों पर सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कैराना निवासी वासिल की दर्दनाक मौत हो गई, वही दूसरी बाइक पर सवार बिहार निवासी युवक की भी उपचार के दौरान मौत हो गई।

खतौली में दनादन एक्शनः पटाखा साइलेंसर वालों की खैर नहीं

- दो दिन में 66,707 रुपये के चालान, कई बुलेट सीज

पायनियर समाचार सेवा। खतौली

कस्बे में दिनझरात गूंजने वाली बुलेट मोटर साइकिल की धमाधम अब महंगी पड़ रही है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद खतौली पुलिस ने पटाखा साइलेंसर लगाने वालों पर ऐसा शिकंजा कसा कि दो दिन में ही माहौल बदल गया। कोतवाल दिनेश चंद्र बघेल के निर्देशन में सोमवार और मंगलवार को विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें तेज धमाका करने वाले अवैध साइलेंसरों पर सख्त कार्रवाई की गई।

पुलिस टीम ने जीटी रोड से लेकर कस्बे के अंदरूनी मोहल्लों तक जगह-जगह चेकिंग प्वाइंट लगाए। इस दौरान कई बुलेट चालक पटाका साउंड वाली बाइक लेकर पकड़े गए। नियम उल्लंघन पर दो दिनों में कुल 66,707 रुपये के चालान काटकर सभी बुलेट सीज कर दी गईं। अभियान के पहले दिन पुलिस ने अंतवाड़ा निवासी दीपांशु पुत्र मनवीर को उसकी बुलेट डीएल 7 एससी ई 1261 में जोरदार धमाका करने वाला साइलेंसर लगाकर घूमते हुए पकड़ा। आवाज इतनी तेज थी कि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बाइक सीज कर 20,707 रुपये का चालान ठोंक दिया।

अगले दिन जानसठ तिराहे पर चेकिंग के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़े आशुतोष पुत्र जितेंद्र निवासी बुआड़ा, जिसकी बुलेट यूपी 15 सीवी 9717 भी पटाखा छोड़ने वाला साइलेंसर लगाए हुए थी। जांच में पुष्टि के बाद बाइक सीज की गई और 16,000 रुपये का चालान किया गया। कोतवाल बघेल ने साफ कहा कि तेज आवाज वाली बुलेटों की शिकायतें लगातार बढ़ रही थीं, जो लोगों के लिए परेशानी और दुर्घटना का कारण बन रही थीं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा अनाधिकृत साइलेंसर लगाने वालों पर कार्रवाई जारी रहेगी। दोबारा पकड़े जाने पर वाहन का रजिस्ट्रेशन निलंबित किया जाएगा।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विश्वविद्यालय का चतुर्थ स्थापना दिवस

नवोन्मेषी सोच और कौशल से होगा विकास

- हवन यज्ञ की मुख्य यजमान रहीं कुलपति तो जिलाधिकारी और महापौर ने किया वृक्षारोपण
- कार्यक्रम का नगर आयुक्त और मुख्य विकास अधिकारी ने किया शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। सहारनपुर

माँ शाकुंभरी विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय का चतुर्थ स्थापना दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विधि-विधान के साथ आयोजित हवन-यज्ञ के साथ हुआ। इस यज्ञ में कुलपति महोदया मुख्य यजमान रहीं। उनके साथ कुलसचिव कमल कृष्ण, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजीव कुमार तथा उपकुलसचिव अनुप कुमार रहे। हवन के पश्चात विश्वविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन महापौर डॉ. अजय कुमार ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का सबसे बड़ा और पवित्र माध्यम है। उन्होंने युवाओं को अधिक संख्या में रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। रक्तदान शिविर के बाद विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें महापौर डॉ. अजय कुमार एवं जिलाधिकारी मनीष बंसल ने संयुक्त रूप से पौधारोपण किया। दोनों अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण को जीवन का अनिवार्य हिस्सा बताते हुए विद्यार्थियों को हरित मिशन में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया। इसके साथ ही जिलाधिकारी मनीष बंसल ने विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इनोवेशन मेले का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने विभिन्न स्टार्टअप मॉडलों, नवाचार परियोजनाओं तथा विद्यार्थियों द्वारा निर्मित वैज्ञानिक प्रदर्शनों का अवलोकन किया। विद्यार्थियों की नवोन्मेषी सोच, ऊर्जा और तकनीकी कौशल की प्रशंसा करते हुए जिलाधिकारी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। दोपहर बाद आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम मुख्य आकर्षण रहा। इस अवसर पर नगर आयुक्त शिपु गिरि और मुख्य विकास अधिकारी सुमित महाजन ने कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन से किया। मंच पर स्पर्श दिव्यांग विद्यालय तथा नेत्रहीन विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक, भावपूर्ण और प्रेरणादायी प्रस्तुतियों से सभी का हृदय जीत लिया।

ट्रेडिंग के नाम पर 65 लाख की ठगी वाला साइबर ठग दबोचा

- एसपी क्राइम के निर्देशन में साइबर थाना पुलिस को बड़ी सफलता, आरोपी पर 17 शिकायतें हैं दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। मुजफ्फरनगर

साइबर अपराधों पर नकेल कसते हुए साइबर थाना पुलिस ने ट्रेडिंग के नाम पर लाखों रुपये हड़पने वाले शातिर ठग को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले एक वर्ष से पुलिस को लगातार चकमा दे रहा था। पुलिस ने उसके बैंक खाते में 15 लाख रुपये की धनराशि भी ट्रेस की है। आरोपी पर तकरीबन 17 मामले दर्ज बताए गए हैं। एसपी क्राइम इंदू सिद्धार्थ ने बताया कि मुजफ्फरनगर के एक व्यापारी को टेलीग्राम ग्रुप में जोड़कर ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 65 लाख रुपये की ठगी की गई थी। पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया और साइबर थाना पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। इंस्पेक्टर सुल्तान सिंह, निरीक्षक प्रदीप कुमार तथा उपनिरीक्षक गौरव चौहान के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई, जिसने कई दिनों की मेहनत के बाद आरोपी नसीबूदीन पुत्र किताब सिंह निवासी हांसी, हरियाणा को गिरफ्तार कर लिया।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 3 दिसंबर 2025

योगी सरकार का बड़ा फैसला, हर मंडल में दिव्यांग पुनर्वास केंद्र

कैबिनेट फैसले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में दिव्यांगजनों के लिए एक अहम निर्णय लिया गया। सरकार ने राज्य के सभी 18 मंडलों में नए जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) खोलने को मंजूरी दे दी है। वर्तमान में प्रदेश के 38 जिलों में ऐसे केंद्र चल रहे हैं, लेकिन कतिपय समस्याओं के कारण कई जगह संचालन प्रभावित हो रहा था। अब सरकार पूरे ढांचे को नए सिरे से संसाधनों से लैस करते हुए संचालित करने जा रही है, ताकि दिव्यांगजनों को मिलने वाली सेवाओं में कोई बाधा न आए। कैबिनेट के फैसले के बारे में जानकारी देते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि नए डीडीआरसी खुलने से प्रदेश में दिव्यांगजनों को एक ही जगह पर सर्वे, पहचान, शिविर, सहायक उपकरण, कृत्रिम अंग फिटमेंट और प्रशिक्षण जैसी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी जैसी नैदानिक सेवाएं भी इन केंद्रों पर दी जाएंगी। यूडीआईडी कार्ड और दिव्यांग प्रमाणपत्र जैसे जरूरी दस्तावेज बनवाने में भी अब लोगों को ज्यादा चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। सरकार का मानना है कि इस फैसले से दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ समय पर और सुगमता से मिल सकेगा तथा उनके पुनर्वास की पूरी प्रक्रिया मजबूत होगी।

चंदौली-सकलडीहा-सैदपुर मार्ग अब होगा चार लेन

लखनऊ। चंदौली-सकलडीहा-सैदपुर मार्ग अब चार लेन का होगा। चार लेन के इस राज्य मार्ग की लंबाई तकरीब 30 किलोमीटर होगी। इसमें 491.47 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। चंदौली जिला में चंदौली-सकलडीहा-सैदपुर मार्ग चंदौली जिले को गाजीपुर से जोड़ने वाला अहम मार्ग है। यह मार्ग गाजीपुर, जौनपुर, आजमढ़ और बलिया जाने के लिए वाराणसी शहर के बाईपास के रूप में इस्तेमाल होता है। यह रास्ता चार लेन चौड़ा होने से यातायात सुगम होगा। इससे क्षेत्र का सर्वांगीण विकास होगा।

अयोध्या में मंदिर संग्रहालय का दायरा बढ़ा, टाटा सन्स को मिला जिम्मा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि पूर्व में प्रदेश सरकार ने अयोध्या के मांझा जमथरा गांव में 25 एकड़ नजूल भूमि टाटा सन्स को 90 वर्षों के लिए उपलब्ध कराने की अनुमति दी थी, लेकिन टाटा संस ने संग्रहालय की भव्यता के दृष्टिगत अधिक भूमि की अपेक्षा की थी। ऐसे में अब इस भूमि के अतिरिक्त 27.102 एकड़ और मिलाकर कुल 52.102 एकड़ भूमि का निःशुल्क हस्तांतरण आवास एवं शहरी नियोजन विभाग से पर्यटन विभाग के पक्ष में किया जाएगा, ताकि परियोजना का दायरा और बड़ा किया जा सके।

योगी सरकार ने अयोध्या को विश्व स्तर पर एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। कैबिनेट ने टाटा सन्स के सहयोग से अयोध्या में प्रस्तावित विश्व स्तरीय 'मंदिर संग्रहालय' का दायरा और बड़ा कर दिया है। कैबिनेट में हुई चर्चा और उसके आधार पर लिए गये निर्णय के बारे में जानकारी देते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि टाटा संस ने अपने सीएसआर फंड से एक अत्याधुनिक मंदिर संग्रहालय विकसित करने और उसका संचालन करने की इच्छा व्यक्त की है। इसके लिए कम्पनी एक्ट 2013 की धारा 8 के तहत एक गैर-लाभकारी एसपीवी बनाया जाएगा, जिसमें भारत सरकार और राज्य सरकार के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। परियोजना के लिए भूमि आवंटन के लिए भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और टाटा सन्स के बीच त्रिपक्षीय एम्ओयू बीते 3 सितंबर 2024 को हस्ताक्षरित हो चुका है। वर्ल्ड-क्लास मंदिर संग्रहालय तैयार होने के बाद अयोध्या को न सिर्फ एक नया सांस्कृतिक पहचान चिन्ह मिलेगा, बल्कि बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार भी पैदा होंगे। साथ ही, बढ़ते पर्यटन से सरकार को राजस्व में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी भी होगी। बता दें कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा और अब ध्वजारोहण समारोह के बाद अयोध्या में पर्यटकों का प्रवाह कई गुना बढ़ चुका हैअब रोजाना लगभग 2 से 4 लाख पर्यटक अयोध्याधाम पहुंच रहे हैं।

खिलाड़ियों को बड़ी राहत, योगी सरकार ने 'ड्यूटी' मानने का नियम साफ किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को बड़ी राहत देते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अब वे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं, ट्रेनिंग कैंपों और संबंधित गतिविधियों में शामिल होने की पूरी अवधि, आवागमन के समय सहित 'ड्यूटी' मानी जाएगी। योगी कैबिनेट के इस फैसले से खिलाड़ियों को अनुमति लेने में होने वाली मुश्किलें खत्म होंगी।

कैबिनेट की बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अब तक 'अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली-2022' में ऐसी कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं थी। सेवा नियमावली में अवकाश संबंधी प्रावधान न होने के कारण खिलाड़ियों को प्रतियोगिताओं और प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेने के लिए अनुमति प्रक्रिया में दिक्कतें आती थीं। उन्होंने कहा कि अब सरकार नई प्रणाली लागू कर रही है, जिसमें साफ व्यवस्था होगी कि नियुक्त खिलाड़ी जब भी किसी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता, कैंप या प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लें, वह अवधि सेवा अवधि (ड्यूटी) मानी जाएगी। इसमें आने-जाने का पूरा समय भी शामिल होगा। इससे न केवल खिलाड़ियों को अपने खेल करियर में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा, बल्कि राज्य का प्रतिनिधित्व भी और मजबूत होगा, क्योंकि अब उन्हें अनुमति लेने में कोई बाधा नहीं आएगी।

वाराणसी के सम्पूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम का संचालन अब साई को

लखनऊ। योगी कैबिनेट ने वाराणसी में निर्माणाधीन डॉ. सम्पूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिगरा के संचालन, प्रबंधन और रखरखाव तथा राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए 'भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के साथ हुए एमओयू को मंजूरी दे दी है। यह वही स्टेडियम है, जहां 'खेलो इंडिया' योजना के तहत आधुनिक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया गया है। एमओयू के तहत स्टेडियम परिसर में मौजूद खेल सुविधाओं, जैसे, भवन, ढांचे, मैदान और अन्य अवसंरचनाओं को साई को सौंपा जाएगा, ताकि यहां नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना और संचालन सुचारु रूप से हो सके। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बनने के बाद प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों को बड़ा मंच मिलेगा। सरकार का मानना है कि इस पहल से खिलाड़ियों के सामने भविष्य में रोजगार और खेल करियर दोनों की संभावनाएं बढ़ेंगी, साथ ही वाराणसी देश के प्रमुख खेल केंद्रों में से एक के रूप में उभरकर सामने आएगा।

कानपुर और बरेली में की पेयजल व्यवस्था विश्वसनीय और आधुनिक होगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ। राज्य सरकार अमृत-दो में कानपुर और बरेली में 580 करोड़ रुपये से पेयजल परियोजनाओं का काम कराएगी। परियोजना के पूरा होने पर बरेली में लगभग 92 प्रतिशत आबादी, यानी करीब 9 लाख लोगों को नियमित और सुरक्षित पेयजल आपूर्ति की सुविधा मिलेगी। दोनों परियोजनाओं से उत्तर प्रदेश के दो बड़े नगरों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था अधिक विश्वसनीय और आधुनिक होगी। सरकार का मानना है कि अमृत 2.0 के तहत ये निवेश शहरी बुनियादी ढांचे को नई मजबूती देंगे और करोड़ों लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाएंगे। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना के मुताबिक कानपुर ईस्ट और साउथ सर्विस डिस्ट्रिक्ट में 316.78 करोड़ की लागत से पेयजल पाइप लाइन योजना का विस्तार किया जाएगा। इससे कानपुर नगर निगम क्षेत्र के ईस्ट और साउथ सर्विस डिस्ट्रिक्ट में 100 प्रतिशत आबादी तक शुद्ध पेयजल मिलने का रास्ता साफ हो जाएगा। इस परियोजना पर खर्च होने वाली राशि में केंद्र सरकार 76.10 करोड़ रुपये, राज्य सरकार का 182.64 करोड़ रुपये और नगर निगम 45.66 करोड़ रुपये देगा। परियोजना से कानपुर शहर के 33 वार्डों को सीधा लाभ मिलेगा और ईस्ट-साउथ जोन की पूरी आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा। पेयजल परियोजना से प्रदूषित जल से होने वाली बीमारी में कमी आएगी और लोगों को राहत मिलेगी। बरेली में 265 करोड़ रुपये से पेयजल योजना बरेली नगर निगम में पेयजल प्रणाली को नए सिरे से विकसित करने के लिए फेज-1 पुनर्गठन परियोजना को व्यय वित्त समिति ने मंजूरी दे रखी है। उसने 265.95 करोड़ रुपये की लागत से काम कराने की मंजूरी दी है। इसके आधार पर कैबिनेट से प्रस्ताव मंजूरी के लिए रखा गया। इस परियोजना पर खर्च होने वाली राशि में केंद्र सरकार 85.30 करोड़, राज्य सरकार 145.04 करोड़ रुपये और नगर निगम 25.59 करोड़ रुपये देगा।

70.885 हेक्टेअर भूमि पर विकसित होगा अंतर्राष्ट्रीय योग एवं आरोग्य केंद्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने जनपद बागपत के ग्राम हरिया खेड़ा, तहसील-बागपत स्थित 70.885 हेक्टेयर भूमि पर एक अंतर्राष्ट्रीय योग एवं आरोग्य केंद्र विकसित करने का फैसला किया है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यह परियोजना सार्वजनिक-निजी सहभागिता (पीपीपी) मोड के माध्यम से विकसित और संचालित की जाएगी। यह केंद्र योग, प्राकृतिक उपचार और वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार का लक्ष्य अयोध्या को विश्वस्तरीय सुविधाओं के आधार पर संस्कृति और आस्था के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने बताया कि नई भर्ती नियमावली और अंतरराष्ट्रीय योग एवं वेलनेस सेंटर के जरिए पर्यटन सेवाएं अधिक दक्ष, जवाबदेह और जन-उन्मुख बन सकेंगी।

नई पर्यटन सेवा नियमावली को मंजूरी, सीधी भर्ती व पदोन्नति से भरे जायेंगे पद

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने पर्यटन विभाग में संरचनात्मक सुधार की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। विभाग में व्यापक संरचनात्मक सुधार करते हुए उत्तर प्रदेश अधीनस्थ पर्यटन सेवा नियमावली-2025 का प्रख्यापन किया गया है। नई नियमावली के तहत पर्यटन अधीनस्थ सेवा सम्वर्ग में प्रकाशन अधिकारी, अपर जिला पर्यटन अधिकारी तथा पर्यटन सूचना अधिकारी के पद अब सीधी भर्ती तथा पदोन्नति दोनों माध्यमों से भरे जाएंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि नई नियमावली के लागू होने से पूर्व के सभी नियम, आदेश तथा दिशा-निर्देश अवक्रमित हो गए हैं। विभाग के अनुसार, प्रकाशन अधिकारी के पदों के लिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा जबकि पर्यटन सूचना अधिकारी के पदों की भर्ती उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के द्वारा की जाएगी। नई व्यवस्था से चयन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी व प्रतिस्पर्धात्मक होने की उम्मीद है। प्रमुख सचिव पर्यटन, अमृत अभिजात ने कहा कि यह नियमावली पर्यटन विभाग में एक समन्वित, सक्षम व आधुनिक सेवा संरचना सुनिश्चित करेगी।

सीएम डॉ. आंबेडकर परिनिर्वाण दिवस में होंगे शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आगामी 6 दिसम्बर को डॉ. आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित विशेष श्रद्धांजलि सभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भाग लेगें। उक्त आयोजन डॉ. आंबेडकर महासभा कार्यालय परिसर में आयोजित किया जा रहा है। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता डॉ. भीमराव आंबेडकर महासभा ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं सदस्य, विधान परिषद डा. लालजी प्रसाद निर्मल द्वारा की जाएगी। डॉ. आंबेडकर महासभा के महामंत्री अमरनाथ प्रजापति ने बताया है कि प्रातः काल 9.30 बजे बौद्ध भिक्षुओं द्वारा अस्थि कलश कक्ष में बुद्ध बन्दना एवं त्रिशरण पंचशील का पाठ किया जाएगा। इसके पश्चात आए हुए श्रद्धालुओं द्वारा आंबेडकर के अस्थिकलश पर पुष्प अर्पित किया जाएगा। श्रद्धांजलि सभा में मुख्यमंत्री के अतिरिक्त उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, मंत्री जयबीर सिंह, मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह सहित आंबेडकर दर्शन के विद्वान श्रद्धांजलि सभा को सम्बोधित करेंगे।

नहरों में रोस्टर के हिसाब से उपलब्ध हो पानी: स्वतंत्र देव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों को सिंचाई के लिए समय से पर्याप्त मात्रा में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं, इसमें किसी भी प्रकार के लापरवाही नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में नहरों में टेल तक अनिवार्य रूप से पानी की पहुंच सुनिश्चित कराई जाए। उपरोक्त कार्यो में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ सख़्त कार्रवाई की जाएगी।

सिंह ने यह निर्देश मंगलवार को यहां उदयगंज स्थित सिंचाई विभाग के मुख्यालय स्थित सभागार में विभागीय उच्च अधिकारियों के साथ आयोजित केन बेतवा लिंक परियोजना एवं उत्तर प्रदेश इरिगेशन एवं ड्रेनेज बिल 2024 से संबंधित प्रस्तुतीकरण के अवसर पर दिया। जल शक्ति मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि नहरों में रोस्टर के हिसाब से पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं, रोस्टर के हिसाब से पानी उपलब्ध ना कराए जाने की स्थिति में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर उन्होंने निर्देश दिया कि विभाग में अवर अभियंता, सहायक अभियंता, अधिशासी अभियंता, अधीक्षण अभियंता एवं मुख्य अभियंता के पद पर प्रोन्नति पाने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पोस्टिंग देने से पहले अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण कराया जाए, प्रशिक्षण के उपरांत ही उन्हें पोस्टिंग दी जाए। समीक्षा बैठक के दौरान (उत्तरी भारत नहर व ड्रेनेज अधिनियम 1873) जो की अंग्रेजों के जमाने में बनाया गया था को समाप्त कर नए अधिनियम उत्तर प्रदेश सिंचाई एवं ड्रेनेज अधिनियम 2024 पर व्यापक विचार विमर्श किया गया।

कैसरबाग चौराहे पर घंटों जाम में कुछ इस तरहल फंसे रहे यात्री फोटो-बलराम

मत्स्य पालकों के बनवाएं जाएं किसान क्रेडिट कार्ड

❖ मत्स्य पालकों के हित में संचालित योजनाओं का व्यापक तरीके से प्रचार-प्रसार कराया जाए : निषाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा है कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को नियमानुसार यथाशीघ्र धनराशि का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। योजनाओं का लाभ देने के लिए मत्स्य पालकों के अधिक से अधिक क्रेडिट कार्ड बनवाये जाए। जनपदीय अधिकारी राजस्व विभाग के अधिकारियों से समन्वय कर ग्राम सभा के अवशेष तालाबों का शत-प्रतिशत पट्टा कराया जाना सुनिश्चित करें। मंडल और जनपदीय स्तर पर रिवर रैंचिंग कार्यक्रमों को यथाशीघ्र पूर्ण कराया जाए। मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने मंगलवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मत्स्य पालक कल्याण कोष का भुगतान ससमय किया जाए और मत्स्य पालकों के हित में संचालित योजनाओं का व्यापक तरीके से प्रचार-प्रसार कराया जाए। मत्स्य दुर्घटना बीमा योजना की व्यापक समीक्षा करते हुए मंत्री ने योजना से अधिक से अधिक मत्स्य पालकों को आच्छादित किये जाने के निर्देश दिए।

33 जिलों में नहीं हुआ अलावा जलाने के स्थलों का चिन्हीकरण

❖ राहत आयुक्त नाराज, सख्त निर्देश 24 घंटे में की जाए फीडिंग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

40 जिलों ने रैन बसेरों के लिए कुल 278 स्थलों को चिन्हित कर लिया, शेष 35 जिलों में रैन बसेरों के लिए स्थलों का चिन्हांकन, जिओ-टैगिंग एवं पोर्टल पर फीडिंग की कार्यवाही अभी तक पूर्ण नहीं हुयी है। 42 जिलों में अलाव जलाने के लिए 1517 स्थलों को चिन्हित कर लिया गया है। 33 जिलों में अलाव जलाने के लिए स्थलों का चिन्हांकन तथा जिओ-टैगिंग एवं पोर्टल पर फीडिंग की कार्यवाही लम्बित होने पर राहत आयुक्त ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए 24 घंटे के अंदर स्थलों का चिन्हांकन करते हुए पोर्टल पर फीड कराने का निर्देश दिया।

सचिव राजस्व एवं राहत आयुक्त डा. हृषिकेश भास्कर याशोद मंगलवार को प्रदेश के समस्त जिलों के अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के साथ प्रदेश के जिलों में हो रहे राहत एवं आपदा प्रबंधन के कार्यों के प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कम्बल क्रय, अलाव, रैनबसेरों की अद्यतन स्थिति जानी तथा शीतलहर से आमजन को सुरक्षित रखने के सभी आवश्यक प्रबंध अविलम्ब करने के निर्देश दिये। डा. हृषिकेश भास्कर याशोद ने शीतलहरी से बचाव के लिए समस्त जिलों में कंबल क्रय, अलाव तथा रैनबैसेरों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए इससे संबंधित सूचनाओं को राहत आयुक्त कार्यालय के पोर्टल पर फीड कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पोर्टल द्वारा कम्बल वितरण, रैन बसेरों तथा अलाव की रियल टाइम मॉनीटरिंग के लिए राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा एक एप विकसित किया गया है। जिसमें प्रत्येक दशा में डेटा अपलोड किया जाना आवश्यक है। इसमें किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। राहत आयुक्त ने प्रत्येक रैन बसेरा में पर्याप्त रोशनी, साफ-सफाई, पेयजल, अलाव, कंबल तथा ठण्ड से बचने का पूरा प्रबंध करने का निर्देश दिया।

महिला परिजनों को मिला प्रमाण पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी में आयोजित विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम में पुलिस कर्मियों की महिला परिजनों को जागरूक करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से रिज़र्व पुलिस लाइन्स में जागरूकता एवं कौशल प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार के जन शिक्षण संस्थान तथा रिज़र्व पुलिस लाइन्स कमिश्नरेट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर असिस्टेंट ड्रेस मेकर एवं दर्जी एडवांस्ड प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकीं 40 महिला परिजनों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में एचआईवी-एड्स से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा करते हुए महिलाओं को जागरूक किया गया कि ह्यूमन इम्यूनियोडिफिशिएंसी वायरस शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर प्रभाव डालता है और इलाज न होने पर यह संक्रमण एड्स के गंभीर चरण में बदल जाता है। असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई का उपयोग, संक्रमित व्यक्ति के रक्त का चढ़ाना तथा गर्भवती से शिशु तक संक्रमण इसका प्रमुख कारण बताया गया। प्रतिसार निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने कहा कि महिलाएं विकसित भारत की धुरी हैं। उन्हें सजग रहते हुए अपने स्वास्थ्य एवं सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक रहना चाहिए।

कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं।

इंग्लैंड की संसद की परिचर्चा से गोमती को जानने को उत्सुक हुए अंग्रेज

इससे पहले भी गोमती के संरक्षण हेतु कर चुकीं हैं 1008 किमी लंबी नदी की पदयात्रा

❖ गोमती नदी की दिव्यता की चर्चा देश विदेश तक करने के बाद आज शिप्रा पाठक ने किया गोमती पूजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आज इंग्लैंड में आदि गंगा गोमती की दिव्यता की परिचर्चा कर लखनऊ लौटी वाटर वुमन शिप्रा पाठक का गोमती भक्तों ने 1090 चौराहे पर भव्य स्वागत किया। इसके उपरांत शिप्रा पाठक ने सभी गोमती भक्तों के साथ पूजन किया।

आपको बताते चलें गोमती नदी पीलीभीत जिले से निकलकर कई जनपदों से होकर गाजीपुर के कैथी में गंगा में समा जाती है। शिप्रा पाठक गोमती नदी की 1008 किमी की पदयात्रा करने का गौरव प्राप्त कर चुकीं हैं। किसी भारतीय मातृ शक्ति के द्वारा गोमती नदी की यह पहली पदयात्रा है।शिप्रा ने अपनी गोमती नदी की पदयात्रा से संबंधित अनुभवों को गोमती प्राक्कलन समिति उत्तर प्रदेश में आमंत्रित किए जाने पर साझा किया था। इस दौरान शिप्रा पाठक ने कहा कि आदि गंगा गोमती का महत्व लखनऊ के लोगों को समझना चाहिए।उन्होंने कहा हर दायित्व सरकार का नही है कुछ हम लोगों का भी है। उन्होंने कहा कि गोमती नदी के 1008 किमी लंबे किनारों पर अतिप्राचीन शिवालय स्थापित है। उन्होंने कहा जब मैंने इसकी चर्चा लंदन में की तो हर कोई यहां आकर दर्शन करने को उत्सुक दिखा। ऐसे में जब सात समंदर पार से हमारे देश की धरोहर को देखने कोई आए तो हमें उसे स्वच्छ रखने का प्रयास करना चाहिए।इसके साथ गोमती नदी की आरती भी सभी गोमती भक्तों ने की।गोमती नदी की 1008 किमी की पद यात्रा करने के उपरांत शिप्रा ने विश्व स्तर पर गोमती की दिव्यता को ले जाने का बीड़ा उठाया है लंदन में अपनी महाकुंभ पुस्तक के विमोचन के बाद शिप्रा ने गोमती नदी के दर्शन हेतु वहां के एक प्रतिनिधिमंडल को आमंत्रित किया है। शीघ्र ही वहां से लोग गोमती नदी एवं यहां स्थित अतिप्राचीन शिवालय के दर्शन हेतु यहां आयेंगे।

अवध विवि की मुख्य परीक्षा शुरू, कड़े सुरक्षा इंतजाम

पायनियर संवाददाता। सुलतानपुर

डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या की की मुख्य परीक्षा आज से जिले के विभिन्न केंद्रों पर शुरू हो गई। सुलतानपुर के गनपत सहाय पीजी कॉलेज में परीक्षा को दो पालियों में कड़ी निगरानी के बीच सुचारू एवं नकलविहीन तरीके से सम्पन्न कराया जा रहा है। कॉलेज के प्राचार्य एवं केन्द्राध्यक्ष प्रो. अंग्रेज सिंह ने परीक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए आंतरिक उड़ाका दल का गठन किया है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विद्यार्थी की मुख्य गेट पर तलाशी के बाद ही परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया जा रहा है, जिससे किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की आशंका न रहे।मंगलवार को आयोजित द्वितीय पाली में बीए,बीएस-सी,बी कॉम तृतीय सेमेस्टर तथा एमए,एमएस-सी तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं हुईं, जिसमें करीब 500 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए। वहीं तृतीय पाली में बीए/बीएस-सी/बी कॉम पंचम सेमेस्टर की परीक्षा

❖ दो पालियों में सुचिता पूर्ण,नकल विहीन परीक्षा सम्पन्न

सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 300 परीक्षार्थी शामिल रहे। परीक्षा व्यवस्था को सफल बनाने में प्रो. मो. शाहिद, प्रो. राजीव कुमार श्रीवास्तव, प्रो. शक्ति सिंह, प्रो. नीलम त्रिपाठी, प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. सूर्य प्रकाश मिश्र, डॉ. अजय कुमार मिश्र, डॉ. आशीष द्विवेदी, डॉ. संध्या श्रीवास्तव, डॉ. विष्णु शंकर अग्रहरि उपस्थित रहे।इसके अलावा डॉ. कुंवर दिनकर प्रताप सिंह, दिनेश दूबे, अंशू श्रीवास्तव, यमुना प्रसाद, अजय प्रताप सिंह, अरुण मिश्र सहित कई जिम्मेदार कर्मचारी परीक्षा संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

सचिवों का उग्र प्रदर्शन, हाथ में काली पट्टी बांधकर निपटाया काम

❖ पांच दिसंबर से व्हाट्सएप ग्रुप छोड़ने की चेतावनी

पायनियर संवाददाता। मोतिगरपुर-सुलतानपुर

आनलाइन हाजिरी और अन्य विभागों के अतिरिक्त शासकीय कार्य थोपे जाने के विरोध में ग्राम पंचायत/ग्राम विकास अधिकारियों ने मंगलवार को दूसरे दिन भी ब्लॉक कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। ग्राम पंचायत/ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति के आव्हान पर जिले भर के सचिव एक दिसंबर से हाथ में काली पट्टी बांधकर शासकीय कार्य कर रहे हैं और शांतिपूर्ण विरोध जता रहे हैं। मोतिगरपुर ब्लॉक परिसर में मांगों का बड़ा बैनर लगाया गया है। सचिवों ने चेतावनी दी है कि यदि चार दिसंबर तक मांगें पूरी नहीं हुईं तो पांच दिसंबर को सभी सचिव सरकारी व्हाट्सएप ग्रुप छोड़ देंगे, दस दिसंबर को अपने निजी वाहन का उपयोग पूरी तरह बंद कर देंगे, 15 दिसंबर को सभी सचिव अपना डोंगल ब्लॉक कार्यालय में जमा कर देंगे। प्रदर्शन कर रहे सचिव सचिन कुमार ने बताया कि आनलाइन हाजिरी व अन्य विभागों के अनावश्यक कार्य से सचिवों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है, जिसे तत्काल वापस लिया जाए। मंगलवार

को दूसरे दिन भी नितेश सिंह, दिनेश प्रसाद सिंह, सचिन कुमार, सुरेन्द्र प्रताप यादव, शुभम यादव सहित दर्जनों सचिवों ने काली पट्टी बांधकर कार्य किया और अपनी मांगों को लेकर एकजुटता दिखाई। ब्लॉक कर्मियों व अधिकारियों ने भी प्रदर्शनकारियों का मौन समर्थन किया। सचिवों का कहना है कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

एसएन कान्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

पायनियर संवाददाता। लंभुआ - सुलतानपुर

लंभुआ स्थित एसएन कान्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मंगलवार को वार्षिक खेल दिवस का भव्य आयोजन हुआ। विद्यालय परिसर में सुबह से ही छात्र-छात्राओं के जोश और उत्साह का माहौल देखते ही बनता था। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल प्रबंधक अनिल दुबे ने किया। मुख्य अतिथि रामनरेश यादव, विशिष्ट अतिथि आनंद श्रीवास्तव एवं प्रदीप यादव ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की।

प्रथम दिवस विभिन्न खेल स्पर्धाओं का आयोजन हुआ, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दौड़, लंबी कूद, ऊँची कूद, कबड्डी, फुटबॉल और क्रिकेट जैसी प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

विजेताओं में निशांत सिंह, सुप्रिया मिश्रा, सुयोग्या सिंह, बृजेश सिंह, सत्यजीत यादव, आयुषी त्रिपाठी, सोनाक्षी तिवारी रहीं।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए अकादमिक निदेशक संदीप दुबे ने कहा, खेल केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न अंग है। यह हमें स्वस्थ, अनुशासित और आत्मविश्वासी बनाता है। खेलों के माध्यम से ही बच्चे नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और असफलता से सीखने का गुण विकसित करते हैं। इस अवसर पर स्थानीय बच्चों ने भी अपनी खेल-प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, जिसे उपस्थित अभिभावकों व दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं, स्टाफ सदस्यों एवं अभिभावकों का भरपूर सहयोग रहा।

ससुरालियों पर दामाद को मारपीट कर जिंदा जलाने का आरोप

पायनियर संवाददाता। लंभुआ - सुलतानपुर

लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के बड़गांव निवासी नंदलाल प्रजापति की लखनऊ में इलाज के दौरान सोमवार देर शाम मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर मारपीट कर जिंदा जलाने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। मृतक के भाई शंकर प्रजापति ने कोतवाली लंभुआ में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

तहरीर के अनुसार, नंदलाल प्रजापति (35) 29 नवंबर को अपनी पत्नी सरिता के भाई की शादी में ससुराल पुरैना चंद्रभान गए थे। सरिता पहले से ही मायके में थी। शंकर प्रजापति उसी रात घर लौट आए, लेकिन नंदलाल ससुराल में रुक गए। दो दिन तक जब नंदलाल घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने फोन किया। साले मनोज प्रजापति ने बताया कि 30 नवंबर की शाम नंदलाल ने खुद को आग लगा ली है और उन्हें लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। परिजन जब लखनऊ पहुंचे तो नंदलाल की हालत गंभीर थी। सोमवार देर शाम इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

शंकर प्रजापति ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि नंदलाल की पत्नी सरिता, साले राम अनुज प्रजापति, दिलीप प्रजापति और मनोज प्रजापति तीनों पुत्र स्व. राममूरत ने मिलकर पहले नंदलाल को बेरहमी से पीटा, फिर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा दी। यह सब दहेज या किसी पारिवारिक विवाद के चलते किया गया। परिजनों का कहना है कि ससुराल वाले झूठ बोल रहे हैं कि नंदलाल ने खुद को आग लगाई। मंगलवार को नंदलाल के शव का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिजनों ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी और निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षक एलएलसी निर्वाचक नामावली में 16 तक जुड़ेगा नाम

सुलतानपुर। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सह उप जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव शुक्ला ने जानकारी दी है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र (एमएलसी) की निर्वाचक नामावली का विशेष पुनरीक्षण कार्य शुरू हो गया है। अर्हता तिथि 01 नवंबर 2025 के आधार पर 02 दिसंबर 2025 को आलेख्य (ड्राफ्ट) निर्वाचक नामावली का प्रकाशन कर दिया गया है। यह आलेख्य नामावली जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय, संबंधित उप जिलाधिकारी/नाम निर्दिष्ट अधिकारी कार्यालय,संबंधित मतदेय स्थलों घर देखी जा सकती है।

जिन शिक्षकों का नाम अभी तक इस निर्वाचक नामावली में नहीं जुड़ा है या जिनमें कोई त्रुटि/सुधार कराना है, वे 02 दिसंबर 2025 से 16 दिसंबर 2025 तक दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत कर सकते हैं। अधिकारी ने सभी पात्र शिक्षकों से आग्रह किया है कि वे निर्धारित अवधि में अपनी नामावली अवश्य जांच लें और आवश्यकता होने पर निर्धारित प्रपत्रों में दावा/आपत्ति जमा करें, ताकि मतदान के समय कोई असुविधा न हो।

इसौली विधायक ने गांवों का दौरा कर दूर की एसआईआर की गलतफहमियां

पायनियर संवाददाता। सुलतानपुर

इसौली विधायक मोहम्मद ताहिर खान ने कुड़वार, बरासिन, वल्लीपुर, इब्राहिमपुर, पारा बाजार, रसूलपुर, सैनी, सेमरा और अरवल सहित कई गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। एसआईआर फॉर्म को लेकर उठ रही आशंकाओं पर उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि यह चुनाव आयोग की सामान्य प्रक्रिया है और इसमें किसी प्रकार की घबराहट की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा,हर हाल में एसआईआर फॉर्म जमा करें,इसमें किसी को डरने की जरूरत नहीं है। विधायक ने बताया कि बीएलओ द्वारा वितरित फॉर्म मतदाता सूची के शुद्धिकरण से जुड़े हैं और पूरी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है। उन्होंने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे ग्रामीणों के बीच अनावश्यक भ्रम फैला रहे हैं, जबकि एसआईआर प्रक्रिया किसी समुदाय या व्यक्ति के खिलाफ नहीं है। इस दौरान विधायक ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि वे जनता के सुख-दुख में हर समय साथ खड़े हैं। विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही योजनाओं की गुणवत्ता में कोई लापरवाही न हो।

इसी दौरान ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन योजना के तहत बल्दीराय ब्लॉक के चककारी भीट, सेमरा, मोहम्मदपुर काजी और सादुल्लापुर आदि गांव में पेयजल आपूर्ति न पहुंचने की शिकायत की। शिकायत मिलते ही विधायक ने उच्च अधिकारियों से बात कर तत्काल समस्या के समाधान के लिए कहा।

संक्षिप्त खबरें

दवा लेने आई महिला के गहने लेकर ठग फरार

कादीपुर-सुलतानपुर। कादीपुर क्षेत्र में एक बार फिर ठगों ने अपनी करतूत दिखाई। अज्ञात ठगों ने बीमार महिला को निशाना बनाते हुए उसके सोने के आभूषण चुरा लिए। क्षेत्र के राई बीगो निवासी मंजू सिंह पत्नी रामबरन सिंह 28 नवंबर को सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे अपनी तबीयत खराब होने के कारण दवा लेने कादीपुर बाजार आई थीं। स्टार मोबाइल केयर के पास कुछ अज्ञात व्यक्ति उनसे बातचीत करने लगे। बातों-बातों में उन्होंने कुछ ऐसा किया कि महिला को अचानक चक्कर आने लगे और उनकी आंखें बंद होने लगीं। इसी दौरान ठगों ने मौका पाकर महिला की सोने की चेन, एक अंगूठी और कान का झाला लेकर फरार हो गए।

मासूमों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, आठ के विरुद्ध मुकदमा

कादीपुर-सुलतानपुर। कादीपुर कोतवाली क्षेत्र के मंगरवा गांव में सोमवार दोपहर उस वक्त दिल दहलाने वाली घटना हुई जब स्कूल से घर लौट रहे दो नन्हे बच्चों को रास्ते में रोककर कुछ लोगों ने बेरहमी से पीट दिया। पीड़ित बच्चे किशन (11) और कौशिश (9) श्रीमती रजवंती इसराजी देवी शिक्षण संस्थान, खण्डौरा में पढ़ते हैं। सोमवार को करीब ढाई बजे दोनों स्कूल से पैदल घर लौट रहे थे। लखनऊ-बलिया राजमार्ग पर घर के पास ही आरोपियों ने उन्हें घेर लिया और डंडों व लात-घूसों से दौड़ा-दौड़ाकर मारपीट की। दोनों बच्चे बुरी तरह चोटिल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और बच्चों को उपचार के लिए अस्पताल ले गए। बच्चों के दादा राम भारत ने कादीपुर थाने में तहरीर दी। प्रभारी निरीक्षक श्यामसुंदर ने बताया कि राम भारत की तहरीर पर आठ लोगों रामकृपाल, रामगोपाल, तूफानी, सुरेमनी, हिमांचल, गुड्डी, शालू, पुष्पांजलि सभी पता अज्ञात के विरुद्ध नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

छेड़छाड़ के आरोपियों को कोर्ट से राहत

सुलतानपुर। शहर के पर्यावरण पार्क के निकट स्कूली छात्राओं से छेड़छाड़ और हत्या की धमकी देने के आरोपी कामरान और आशिक अली को पॉक्सो कोर्ट के जज नीरज श्रीवास्तव ने जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। अधिवक्ता सन्तोष पाण्डेय ने कहा कि बीते 14 नवम्बर की कथित घटना में आरोपियों के खिलाफ ठोस सबूत नहीं हैं। सार्वजनिक स्थान पर छेड़छाड़ और धमकी का मुकदमा गलत ढंग से दर्ज कराया था। जिसे कोर्ट ने विश्वसनीय नहीं माना। दोनों पक्षों के तर्क सुनने के बाद आरोपियों की जमानत अर्जी मंजूर की है।

वकीलों ने साथी की मौत पर दी श्रद्धांजलि

सुलतानपुर। दीवानी कोर्ट के युवा अधिवक्ता अवधेश दुबे के आकस्मिक निधन पर वकीलों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। बार अध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह, अयूब उल्ला खान, अरविन्द सिंह राजा, संतोष पाण्डेय, नागेन्द्र सिंह आदि रहे। असामयिक निधन से शोक प्रस्ताव के कारण न्यायिक कामकाज प्रभावित हुआ। बार एसोसिएशन जल्द ही पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराएगा।

एलआईसी डकैती केस में आज होगी बहस

सुलतानपुर। कादीपुर की एलआईसी शाखा में 17 वर्ष पूर्व हुई डकैती के मामले में न्यायाधीश संध्या चौधरी की कोर्ट में मंगलवार को हिस्ट्रीशीटर दुर्गेश सिंह की मृत्यु रिपोर्ट साबित करने के लिए कॉन्स्टेबल अजय यादव का बयान दर्ज हुआ। कूरेभार थाने के गलिबहा निवासी दुर्गेश सिंह ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। कादीपुर की एलआईसी शाखा के पूर्व प्रबंधक ईश्वर देव सिंह ने एक सितंबर 2008 को दिनदहाड़े हुई डकैती का मुकदमा दर्ज कराया था। शासकीय अधिवक्ता पवन कुमार दुबे ने बताया कि बुधवार को मुकदमा बहस के लिए नियत किया गया है।

कोर्ट ने आरोपी की गिरफ्तारी पर रोक लगाई

सुलतानपुर। एफटीसी कोर्ट के जज राकेश ने महिला उत्पीड़न के एक मामले में आरोपी प्रयागराज निवासी राजीव रतन सिंह की अग्रिम जमानत मंजूर कर गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। आरोपी के वकील रवि शुक्ल के अनुसार कोतवाली नगर थाना क्षेत्र की एक महिला ने उसे ब्लैकमेल करने और परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा गलत ढंग से दर्ज कराया था। अदालत ने कहा कि मामले में विवेचना प्रचलित है और अभियोजन की ओर से आवेदक का कोई आपराधिक इतिहास प्रस्तुत नहीं किया गया है।

विमानन विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 7 को

गौरीगंज अमेठी। राजीव गांधी विमानन विश्वविद्यालय का दूसरा दीक्षांत समारोह 7 दिसंबर को आयोजित होगा आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह में अलग-अलग पाठ्यक्रमों के 58 छात्रों को उपाधि प्रदान की जाएगी. इन 58 छात्रों में से पांच छात्र विभिन्न स्वर्ण पदक से भी नवाजे जाएंगे. इन पाठ्यक्रमों में बीएमएस कार्यक्रम के 43 पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा एयरपोर्ट के 15 विद्यार्थियों के साथ 6 विद्यार्थियों को रजक पदक विद्यार्थी कुलाधिपति पदक के साथ स्वर्ण पदक के अलावा राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से नवाजा जाएगा कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा तय कर ली गई है कार्यक्रम में नागरिक को उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू के साथ मुरलीधर मोहाल कार्यक्रम में शामिल होंगे इसके साथ ही आईआईटी बीएचयू के भी डायरेक्टर इस कार्यक्रम में शामिल होंगे ।

कोषागार कर्मचारी संघ की नई कार्यकारिणी गठित

गोंडा। कोषागार कर्मचारी संघ की बैठक मंगलवार को प्रभारी सहायक कोषाधिकारी स्वामीनाथ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक इसलिए बुलाई गई थी क्योंकि पूर्व कार्यकारिणी की अवधि समाप्त हो चुकी थी तथा कुछ पदों पर स्थानांतरण एवं चुनाव के कारण रिक्तता उत्पन्न हो गई थी। प्रस्तावित बैठक में नई कार्यकारिणी के गठन पर विचार किया गया। बैठक में संघ के वरिष्ठ लेखाकार युसुफ कमाल सिद्दीकी को चुनाव अधिकारी नामित किया गया। जिन्होंने पूरी निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण कराई। निर्वाचन प्रक्रिया के अनुसार नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया।जिसमें अध्यक्ष कन्हैया लाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ब्रजेश कुमार, मंत्री अजय कुमार जायसवाल, उपाध्यक्षध्प्रेस सचिव मकसूद अली, सम्प्रेक्षक राजेन्द्र प्रसाद, संयुक्त मंत्री आशीष सिंह एवं कोषाध्यक्ष आनन्द श्रीवास्तव निर्वाचित हुए। नई कार्यकारिणी के गठन के बाद समस्त सदस्यों ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी तथा संघ के हितों और कर्मचारी कल्याण के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

राजेश कुमार अध्यक्ष व शशीलेश कुमार शुक्ला बने महामंत्री

पायनियर संवाददाता। अमेठी

अधिवक्ता परिषद अवध अमेठी इकाई के गठन के लिए श्रीमती मीनाक्षी सिंह परिहार अधिवक्ता उच्च न्यायालय लखनऊ व अजय कुमार त्रिपाठी अधिवक्ता उच्च न्यायालय लखनऊ की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम श्रीमती मीनाक्षी सिंह परिहार बतौर मुख्य अतिथि तथा अजय कुमार त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि की देखरेख में अधिवक्ता परिषद अवध अमेठी इकाई के अध्यक्ष पद के लिए एडवोकेट राजेश कुमार सिंह तथा महामंत्री पद के लिए शशिलेष कुमार शुक्ला एडवोकेट का चयन हुआ कोषाध्यक्ष पद के लिए अनुपम कुमार सिंह उपाध्यक्ष पद के लिए संजय कुमार सिंह राजेंद्र प्रसाद शुक्ला व सुशील कुमार भारती का चयन हुआ। तथा मंत्री पद के लिए राकेश कुमार शुक्ला अवधेश सिंह अभिषेक सिंह अशोक यादव व शशिकांत तिवारी चयनित हुए।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की अवधि 11 दिसम्बर निर्धारित

पायनियर संवाददाता। रायबरेली

❖ नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन 14 फरवरी नियत

उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सम्प्रति चल रहे अहर्ता 1 जनवरी, 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से सम्बन्धित कार्यक्रम की तिथियों को संशोधित कर दिया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि आयोग द्वारा घोषित संशोधन तिथियों के अनुसार 11 दिसम्बर तक गणना अवधि निर्धारित की गई है। मतदेय स्थलों का संभाजन भी 11 दिसम्बर, तक किया जाएगा। 12 दिसंबर से 15 दिसम्बर, तक कंट्रोल टेबल का अद्यतनीकरण एवं आलेख्य नामावली की तैयारी की जाएगी। 16 दिसम्बर को निर्वाचन नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन होगा। 16 दिसम्बर, से 15 जनवरी, 2026 तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। 16 दिसम्बर से 7 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण में गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे और आपत्तियों का निस्तारण ईआरओ द्वारा किया जाएगा। 10 फरवरी, 2026 को आयोग से अंतिम प्रकाशन की अनुमति प्राप्त करना है।

जानलेवा हमले के आरोपियों को कोर्ट से राहत

सुलतानपुर। जानलेवा हमला करने के तीन आरोपियों को सेशन जज सुनील कुमार ने जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। वकील अरविन्द सिंह राजा ने आरोपी उत्तम, सज्जन निषाद और सरवन की याचिका पेश कर मामले को पेशबंदी में दर्ज कराने की बात कही। जयसिंहपुर थाने की पुलिस को आवश्यक करवाई का निर्देश हुआ है।

सीएचसी से डॉक्टर नदारत प्रकाशित खबर का अधीक्षक ने लिया संज्ञान

हरचंदपुर, रायबरेली। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों के समय से पहले अनुपस्थित रहने का मामला सामने आया है। सीएचसी अधीक्षक ने इस पर संज्ञान लेते हुए डॉक्टरों को नोटिस जारी की है। अधीक्षक ने ओपीडी में तैनात सभी डॉक्टरों को चेतावनी दी है। इसमें कहा गया है कि यदि कोई भी डॉक्टर निर्धारित समय से पहले अनुपस्थित पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीएचसी अधीक्षक डॉ. राजीव गौतम ने बताया कि डॉक्टरों की मनमानी के कारण वे अक्सर समय से पहले केंद्र से चले जाते थे। उन्होंने पुष्टि की कि सभी संबंधित डॉक्टरों को नोटिस दे दी गई है और भविष्य में ऐसी किसी भी अनुपस्थिति पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

जिम्मेदारों की मनमानी से बदहाल हैं स्वास्थ्य सेवाएं

उन्नाव। जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाएं बेपटरी हैं। जिम्मेदारों की मनमानी और लापरवाही से इलाज के लिए आने वाले जरुरतमंदों को सरकार की मंशा के अनुरूप निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया नहीं हो पा रही हैं। डॉक्टर समय से ओपीडी में भी नहीं बैठते हैं। और ओपीडी समय पूरा होने से पहले उठकर चले जाते हैं। शिकायतों के बावजूद मिलीभगत के चलते कोई कठोर कार्रवाई नहीं होती है। अधिकांश मामलों जांच टीम गठित कर सिर्फ खानापूर्ति की जाती है। मंगलवार को नेत्र चिकित्सक डॉ संजीव कुमार के कक्ष के बाहर लाइन में लगे मरीज इंतजार कर रहे थे लेकिन नेत्र चिकित्सक 11:30 बजे तक अपने कक्ष में नहीं पहुंचे चिकित्सक न मिलने से कई मरीज मायूस लौट गए।

बच्चों को मिले सभी सरकारी सुविधाएं : नेहा

पायनियर संवाददाता। गोंडा

शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता को मजबूत करने तथा विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करने के उद्देश्य से उपजिलाधिकारी करनैलगंज सुश्री नेहा मिश्रा द्वारा आज उच्च प्राथमिक विद्यालय परसपुर द्वितीय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में संचालित समस्त व्यवस्थाओं, विशेषकर मिड-डे मील योजना एवं शैक्षणिक वातावरण की गहन समीक्षा की। उप जिलाधिकारी ने विद्यालय पहुंचकर सबसे पहले मिड-डे मील के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, वितरण प्रक्रिया तथा उपस्थिति रजिस्टर का परीक्षण करते हुए यह सुनिश्चित किया कि बच्चों को समय पर स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध हो। भोजन स्थलों एवं रसोईघर की स्वच्छता की भी जांच की गई और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि मानक के अनुसार ही भोजन तैयार किया जाए।

ओवरलोडिंग से बचें वाहन चालक:अरविन्द

पायनियर संवाददाता। गोंडा

❖ बजाज चीनी मिल कुंदरखी प्रशासन व थानाध्यक्ष मोतीगंज ने वाहनों पर लगवाए रिफ्लेक्टर

बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड कुंदरखी चीनी मिल द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में विराम लगाने व वाहन चालकों को जागरूक करने के उद्देश्य से चीनी मिल परिसर में यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान महाप्रबंधक (गन्ना) ए.के. सिंह के निर्देशन एवं थानाध्यक्ष मोतीगंज अरविन्द यादव की उपस्थिति में केन यार्ड में गन्ना लेकर आए ट्रैक्टर ट्रॉलियों व ट्रकों में रेडियमध्रिफ्लेक्टर लगवाए गए।

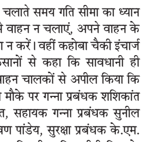

महाप्रबंधक (गन्ना) श्री सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि संभावित कोहरे को देखते हुए सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से चीनी मिल प्रशासन द्वारा गन्ना ढोने वाले वाहनों पर अभियान के तहत रिफ्लेक्टर लगवाए जा रहे हैं। जो कि निरंतर चलता रहेगा। जीएम केन ने गन्ना किसानों को जागरुक करते हुए कहा कि सड़क पर वाहन चलाते समय पूरी सावधानी बरतें। इस मौके पर थानाध्यक्ष मोतीगंज अरविन्द यादव ने के यार्ड में मौजूद गन्ना किसानों से वार्तालाप कर उन्हें यातायात के नियमों का पालन करने की सलाह दिया गया। उन्होंने वाहन चालकों से कहा कि वाहन चलाते समय गति सीमा का ध्यान रखें, किसी भी दशा में तेज गति से वाहन न चलाएं, अपने वाहन के सुरक्षित संचालन हेतु ओवरलोडिंग न करें। वहीं कहोबा चैकी इंचार्ज विवेक कुमार मौर्या ने गन्ना किसानों से कहा कि सावधानी ही दुर्घटनाओं से बचाव है। उन्होंने वाहन चालकों से अपील किया कि शराब पीकर वाहन न चलाएं। इस मौके पर गन्ना प्रबंधक शशिकांत दुबे, एच.आर. हेड बी.पी. दीक्षित, सहायक गन्ना प्रबंधक सुनील पाठक, प्रशासनिक अधिकारी श्रवण पांडेय, सुरक्षा प्रबंधक के.एम. तिवारी, सुरक्षा सुपरवाइजर नंदलाल तिवारी, सहित चीनी मिल के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मनरेगा मजदूरों ने एक ही समय दो ग्राम पंचायतों में किया काम

पायनियर संवाददाता। बीघापुर, उन्नाव

❖ बीघापुर की 2 ग्राम पंचायत में एनएमएम एस मोबाइल ऐप से पकड़ा गया खेल

बीघापुर की दो अलग-अलग ग्राम पंचायत में एक ही समय में एक ही मजदूरों के काम करने का खुलासा नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम (एनएमएमएस) एप की औचक (रैंडम) जांच में हुआ है। मनरेगा उपायुक्त ने एप पर अपलोड की गई मजदूरों की फोटो का मिलान किया तो वे एक जैसी ही मिली हैं। इस मामले में 2.43 लाख के भुगतान की जानकारी सामने आने पर उपायुक्त ने बीडियो से स्पष्टीकरण तलब किया है केंद्र सरकार ने मनरेगा में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए (एनएमएमएस) मोबाइल एप तैयार कराया है। इसके जरिए मनरेगा मजदूरों की उपस्थिति दर्ज होती है। साथ ही काम करते वास्तविक फोटो टैग की जाती है। उपायुक्त मनरेगा मुनेश चंद्र ने 29 नवंबर को रैंडम आधार पर एनएमएमएस एप चेक किया। इसमें 15 नवंबर का बीघापुर ब्लॉक में मनरेगा से हुए कार्यों का सत्यापन किया। इसमें बीघापुर की दो ग्राम पंचायतों खेसुवा और भैरमपुर में अलग-अलग कार्यों में 50-50 मजदूरों को लगाने का मामला सामने आया।

कार्य देखने के बाद जब ग्राम पंचायतों से अपलोड की गई फोटो का मिलान किया तो दोनों जगहों पर एक ही मजदूरों की फोटो पाई गई। आगे जांच में 16 से 28 नवंबर तक दोनों पंचायतों में यही स्थिति जगर आई। पता चला कि इन कार्यों में 2,43,180 रुपये का भुगतान भी कर दिया गया है। इस मामले में धन के बंदर बांट की आशंका जताई जा रही है। उपायुक्त ने बताया कि अभी ऐसी कोई टेक्नोलॉजी नहीं बनी जिसमें सभी मजदूर एक साथ एक समय पर दो अलग-अलग स्थान पर काम कर सकें इस मामले में बीडियो पंकज गौतम को नोटिस जारी करके जवाब मांगा गया है। कहा की संतोषजनक जवाब न मिलने पर कार्रवाई की होगी। कार्यक्रम अधिकारी और विकासखंड कार्यालय के अन्य कर्मचारी भी जांच के दायरे में आएंगे। उपायुक्त ने बताया कि मामले में कार्यक्रम अधिकारी व अन्य ब्लॉक कार्यालय कर्मियों की संलिप्त से इनकार नहीं किया जा सकता है। बीडियो को क्षेत्र में कराए गए कार्यों का निरीक्षण मय फोटो समेत करके गड़बड़ी के जिम्मेदारों की रिपोर्ट देने के भी निर्देश दिए हैं। इसमें और कर्मचारी भी जांच के दायरे में आएंगे।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 3 दिसंबर 2025

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला आज दोपहर 1:30 बजे से, भारत की नजरें कोहली-रोहित पर

सीरीज पर कब्जा करने के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

रोहित शर्मा

एजेंसी। रायपुर

ड्रेसिंग रूम के माहौल को लेकर अफवाहों के बीच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को दूसरा वनडे और श्रृंखला जीतने के लिये भारत की उम्मीदें विराट कोहली के शानदार फॉर्म और रोहित शर्मा की दमदार मौजूदगी पर लगी होंगी। कोहली के 52वें वनडे शतक और रोहित की 57 रन की आक्रामक पारी के दम पर भारत ने रांची में पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से हराया। वनडे विश्व कप 2027 में अभी दो साल है और ऐसे में कोहली और रोहित के लिये हर मैच अपनी फिटनेस और फॉर्म को साबित करने का जरिया है।

मुख्य कोच गौतम गंभीर से लगातार बढते मतभेदों का मसला भी अहम है ।इसे लेकर लग रही अटकलों के बीच लगता है कि बीसीसीआई को कहीं न कहीं दखल देना होगा । पिछले दो वनडे में भारत की जीत के सूत्रधार रहे रोहित और कोहली ने दक्षिण अफ्रीका में होने वाले विश्व कप के लिये अपना दावा पुख्ता कर दिया है। रोहित के शानदार प्रदर्शन से भारत ने अक्टूबर में आस्ट्रेलिया को सिडनी वनडे में नौ विकेट से हराया था। चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर और गंभीर ने विश्व कप में दोनों की भागीदारी को लेकर कुछ नहीं कहा है जो शायद तनाव की वजह हो सकता है। पहला मैच जीतने के बावजूद भारत की चिंता कम नहीं हुई है। लिस्ट ए क्रिकेट में प्रभावी प्रदर्शन करने वाले रूतुराज गायकवाड़ को चौथे नंबर पर भेजा गया लेकिन वह इसके लिये तैयार नहीं दिखे। कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल छठे नंबर पर उतरे। वॉशिंगटन सुंदर को बल्लेबाजी क्रम में प्रयोगों की आदत हो चुकी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में तीसरे नंबर पर उतरने के बाद उन्हें पहले वनडे में पांचवें नंबर पर भेजा गया लेकिन वह बड़ी पारी नहीं खेल सके ।गेंदबाजी में उन्होंने तीन ही ओवर डाले और 18 रन दिये। हर्षित राणा व कुलदीप यादव के विविधतापूर्ण गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका वापसी के प्रयास के बावजूद नाकाम रहा। दक्षिण अफ्रीका ने पहला वनडे कप्तान तेम्बा बावुमा और स्पिनर केशव महाराज के बिना खेला जिन्हें आराम दिया गया था। अब दोनों की वापसी से टीम को मजबूती मिलेगी। शहीर वीर नारायण सिंह स्टेडियम पर एकमात्र वनडे जनवरी 2023 में खेला गया था जब पिच से मिलने वाली सीम की मदद से मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज ने न्यूजीलैंड टीम को 108 रन पर आउट कर दिया था। भारत ने 30 ओवर बाकी रहते आठ विकेट से जीत दर्ज की थी। यहां दिसंबर 2023 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मैच में भी भारत ने 20 रन से जीत दर्ज की थी।

कैलिस बोले-यानसन अब बेहतरीन ऑलराउंडर हैं: अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर जाक कैलिस ने कहा कि मार्को यानसन ने हाल के महीनों में अपनी बल्लेबाजी में जो सुधार किया है, वह उन्हें आधुनिक क्रिकेट के शीर्ष हरफनमौला खिलाड़ियों में जगह बनाने में मददगार होगा। कैलिस ने कहा, यानसन की गेंदबाजी हमेशा शानदार रही है। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने बल्ले से अपनी प्रतिभा का पूरा इस्तेमाल नहीं किया था लेकिन अब उन्होंने निश्चित रूप से इसमें सुधार किया है। वह अब एक बेहतरीन हरफनमौला हैं। मुझे लगता है कि वह एसए20 में एक बड़ी भूमिका निभाएंगे।

दोनों टीमें

भारत: केएल राहुल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका: तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मारक्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, मार्को यानसन, टोनी डी जॉर्जी , रुबिन हरमन, ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।

विराट कोहली

कोहली-रोहित के साथ खेलना रोमांचक होगा : बावुमा

रायपुर। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा की मौजूदगी वाली भारतीय टीम का सामना करना कोई नई बात नहीं है, लेकिन इससे मेजबान टीम को मजबूती मिलती है। बावुमा की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीका ने दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में भारत को 2-0 से करारी शिकस्त दी थी। बावुमा तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले में एकादश का हिस्सा नहीं थे लेकिन वह बुधवार को खेले जाने वाले दूसरे वनडे में वापसी के लिए तैयार हैं। बावुमा ने यहां शहीद वीर नारायण स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के अभ्यास सत्र से पहले मीडिया से कहा, रोहित की मौजूदगी वाली भारतीय टीम ने 2007 में दक्षिण अफ्रीका में जब टी20 विश्व कप जीता था तक वह स्कूली छात्र थे। उन्होंने कहा,हमने रोहित के खिलाफ खेला है। मुझे लगता है कि 2007 के टी20 विश्व कप के समय मैं स्कूल में था। मेरा मतलब है, ये खिलाड़ी काफी समय से भारतीय टीम में है, इसलिए इसमें कोई नई बात नहीं है। ये विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ खेलना कोई नई बात नहीं है, हम उनका सामना कर चुके हैं। यह भी सही है कि उनकी मौजूदगी में हमें ज्यादातर मैचों में निराशा मिली है लेकिन हमने उनके खिलाफ अच्छा समय भी बिताया है। यह सब इस श्रृंखला को और भी रोमांचक बनाता है। बावुमा ने इस बीच कहा कि दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन के खेल के दौरान दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुकरी कोनराड द्वारा इस्तेमाल किए गए ग्रोवेल शब्द पर उन्हें स्पष्टीकरण देने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि नहीं, मुझे नहीं लगता कि यह ध्यान भटकाने वाला है। मुझे इस पर स्पष्टीकरण देने की जरूरत नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली हाई ने बजरंग, विनेश की याचिका खारिज की

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ के दिसंबर 2023 में हुए चुनाव को चुनौती देने वाली बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और सत्यव्रत कादियान की याचिका खारिज कर दी क्योंकि अलग अलग तारीखों पर भी वे अदालत के समक्ष पेश नहीं हुए। इन तीनों ओलंपियनों की उम्मीदवार अनिता श्योराण को हराकर संजय सिंह उस समय अध्यक्ष बने थे। न्यायाधीश मिनी पुष्करना ने 27 नवंबर को मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि सुनवाई के दौरान एक भी याचिकाकर्ता मौजूद नहीं था और पिछली दो सुनवाई में भी वे नहीं आये। अदालत ने अपने फैसले में कहा,लगता है कि इस मामले को आगे ले जाने में याचिकाकर्ताओं की कोई रूचि नहीं है। पहलवानों ने आरोप लगाया था कि डब्ल्यूएफआई चुनाव अच्छे और पारदर्शी माहौल में नहीं हुए थे। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में कमियों और अनियमितताओं के आरोप लगाये थे। याचिकाकर्ताओं के बार बार सुनवाई के दौरान पेश नहीं होने के कारण अदालत ने याचिका रद्द कर दी।

सरकार ने एशियाई पैरा खेलों के दल को मंजूरी दी

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने दुबई में सात से 14 दिसंबर तक होने वाले एशियाई युवा पैरा खेलों के लिये 161 सदस्यीय भारतीय दल को मंजूरी दे दी लेकिन अतीत में विदेश में कुछ अधिकारियों और खिलाड़ियों के गायब होने की घटनाओं को देखते हुए सभी की पृष्ठभूमि की जांच भी अनिवार्य कर दी है। सूची में 99 खिलाड़ियों (61 पुरुष व 38 महिलाओं), 62 कोचों, सहयोगी स्टाफ और दल के अधिकारियों के नाम है। मंत्रालय ने दल के लौटने के 30 दिन के भीतर प्रदर्शन पर भी विस्तृत रिपोर्ट मांगी है जिसमें एक्शन फोटो और अन्य विजुअल शामिल हैं। भारतीय पैरालम्पिक समिति (पीसीआई) को भेजे पत्र में कहा गया ,अतीत में विदेश में कुछ अधिकारियों और खिलाड़ियों के गायब होने की घटनाओं के कारण मंत्रालय का मानना है कि दल के सदस्यों और अधिकारियों की पृष्ठभूमि की भारतीय खेल प्राधिकरण या राष्ट्रीय खेल महासंघों द्वारा पूरी जांच कराई जाये।

आयरलैंड को हराकर बांग्लादेश ने 2-1 से जीती टी20 सीरीज

चटगांव (बांग्लादेश)। तंजीद हसन के रिकॉर्ड पांच कैच और नाबाद 55 रन की बदौलत बांग्लादेश ने तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मंगलवार को यहां आयरलैंड को आठ विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 2-1 से जीत ली। आयरलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 117 रन पर ढेर हो गई जिसके जवाब में बांग्लादेश ने 13.4 ओवर में दो विकेट पर 119 रन बनाकर जीत दर्ज की। तंजीद इस दौरान किसी टी20 मैच में पूर्ण टेस्ट सदस्य की ओर से पांच कैच लेने वाले पहले क्रिकेटर बने। उन्होंने आयरलैंड के अंतिम पांच बल्लेबाजों से कैच पकड़े। इनमें से चार कैच उन्होंने लॉन्ग ऑन पर पकड़े।

आईपीएल 2026 की नीलामी में शामिल नहीं होंगे मैक्सवेल

सिडनी। आईपीएल में एक दशक के कैरियर में कुछ खास नहीं कर सके ग्लेन मैक्सवेल ने अबुधाबी में 16 दिसंबर को होने वाली मिनी नीलामी से नाम वापिस ले लिया बिग शो के नाम से मशहूर 37 वर्ष के मैक्सवेल ने 2012 से हर आईपीएल (2019 को छोड़कर) खेला है। वह 141 मैचों में 2819 रन ही बना सके और उनका औसत 24 से भी कम रहा । उन्होंने अपनी आफ ब्रेक गेंदबाजी से 8 . 30 की इकॉनामी रेट से 41 विकेट लिये ।मैक्सवेल ने इंस्टाग्राम पर लिखा,आईपीएल में कई यादगार सत्रों के बाद मैने इस साल नीलामी से नाम वापिस लेने का फैसला किया है । यह बड़ा फैसला है और लीग से जो कुछ भी मिला है , उसके प्रति कृतज्ञता जताते हुए लिया है।

अभय सिंह के दोहरे शतक से क्रिएटर्स की धमाकेदार जीत

लखनऊ,पायनियर। 21वीं बीबीडी क्रिकेट लीग में मंगलवार को द क्रिएटर्स क्रिकेट क्लब ने यूनिटी क्रिकेट क्लब को 302 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। क्रिएटर्स ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में मैन ऑफ द मैच अभय सिंह ने 90 गेंदों पर 30 चौकों और आठ छक्कों की मदद से 211 रनों की दोहरा शतक लगाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए द क्रिएटर्स ने 40 ओवर में 401/9 रन बनाए। जवाब में यूनिटी क्रिकेट क्लब की टीम 99 रन पर सिमट गई। द क्रिएटर्स की ओर से सतीश कुमार ने चार विकेट चटकाए।

सर्वेश के 165 रन की पारी से जीता अरमान अकादमी : दूसरे मुकाबले में कप्तान सर्वेश पटेल की 165 रनों की तूफानी पारी की बदौलत अरमान क्रिकेट अकादमी ने पांच विकेट पर 409 रन बनाए। जवाब में एलसीए क्लब सिर्फ 11 ओवर में 52 रन पर ढेर हो गया। अरमान की ओर से शिवांग यादव ने पांच और पुरु पांडेय ने तीन विकेट हासिल किए। अन्य मैचों में विजय यादव (156 रन) की शतकीय पारी के सहारे मल्टी फैसिलिटी प्रोफेशनल क्रिकेट एरीना ने सात विकेट पर 343 रन बनाए और लखनऊ व्हाइट्स को 90 रन पर रोकते हुए 253 रन से जीत हासिल की। वहीं, वेदांत भास्कर मिश्रा (129 रन) और पीयूष सिंह (नाबाद 96 रन) की उम्दा पारियों की बदौलत पार्थ क्रिकेट अकादमी ने दो विकेट पर 323 रन बनाए और अवध अकादमी को 134 रन पर रोककर 189 रन से जीत दर्ज की।

सरफराज के पहले टी20 शतक से जीता मुंबई

पायनियर संवाददाता। लखनऊ

भारतीय युवा बल्लेबाज सरफराज खान ने मंगलवार को असम के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप-ए मुकाबले में धमाकेदार शतक जड़कर मुंबई को बड़ी जीत दिलाई। इकाना स्टेडियम के बी ग्राउट पर खेले गए इस मैच में 28 वर्षीय सरफराज ने टी20 करियर का अपना पहला शतक ठोका।दाएं हाथ के बल्लेबाज ने 47 गेंदों पर आठ चौके और सात छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 212.76 रहा। सरफराज खान की तूफानी पारी की बदौलत मुंबई ने असम के सामने 221 रन का विशाल लक्ष्य रखा। जवाब में रियान पराग की अगुआई वाली असम की टीम 122 रन पर सिमट गई और मुंबई ने मुकाबला 98 रन से जीत लिया। इस मैच में भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का खराब फॉर्म जारी रहा। वह 12 गेंदों में केवल 20 रन ही बना सके। वहीं अनुभवी अजिंक्य रहाणे ने 33 गेंदों पर 42 रनों की तेज पारी खेली। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी सूर्यकुमार का बल्ला खास चमक नहीं सका था।

सैयद मुश्ताक अली ग्रुप ए

इकाना स्टेडियम पर खेले गये तीन अन्य मैचों में मैन ऑफ द मैच अश्विन हेब्बर (78 रन) की तूफानी अर्धशतकीय पारी से आन्ध्रा ने रेलवेज को 5 विकेट से दी मात। रेलवेज ने सात विकेट के नुकसान पर 167 रन का स्कोर बनाया। जवाब में आंध्रा ने पांच विकेट पर 173 रन बनाकर मुकाबला 5 विकेट से जीत लिया।राजेश मोहंती के पांच विकेट की बदौलत ओडिशा ने छत्तीस गढ़ को 27 से हराया। ओडिशा ने 20 ओवर में 135/8 रन बनाए। जवाब में छत्तीसगढ़ की टीम 108 रन पर आलआउट हो गयी। वहीं, मैन आर्फ द मैच यश ठाकुर (5 विकेट) की घातक गेंदबाजी से विदर्भ ने केरल को छह विकेट से करारी शिकस्त दी है। इकाना स्टेडियम पर केरल पहले खेलते हुए सभी विकेट खोकर 164 रन बनाए। जवाब में विदर्भ की टीम चार विकेट खोकर 9 गेंद शेष रहते हुए जीत दर्ज की।

सूर्यवंशी के नाबाद शतक के बावजूद हारा बिहार

प्रतिभावान बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की 61 गेंद में नाबाद 108 रन की पारी के बावजूद बिहार को मंगलवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी मैच में महाराष्ट्र के खिलाफ तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा।बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर बिहार ने 14 साल के सूर्यवंशी की नाबाद पारी से तीन विकेट पर 176 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और सात छक्के मारे और टूर्नामेंट के इतिहास में शतक जड़ने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने।इसके जवाब में महाराष्ट्र ने कप्तान पृथ्वी साव की 30 गेंद में 66 रन की पारी के अलावा नीरज जोशी(30), रंजीत निकम (27) और निखिल नाईक (22) की पारियों से पांच गेंद शेष रहते सात विकेट पर 182 रन बनाकर जीत दर्ज की।

हार्दिक पंड्या के 77 रन से बड़ौदा ने पंजाब को सात विकेट से हराया

भारतीय हरफनमौला हार्दिक पंड्या ने दो महीने बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में शानदार वापसी करते हुए नाबाद 77 रन बनाये जिसकी मदद से बड़ौदा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी ग्रुप सी के मैच में पंजाब को सात विकेट से हराया । पंड्या ने 42 गेंद में सात चौकों और चार छक्कों की मदद से यह पारी खेली ।पंजाब ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 222 रन बनाये थे जिसमें भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के 19 गेंद में 50 रन शामिल है।

स्कूल गेम्स में आर्यवीर व प्रीशा ने जीते स्वर्ण पदक

लखनऊ। आर्यवीर व प्रीशा श्रीवास्तव ने प्रगतिशील भारती फाउंडेशन द्वारा आयोजित लखनऊ स्कूल गेम्स-2025 में बैडमिंटन में सफलता हासिल करते हुए शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता के पहले स्वर्ण पदक विजेता बनने का गौरव हासिल किया। चौक स्टेडियम में आयोजित बैडमिंटन की स्पर्धा में अंडर-14 बालक वर्ग में शानदार प्रदर्शन करत हुए मिलेनियम स्कूल के आर्यवीर ने पहला स्थान हासिल किया जिन्होंने एलपीएस ए ब्लाक राजाजीपुरम के रौनक प्रताप को हराया जबकि एलपीएस ए ब्लाक राजाजीपुरम के ही आयुष तीसरे स्थान पर रहे। दूसरी ओर बैडमिंटन अंडर-14 बालिका में स्टडी हाल गोमतीनगर की प्रीशा श्रीवास्तव ने स्वर्ण पदक जीता। इस वर्ग में स्टडी हाल की ही रिधिमा सिंह ने दूसरा व नम्या श्रीवास्तव ने तीसरा स्थान हासिल किया। बालक खो-खो के पहले सेमीफाइनल में एलपीएस सेक्टर डी ने नौ अंकों से जीत दर्ज की। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में सेंट्रल पब्लिक स्कूल ने लखनऊ मांटेसरी इंटर कॉलेज के खिलाफ 1 अंक से जीत हासिल की। एक बड़े अभियान के तौर पर शुरू किए गए इन गेम्स का उद्घाटन चौक स्टेडियम पर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय शारीरिक प्रमुख अखिलेश जी के करकमलों द्वारा किया गया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि का स्वागत आयोजन समिति अध्यक्ष व संयोजक अनुज कुमार तिवारी ने किया।

फ्रांस क्वार्टर फाइनल में, ऑस्ट्रेलिया बाहर

चेन्नई। पिछले सत्र के रजत पदक विजेता फ्रांस ने बांग्लादेश को 3-2 से हराकर अपना अजेय क्रम जारी रखते हुए मंगलवार को यहां एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ ही फ्रांस की टीम पूल 'एफ' में अधिकतम नौ अंक लेकर शीर्ष पर रही। फ्रांस ने इससे पहले कोरिया को 11-1 और ऑस्ट्रेलिया को 8-3 से हराया था।

टूर्नामेंट के अपने शुरुआती दो मैचों में शानदार प्रदर्शन करने वाले फ्रांस ने बांग्लादेश के खिलाफ भी मैच के अधिकांश समय अपना नियंत्रण बनाए रखा। टीम ने दूसरे मिनट में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन स्टार ड्रैग-फ्लिकर अमीरुल इस्लाम ने गोल-लाइन पर बेहतरीन बचाव किया। फ्रांस का दबाव जारी रहा और जल्द ही उन्हें दो और शॉर्ट कॉर्नर मिले। दूसरे शॉर्ट कॉर्नर पर टीम को पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिस पर टॉम गैलार्ड ने सातवें मिनट में कोई गलती नहीं की और स्कोर 1-0 कर दिया।

एफआईएच जूनियर विश्व कप

दूसरे क्वार्टर में बांग्लादेश को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन अमीरुल इस बार चूक गए और उनके दमदार फ्लिक को फ्रांस के गोलकीपर एंटोनी रॉबर्ट ने शानदार तरीके से बचा लिया। मोहम्मद अब्दुल्ला ने मैच के 28वें मिनट में मैदानी गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। बांग्लादेश के लिए यह टूर्नामेंट का पहला मैदानी गोल था। फ्रांस ने दूसरे हाफ में खेल का स्तर ऊंचा किया और गैबिन लोर्राजुरी (32वें) तथा जेम्स लिडार्ड (38वें) के मैदानी गोल से टीम की बढ़त 3-1 हो गयी।इस मैच में कुछ रुकावटे भी आयी, जब एक तरफ की फ्लड लाइट में खराबी के कारण खेल को तीन बार रोकना पड़ा।दो गोल से पिछड़ने के बावजूद बांग्लादेश ने हार नहीं मानी और वापसी के लिए जोर लगाना जारी रखा। अंतिम हूटर से चार मिनट पहले टीम को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले। अमीरुल इस्लाम ने दूसरे मौके को गोल में बदलकर स्कोर का अंतर कम किया। यह टूर्नामेंट में उनका सातवां गोल था। पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया का दूसरे जूनियर विश्व कप खिताब का 28 साल का इंतजार जारी रहेगा क्योंकि टीम पूल एफ मैच में कोरिया को 3-1 से हराने के बावजूद क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रही। ऑस्ट्रेलिया ने अपना एकमात्र जूनियर विश्व कप खिताब इंग्लैंड के मिल्टन केनेस में 1997 में जीता था।

क्रिकेट बड्डीज ने लाइव टीवी को 85 रन से हराया

लखनऊ। मैन ऑफ द मैच इमरान खान (नाबाद 71) के आतिशी अर्धशतक और नूर (49) की उम्दा पारी से क्रिकेट बड्डीज ने चतुर्थ अधीर दुबे (पूर्व एमएलसी) मेमोरियल टी-20 क्रिकेट टूनामेंट में लाइव टीवी एक्सप्रेस को 85 रन से हराया।आरडीएसओ स्टेडियम पर क्रिकेट बड्डीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 209/3 रन बनाया। सलामी बल्लेबाज करुणेश उपाध्याय 51 रन के बाद इमरान खान ने भी नाबाद 71 रन बनाए। वहीं नूर ने 49 रन का योगदान किया। लाइव टीवी एक्सप्रेस से मो.फैसल व इमरान अली को 1-1 विकेट की सफलता मिली। जवाब में लाइव टीवी एक्सप्रेस लक्ष्य का पीछा करते हुए निर्धारित ओवर में 6 विकेट पर 124 रन ही बना सका।

जौनपुर धावकों को नए साल में मिलेगा सिंथेटिक रनिंग ट्रैक

पायनियर संवाददाता। लखनऊ

पूर्वांचल की मिट्टी अब और मेडल लाने के लिए तैयार हो रही है। जौनपुर की धरती से अब जल्दी ही राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के धावक तैयार होंगे। यहाँ के इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम में पहली बार सिंथेटिक रनिंग ट्रैक पर खिलाड़ी प्रैक्टिस कर सकेंगे। पूर्वांचल के धावक किसी भी मौसम में इस सिंथेटिक रनिंग ट्रैक पर दौड़ सकेंगे। 400 मीटर .8 लेन की सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण लगभग 865.92 लाख रुपये की लागत से पूर्ण हो गया है। सिंथैटिक रनिंग ट्रैक को वर्ल्ड एथलेटिक्स प्रमाणन मिल चुका है ,जल्द ही इसे सम्बंधित विभाग को हस्तांतरित किया जायेगा।

जौनपुर में धावकों को दौड़ने के लिए इंटरनेशनल लेवल के एथलेटिक्स सिंथेटिक रनिंग ट्रैक की जरूरत काफी समय से महसूस की जा रही थी। योगी सरकार ने धावकों की इस जरुरत को समझते हुए ,जौनपुर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सिंथेटिक रनिंग ट्रैक का निर्माण करवा दिया है।

उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रोजेक्ट मैनेजर मानवेन्द्र सिंह ने बताया कि स्पोर्ट्स स्टेडियम में 400 मीटर . 8 लेन सिंथेटिक रनिंग ट्रैक का निर्माण पूरा हो चुका है। वर्ल्ड एथलेटिक्स द्वारा सिंथेटिक रनिंग ट्रैक को प्रमाण पत्र मिल चुका है,जल्दी इसे सम्बंधित विभाग को हैंडओवर किया जायेगा। इंटरनेशनल लेवल का रनिंग ट्रैक खिलाड़ियों को दौड़ने के लिए नए वर्ष में मिल सकता है।

ओलंपिक और एशियाड समेत अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत के बढ़ते मेडलों की संख्या इस बात को साबित करती हुई दिख रही कि डबल इंजन की सरकार खेल व खिलाड़ियों की सुविधाओं को लेकर काफी गंभीर है। सरकार पिछले आठ सालो से देश मे खेलों के मूल भूत ढांचे को सुधारने में जुटी है। आने वाले समय में भारत के खिलाड़ियों का दबदबा दुनिया के खिलाड़ियों के बीच और देखने को मिलेगा।

धावक पूजा यादव ने बताया कि पहले बारिश के मौसम में प्रैक्टिस नहीं हो कर पाते थे ,सिंथेटिक रनिंग ट्रैक के लिए योगी जी को धन्यवाद कहना चाहते है,अब सभी मौसम में प्रैक्टिस कर सकेंगे जिससे अभ्यास की निरंतरता बनी रहगी और परफॉरमेंस बेहतर होगा। एथलीट नितेश चौहान ने बताया कि सरकार ने घर में अंतरराष्ट्रीय स्तर का रनिंग ट्रैक दिया है, हम जैसे खिलाड़ियों के लिए बहुत बड़े सौभाग्य की बात है। स्टेट और नेशनल प्रतियोगिताएं सिंथेटिक रनिंग ट्रैक पर होती थी। हम लोग पहले घास व मिट्टी के ट्रैक पर प्रैक्टिस करते थे,जिससे सिंथेटिकट्रैक पर होने वाली प्रतियोगितओं में पिछड़ जाते थे।

> अंतर्राष्ट्रीय सिंथेटिक रनिंग ट्रैक बन जाने से अब खिलाड़ियों को अपने शहर से दूर नहीं जाना पड़ेगा। जो खिलाडी दूर जाकर अन्य जिलों में प्रैक्टिस कर रहे है व अपने घर वापस आकर राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिताओं की तैयारी करना चाह रहे है।
>
> **चन्दन सिंह,जिला क्रीड़ा अधिकारी,जौनपुर**

डॉ आरपी सिंह बने जूरी ऑफ अपील के सदस्य

पायनियर संवाददाता। लखनऊ

पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी और उत्तर प्रदेश के खेल निदेशक डॉ. आरपी सिंह एफआईएच पुरुष हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप में जूरी ऑफ अपील के सदस्य बनाये गऐ हैं। यह जानकारी इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन के अध्यक्ष तय्यब इकराम ने दी।

जूनियर हॉकी विश्व कप

एफआईएच पुरुष हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप तमिलनाडु में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक आयोजित हो रहा है। डॉ. आरपी सिंह वर्तमान में हॉकी इंडिया के मुख्य चयनकर्ता और यूपी हॉकी के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने इस जिम्मेदारी को गौरवपूर्ण अवसर बताया। डॉ. सिंह भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रहे हैं और दो एशियन गेम्स (सियोल 1986, बीजिंग 1990) तथा एशिया कप 1989 में पदक विजेता टीम का हिस्सा रहे। वह 1986 लंदन और 1990 लाहौर विश्व कप के साथ-साथ प्री ओलंपिक 1988 की स्वर्ण पदक विजेता टीम में भी शामिल रहे। अपने करियर में उन्होंने सुल्तान अजलान शाह कप की स्वर्ण पदक विजेता टीम का भी प्रतिनिधित्व किया। उनकी देखरेख में उत्तर प्रदेश में कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन हुआ है, जिनमें 2016 लखनऊ जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप और 2019 इंडो-फ्रांस महिला हॉकी टेस्ट सीरीज शामिल हैं।

घर पर बनाएं रेस्टोरेंट जैसा स्वीट कॉर्न सूप

परफेक्ट सूप बनाने के लिए सबसे पहले सामग्री तैयार कर लें। आपको मुख्य रूप से चाहिए होंगे- स्वीट कॉर्न के दाने, बारीक कटी हुई सब्जियां (जैसे गाजर, बीन्स, पत्तागोभी), थोड़ा-सा कॉर्नफ्लोर, नमक, काली मिर्च, और बटर। बता दें, कॉर्नफ्लोर सूप को गाढ़ा करने का काम करता है। अगर आपके पास चिकन स्टॉक या वेजिटेबल स्टॉक है तो सूप का स्वाद दोगुना हो जाएगा, वरना सादे पानी का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। आइए, विस्तार से जानते हैं इसे बनाने की सिंपल रेसिपी।

स्वीट कॉर्न का पेस्ट है असली सीक्रेट

रेस्टोरेंट जैसा गाढ़ापन लाने के लिए आपको एक छोटा-सा काम करना होगा। स्वीट कॉर्न के दानों को दो हिस्सों में बांट लें। एक हिस्सा साबुत रहने दें और दूसरे हिस्से को मिक्सर में थोड़ा-सा पानी डालकर दरदरा पीस लें। यह पेस्ट सूप को क्रीमी टेक्सचर देगा और उसका स्वाद भी बढ़ाएगा।

बनाने की आसान विधि

सबसे पहले एक पैन या बर्तन में बटर डालें। जब बटर पिघल जाए, तो उसमें बारीक कटा लहसुन और अदरक (अगर आप डालते हैं) डालकर हल्का भून लें। इसके बाद, बारीक कटी सब्जियां डालें और 2-3 मिनट तक भूनें ताकि उनका कच्चापन निकल जाए। अब पीसा हुआ कॉर्न पेस्ट और साबुत कॉर्न के दाने डालें।

टेस्ट और टेक्सचर को करें बैलेंस

करीब 2 मिनट बाद, इसमें स्टॉक या पानी डालें और उबाल आने दें। उबाल आने के बाद, सूप को मध्यम आंच पर 5-7 मिनट तक पकने दें। इस बीच, एक कटोरी में कॉर्नफ्लोर को थोड़े से पानी में घोल लें। जब सूप गाढ़ा न हो, तब इस कॉर्नफ्लोर घोल को धीरे-धीरे सूप में मिलाएं और लगातार चलाते रहें। 2-3 मिनट में सूप गाढ़ा हो जाएगा।

अब बारी है स्वाद जोड़ने की। इसमें नमक और काली मिर्च स्वादानुसार डालें। आप चाहें तो थोड़ा सा सोया सॉस या सिरका भी डाल सकते हैं। आपका परफेक्ट स्वीट कॉर्न सूप तैयार है। इसे एक कटोरी में निकालें, ऊपर से हरे प्याज या धनिया पत्ती से गार्निश करें और गरमा-गरम परोसें।

कश्मीरी काहवा चाय, जानें बनाने का सही तरीका

सर्दियों में अकसर सुबह बिस्तर छोड़ते ही ज्यादातर भारतीय चाय की चुस्की लेना पसंद करते हैं। नॉर्मल चाय तो आप रोज ही पाते हैं लेकिन आज आपके साथ चाय की एक ऐसी रेसिपी शेयर करने वाले हैं, जो ना सिर्फ आपको स्वाद देगी बल्कि आपकी सेहत का भी खास ख्याल रखेगी।

जी हां, इस चाय का नाम है कश्मीरी काहवा चाय। यह चाय कश्मीर में ही नहीं बल्कि पूरे भारत में फेमस है। इसे लोग खासतौर पर सर्दियों के मौसम में खुद को ठंड से बचाने के लिए पीते हैं। इस चाय में मौजूद केसर और साबुत मसाले शरीर को बाहर की ठंड से तुरंत राहत देते हैं। कहवा वैसे तो सर्दियों में ही बनाकर पीया जाता है, लेकिन आप इसे साल भर भी बनाकर पी सकते हैं। बता दें, कहवा पारंपरिक रूप से पीतल या तांबे की केतली में बनाया जाता था जिसे समोवर कहते थे। तो चलिए बिना देर किए जान लेते हैं कैसे बनाई जाती है कश्मीरी काहवा चाय।

मेथी वाली चटपटी कढ़ी

मौसम कोई भी हो, गरमा-गरम कढ़ी चावल खाने का मजा कुछ और ही है। अब चूंकि विंटर्स शुरू हो गए हैं, तो कढ़ी में हरी सब्जियां डालकर स्पेशल टेस्ट देना तो बनता है। ऐसे में इन दिनों घर-घर में मेथी की कढ़ी जरूर बनती है। ये खाने में बहुत ज्यादा स्वादिष्ट होती है और साथ ही पौष्टिक भी। बच्चे भी मेथी वाली कढ़ी खूब शौक से खा लेते हैं। अब आपने इसकी कई रेसिपी ट्राई की होंगी लेकिन एक बार जरा इस तरीके से मेथी कढ़ी बनाकर देखिए। इसका स्वाद एकदम नेक्स्ट लेवल आएगा। तो चलिए सर्दियों की खास मेथी कढ़ी बनाने का तरीका जान लेते हैं।

सामग्री: मेथी की कढ़ी बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं - 1 कप खट्टी दही, बेसन (2 चम्मच), देसी घी, 1 चम्मच अदरक, लहसुन और हरी मिर्च का पेस्ट, कटी हुई मेथी (2 कप), आधा चम्मच हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर (1 चम्मच), नमक (स्वादानुसार)।

विधि: सबसे पहले दही, बेसन और थोड़ा सा पानी मिलाकर एक घोल तैयार कर लें। अब एक पैन में देसी घी गर्म कर लें, उसमें हरी मिर्च, अदरक और लहसुन का पेस्ट डालकर कुछ मिनटों के लिए भून लें। मेथी के पत्ते (कटे हुए) एड करें और इन्हें भी 1-2 मिनट के लिए भून लें। इसमें स्वादानुसार नमक, हल्दी और धनिया पाउडर डालकर हल्का सा पानी भी एड करें। मसालों को भूनने के बाद दही और बेसन का घोल मिलाएं। सभी चीजों को मिक्स करते हुए चलाती रहें, जबतक कढ़ी में उबाल ना आने लगे। अब 15 से 20 मिनट के लिए लो फ्लेम पर कढ़ी को पकने दें।

पीनट बटर फ्रेंच टोस्ट, ब्रेकफास्ट के लिए है परफेक्ट ऑप्शन

आमतौर पर हम फ्रेंच टोस्ट को केवल चीनी और दालचीनी के साथ बनाते हैं, लेकिन पीनट बटर का इस्तेमाल इसे एक नया और मजेदार ट्विस्ट देता है। कई बार डेली सिंपल टोस्ट खाकर मन ऊब जाता है। बच्चे भी ब्रेड बटर, सैंडविच खाने से कई बार दूर भागते हैं। इसलिए आपको हम ब्रेड की एक ऐसी रेसिपी बता रहे हैं, जिसे खाकर हर कोई पसंद जरूर करेगा। पीनट बटर न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है, बल्कि इसमें भरपूर प्रोटीन और हेल्दी फैट भी होता है। जब यह टोस्ट पर गर्म होकर थोड़ा पिघलता है, तो इसका क्रिमी और नटी फ्लेवर बेमिसाल लगता है।

बटर फ्रेंच टोस्ट बनाने की सामग्री:-

- 4 ब्रेड स्लाइस
- 2 बड़े चम्मच पीनट बटर
- 2 अंडे
- 1/4 कप दूध
- 1 छोटा चम्मच चीनी
- 1/4 छोटा चम्मच वनीला एसेंस (ऑप्शनल)
- 1 चुटकी दालचीनी पाउडर (ऑप्शनल)
- 1 बड़ा चम्मच बटर या तेल (सेकने के लिए)

टोस्ट बनाने की विधि:-

- इसे बनाना इतना आसान है कि पहली बार बनाने वाला व्यक्ति भी इसे मिनटों में तैयार कर सकता है। सबसे पहले, आपको अंडे, थोड़ा सा दूध, चीनी या शहद और वनीला एसेंस को अच्छी तरह फेंटना होगा। यह घोल फ्रेंच टोस्ट का बेस है। अब, दो ब्रेड स्लाइस के बीच अच्छी मात्रा में पीनट बटर लगाकर उन्हें सैंडविच की तरह तैयार करें।
- इस पीनट बटर सैंडविच को अंडे के घोल में दोनों तरफ से हल्के से डुबोएं। ध्यान रखें कि ब्रेड बहुत ज्यादा न भीगे, नहीं तो वह टूट जाएगी। अब, एक नॉन-स्टिक पैन में थोड़ा सा बटर या घी गर्म करें। इस सैंडविच को पैन पर रखें और मध्यम आंच पर दोनों तरफ से सुनहरा भूरा और कुरकुरा होने तक सेकें।
- जब आपका फ्रेंच टोस्ट तैयार हो जाए, तो इसे प्लेट में निकालें। आप इसे और भी स्वादिष्ट बनाने के लिए ऊपर से शहद या मेपल सिरप डाल सकते हैं। इसके अलावा, कटे हुए केले, स्ट्रॉबेरी या थोड़े से अखरोट डालकर परोसने से इसका पौष्टिक मूल्य और स्वाद दोनों बढ़ जाते हैं।
- अगली बार जब आप जल्दबाजी में हों और आपको कुछ स्वादिष्ट, सेहतमंद और झटपट बनाना हो, तो यह पीनट बटर फ्रेंच टोस्ट जरूर ट्राई करें। यह आपके ब्रेकफास्ट के लिए एकदम परफेक्ट, एनर्जी से भरा हुआ ऑप्शन है।

सूजी हो या बेसन, हलवा बनाते वक्त ये 6 टिप्स करें फॉलो

हलवा बनाने चलती हैं तो कभी बिल्कुल सूखा बन जाता है तो कभी उसमे मिठास का बैलेंस नहीं होता। वहीं कई बार तो हलवे में केवल घी ही घी दिखता है। अगर आपके साथ भी हमेशा हलवा बनाने में गड़बड़ होती है। तो ये सिंपल टिप्स को फॉलो करें। जिसकी मदद से सूजी, बेसन, सिंघाड़े का हलवा बनाना आसान हो जाएगा।

- **घी, चीनी का रेशियो हो सही:** जब भी सूजी, बेसन या सिंघाड़े का हलवा बनाना हो तो तीनी चीजों की मात्रा बिल्कुल एक बराबर होनी चाहिए। अगर एक कप बेसन लिया है तो एक कप घी और एक कप चीनी की मदद से हलवा तैयार करें। इससे परफेक्ट टेस्ट मिलेगा।
- **चीनी मिलाने का सही तरीका:** हलवे में चीनी मिलाने का सही तरीका बेहद जरूरी है। जिससे हलवे में गांठ नहीं पड़ती और ना ही चीनी कैरेमेलाइज होती है। सबसे पहले गैस पर दूसरे पतीले में चीनी की मात्रा का तीन गुना पानी डालकर चाशनी तैयार कर लें। अब इस चाशनी को धीरे-धीरे हलवे में डालें।
- **लोग करते हैं ये गलती:** ज्यादातर लोग हलवा बनाते वक्त गर्म पानी मिलाते और उसके बाद चीनी डालते हैं। लेकिन चाशनी बनाकर डालना ज्यादा आसान और बेहतर तरीका है।
- **कलर के लिए केसर डालें:** बेसन या सूजी के हलवे का कलर गोल्डन चाहती हैं तो चाशनी बनाते वक्त उसमे कुछ रेशे केसर के डाल दें। जिससे नेचुरली गोल्डन कलर दिखे और हलवा दिखने में अच्छा लगे।
- **घी डालने का मेथड:** हलवा में घी डालने का तरीका हलवे को सॉफ्ट और ग्लॉसी बना देता है। जैसे भूनने के लिए आधा घी का इस्तेमाल करें और आधा चाशनी डालकर चलाने के बाद डालें। जिससे अच्छी तरह से हलवे में मिक्स हो जाए। इससे कलर भी ग्लॉसी नजर आता है।
- **हलवा बन जाने की निशानी:** हलवा बिल्कुल परफेक्ट कंसिस्टेंसी में बनेगा जब उसको सही टाइम पर गैस बंद करके आंच से उतार लेंगी। जब घी डालकर कुछ देर चलाने के बाद हलवा किनारे छोड़ दें तो समझ जाएं कि हलवा रेडी है। अब इसे और ज्यादा भूनने की गलती ना करें नहीं तो हलवा सूखने लगेगा।

सर्दी का सुपरफूड है पाया सूप

सर्दी के मौसम में सूप पीना काफी फायदेमंद माना जाता है। ऐसे में आमतौर पर लोग सब्जियों के सूप को ज्यादा तवज्जो देते हैं, लेकिन क्या आपको पता है इस मौसम में पाया सूप आपके लिए बेहतरीन हो सकता है? आइए जानें पाया सूप पीना कैसे आपके लिए फायदेमंद हो सकता है और इसे बनाने की रेसिपी क्या है।

पाया सूप बनाने की सामग्री: पाए- 4 से 6, अच्छी तरह से साफ किए हुए। पानी - लगभग 6 से 8 कप।

मसाले और अन्य सामग्री: प्याज - 1 मध्यम आकार का, बारीक कटा हुआ। अदरक-लहसुन का पेस्ट - 2 चम्मच। तेज पत्ता (2), बड़ी इलायची (1), दालचीनी (1 इंच), लौंग (4-5), काली मिर्च के दाने (8-10), हल्दी पाउडर (1/2 चम्मच), धनिया पाउडर (1 चम्मच), नमक (स्वादानुसार), काली मिर्च पाउडर (1/2 चम्मच)।, तेल या घी - 2 से 3 चम्मच।, गार्निश के लिए - ताजा हरा धनिया और नींबू का रस

बनाने की विधि: सबसे पहले पाए को अच्छी तरह से धो लें। अब प्रेशर कुकर में तेल या घी गर्म करें और उसमें कटा हुआ प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। प्याज भुन जाने पर अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें और कच्ची महक जाने तक एक मिनट के लिए भूनें। अब हल्दी और धनिया पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद साफ किए हुए पाए और सभी साबुत मसाले डालकर 2 मिनट तक भूनें, ताकि पाए मसालों को सोख लें। अब इसमें स्वादानुसार नमक और 6 से 8 कप पानी डालें। पानी इतना होना चाहिए कि पाए पूरी तरह से डूब जाएं। पानी डालने के बाद कुकर का ढक्कन बंद करें। तेज आंच पर केवल एक सीटी आने दें। इसके बाद, आंच बिल्कुल धीमी कर दें और सूप को लगभग 35 से 40 मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें।

आसान और टेस्टी रेड सॉस पास्ता रेसिपी

आप अगर बाहर के और फास्टफूड की बात तो आजकल हर कोई पास्ता खाना पसंद करता है। इटैलियन डिश होते हुए भी पास्ता सबका फेवरेट बन गया है। कभी भी आप घर पर अकेले हो और भूख लगे तो इस आसान सी रेसिपी के साथ आप भी पास्ता बना सकते हैं। टमाटर की सॉस तैयार कर उसमें पास्ता मिलाकर तैयार करें।

रेड सॉस पास्ता बनाने के लिए लहसुन, तेजपता, नमक और टमाटर की जरूरत होती है। टमाटर से सॉस तैयार करके इसमें पास्ता को उबालकर डाला जाता है। पास्ता उबालते वक्त इस बात का ध्यान रखा जाता है कि वह टूटे नहीं।

पास्ता की सामग्री:-

सॉस तैयार करने के लिए: 5-6 टमाटर1 लहसुन की कली1 प्याज1/2 कप पानी1 तेजपत्ता1/2 टी स्पून चीनी4-5 बैजल की पत्तियां1 टेबल स्पून प्याज, टुकड़ों में कटा हुआ1/2 टेबल स्पून लहसुन , टुकड़ों में कटा हुआ स्वादानुसार नमक(मसाला बनाने के लिए) तेल

पास्ता के लिए: 3 कप पानीएक चुटकी नमक110 ग्राम पास्ता

बनाने की विधि:-

सॉस के लिए: 1.एक पैन में टमाटर डालकर पकाएं। 2.इसमें लहसुन, प्याज और तेजपत्ता डालें। 3.पानी डालें, उसके बाद नमक और चीनी डालकर मिलाएं। 4.पैन को ढक दें और टमाटर में उबाल आने दें। 5.इसे ठंडा कर-के पीस कर प्यूरी बना लें। 6.एक दूसरे पैन में तेल गर्म करके प्याज और लहसुन डालें।

7.उसके बाद इसमें तैयार की गई प्यूरी डालकर मिलाएं। 8.इसे तब तक पकाएं जब यह आधी न रह जाएं, इसके बाद बैजल की पत्तियां डालकर एक साइड रख दें।

पास्ता बनाने के लिए: 1.पानी में नमक डालकर उबालें। 2.इसमें पास्ता डालकर उबालें। 3.जब पास्ता उबल जाएं तो उसका पानी निकालकर सॉस में अच्छी तरह मिलाएं। आपका रेड सॉस पास्ता तैयार है।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. देवेन्द्र सिंह द्वारा पंजीकृत कार्यालय 201-205, 208-210 द्वितीय मंजिल, प्रताप भवन, 5 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष : 01169342500, 46035729 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. ए-8, सेक्टर 7, जिला गौतमबुद्धनगर- उत्तर प्रदेश, नोएडा 201, 301, फोन नंबर 0120-2470700 से मुद्रित। प्रधान संपादक डॉ. देवेन्द्र सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।